फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 122 प्रभात जयपुर, मंगलवार 3 दिसम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Did You Not Make Your Trip!

All is not lost. You can see those sights that others don't get their eyes on. There is more for the discerning holidayer.

Apple Cider Vinegar's Health Benefits

Apple Cider Vinegar is a powerful liquid that can benefit your health and help you clean your home.

साउथ इण्डिया से मांग उठी, अब संसद की कुछ बैठक दक्षिण भारत में भी हों

वाय.एस.आर. कांग्रेस के तिरुपति से सांसद ने संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजीजू को पत्र लिखर कर यह मांग की

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। अब दक्षिण भारत से मांग उठ रही है कि दक्षिण भारत में संसद की मीटिंग करवाई जाए जैसे कर्नाटक विधानसभा की बैठक बेलागावी में भी होती है।

दक्षिण भारत से संसदीय बैठकों का विकेन्द्रीकरण करने की बात की जा रही है।

इस तरह के विचार का समर्थन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने भी किया था।

वाय.एस.आर.सी.पी. के तिरुपति के सांसद एम. गुरुमूर्ति ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू को इस बारे में पत्र लिखा है, जिसका समर्थन तमिलनाडु के सांसद कार्ति चिदम्बरम व अन्य सांसदों ने भी किया।

तिरुपति सांसद ने इस मांग के पीछे तर्क और एतिहासिक परिप्रेक्ष्य पेश किया और कहा कि ऐसा करने से राष्ट्रीय एकता को बल मिलेगा और दिल्ली के खराब मौसम से सांसदों को आवागमन से राहत मिलेगी और काम बेहतर ढंग से हो सकेगा। एतिहासिक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि अम्बेडकर और वाजपेयी जी ने संसद के सत्रों के विकेन्द्रीकरण की बात की थी जिसमें एकता व सबको साथ लेकर चलने की भावना को बल मिलेगा तथा संसद सभी क्षेत्र के लोगों के करीब लाया जा सकेगा।

- तमिलनाडु से निर्वाचित सांसद कार्ति चिदम्बरम सहित कई दक्षिण भारत के सांसदों ने इस मांग का समर्थन किया।
- इन सांसदों के अनुसार, अम्बेडकर व वाजपेयी ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। वाजपेयी का कहना था, यह प्रशासनिक कदम देश में एकता का भाव और मजबूत करेगा, तथा संसद को जनता के नज़दीक लायेगा।
- इस मांग के समर्थक सांसदों का यह भी कहना था, इस कदम से सभी सांसदों को दिल्ली की भीषण सर्दी के मौसम से राहत मिलेगी और कार्यकुशलता बढ़ेगी।
- एतिहासिक दृष्टि से यह सच है कि, 1988 में भी ऐसा एक प्रस्ताव प्राइवेट मैम्बर बिल के मार्फत लोकसभा में उठाया गया था, पर अन्य प्राइवेट मेम्बर्स बिल की भांति, यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ पाया था। पर, अब शायद इस प्रस्ताव को गंभीरता से लेने का समय आ गया है, तथा इससे यह मैसेज जायेगा कि संसद वाकई में पूरे देश की राष्ट्रीय संस्था है।

अपने पत्र में केन्द्रीय मंत्री एम. गुरुमूर्ति ने हर साल संसद की दो बैठके दक्षिण भारत में करवाने का सुझाव दिया और उम्मीद जताई कि सरकार इस सार्थक सुझाव पर सकारात्मक तरीके से विचार करेगी।

इसी तरह का विचार 1968 में एक सदस्य ने निजी बिल के मार्फत पेश किया था पर विधेयक पारित नहीं हो सका, पर अब समय आ गया है कि ऐसा कदम उठाया जाए अगर संसद की बैठकों का विकेन्द्रीकरण कर दिया जाए तो जनता को लगेगा कि संसद उनके ज्यादा करीब आ गई हैं।

इससे यह साबित करने में भी मदद मिलेगी कि संसद राष्ट्रीय निकाय है और सिर्फ नई दिल्ली का नहीं बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करती है।

'पूर्व सी.जे.आई. ने पूजा स्थल सम्बंधी विवादों को जन्म दिया'

नई दिल्ली, 02 दिसंबर। कांग्रेस ने सोमवार को उपासना स्थल अधिनियम- 1991 को पूरी तरह से लागू करने की मांग उठाई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अफसोस की बात है कि 20 मई 2022 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ने कुछ मौखिक "ऑब्जर्वेशन्स" दी थी, जिसने मंदिर-मस्जिद वाली याचिकाओं का रास्ता साफ किया है। भाजपा उसका भरपूर राजनीतिक फायदा उठा रही है।

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा 20 मई 2022 को पूर्व सी.जे.आई. चंद्रचूड ने जो मौखिक टिप्पणी की थी उसके बाद से ही मस्जिदों व दरगाहों पर दावेदारी जताने की याचिकाओं की बाढ़ आ गई है।

हर जगह साम्प्रदायिक तनाव फैलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मगर 1991 में बने कानून को लागू करना अनिवार्य है। जयराम रमेश ने कहा कि हाल ही में सामने आए विभिन्न विवाद जैसे कि संभल में एक मस्जिद और अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर दावा करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अडानी की मुश्किलें संसद तक ही सीमित नहीं

बांग्लादेश ने भी अडानी पावर कम्पनी से अपनी बिजली की खरीद आधी की

-श्रीनन्द झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। जहाँ गौतम अडानी विवाद के कारण संसद में गतिरोध बना हुआ है, वहीं, इस दिग्गज व्यवसायी को पड़ोसी बाँग्लादेश में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बाँग्लादेश ने "अडानी पावर" से की जाने वाली बिजली की माँग आधी कम कर दी है।

यह तनातनी पिछले महीने उस समय शुरू हुई, जब "अडानी पावर" ने भुगतान में विलम्ब होने के कारण, बाँग्लादेश को होने वाली सप्लाई घटाकर आधी कर दी थी।

बताया जाता है कि इसके बाद, बाँग्लादेश ने अडानी से कह दिया कि वे अब केवल आधी सप्लाई ही करें।

अडानी ग्रुप, 25 साल के अनुबन्ध के तहत, बाँग्लादेश को पावर-सप्लाई कर रहा है। यह अनुबन्ध 2017 में हुआ था, जब बाँग्लादेश में शेख हसीना प्रधानमंत्री थीं। पावर-सप्लाई "अडानी पावर" द्वारा झारखंड में स्थापित की गई दो इकाइयों से की जा रही थी। इनमें से प्रत्येक की क्षमता करीब 800 मेगावॉट थी। रिपोर्टों के अनुसार, यह प्लांट नवम्बर में केवल 41 प्रतिशत क्षमता के साथ चला। पिछली सर्दियों तक, बाँग्लादेश करीब 1000 मेगावॉट बिजली प्रतिमाह खरीद रहा था। "अडानी पावर" के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह फर्म बाँग्लादेश को बिजली की सप्लाई करती आ रही है, हालाँकि बढ़ाता जा रहा उधार एक बड़ी चिन्ता का विषय है। इसके कारण प्लान्ट का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अडानी पावर कम्पनी, अपने झारखण्ड स्थित पावर प्लान्ट की दो इकाइयों से, जिनकी पावर जनरैशन की क्षमता 16 सौ मेगावाट थी, बांग्लादेश को नियमित बिजली सप्लाई कर रही थी, अब नवम्बर से यह प्लान्ट 41 प्रतिशत क्षमता पर ही काम कर रहे हैं। क्योंकि, बांग्लादेश ने अडानी से बिजली खरीद आधी कर दी है।
- झगड़ा शुरू हुआ गत माह से, जब अडानी की कम्पनी ने बांग्लादेश को दी जा रही सप्लाई को आधा कर दिया था, भुगतान देरी से मिलने का बहाना करके। जवाबी कार्यवाही में बांग्लादेश ने अडानी की कम्पनी को पत्र लिख कर कहा, "अब आप बांग्लादेश को बिजली सप्लाई आगे के लिए आधी ही कर दें।"
- अपुष्ट खबरों के अनुसार बांग्लादेश चाहता है कि अडानी अपनी बिजली सप्लाई की दर में भारी कमी करे, क्योंकि, भारत की अन्य पावर सप्लाई कम्पनियां लगभग औसतन 9.57 टका प्रति यूनिट की दर से बिजली सप्लाई कर रही हैं, जबकि, अडानी पावर कम्पनी 14.87 टन प्रति यूनिट की दर से बांग्लादेश को बिजली बेच रही है।

मोदी सरकार ने संविधान पर चर्चा की विपक्ष की मांग मानी

संभावना है कि मंगलवार से संसद के दोनों सदनों में सुचारू रूप से काम होगा

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। संसद के दोनों सदनों का काम-काज मंगलवार से शुरू हो सकता है क्योंकि मोदी सरकार ने कांग्रेस की इस माँग को स्वीकार कर लिया है कि संविधान पर दो दिन की विशेष चर्चा हो।

राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस प्रकार की चर्चा कराने के लिये सदन के सभापति को पत्र लिखा था। इसी प्रकार का एक पत्र 26 नवम्बर को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को लिखा था।

संविधान पर चर्चा लोकसभा में 13 तथा 14 दिसम्बर को तथा राज्य सभा में 16 एवं 17 दिसम्बर को होगी।

सरकार, संसद के निरन्तर गतिरोध के समाधान की खातिर, संविधान पर बहस कराने की विपक्ष की माँग पर सहमत हो गई है। ज्ञातव्य है कि शीतकालीन सत्र की शुरूआत, अर्थात 25 नवम्बर से ही संसद ठप्प पड़ी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के कार्यालय में सदन के सभी नेताओं की मीटिंग हुई तथा यह तय हुआ कि मंगलवार से सदन की कार्यवाही निर्विघ्न रूप से शुरू हो जायेगी तथा उस दिन सदन में पहला विधेयक पेश एवं पारित हो जायेगा।

इस घटना क्रम पर बयान देते हुये, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा "ऐसी आशा है कि मोदी सरकार दोनों सदनों में कल (मंगलवार) से काम होने देगी।"

शीतकालीन सत्र के आरम्भ से ही, दोनों सदनों में कोई काम-काज नहीं हो पा रहा था, क्योंकि विपक्ष आसनों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लोकसभा में 13 और 14 दिसम्बर को तथा राज्यसभा में 16 व 17 दिसम्बर को संविधान पर चर्चा होगी।
- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस बारे में स्पीकर ओम बिड़ला को चिट्ठी लिखी थी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के सभापति को पत्र भेजा ता।
- शुरू में सरकार ने संविधान पर चर्चा कराने से इन्कार कर दिया था, इस वजह से 25 नवम्बर से शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद संसद में एक दिन भी काम नहीं हुआ।

सन् 2000 के मालपुरा दंगों में आठ को आजीवन कारावास

जयपुर, 2 दिसंबर। सांप्रदायिक दंगा मामलों की विशेष अदालत ने 24 साल पहले टोंक के मालपुरा में हुए सांप्रदायिक दंगे के दौरान, हत्या करने वाले अभियुक्तों इस्लाम, मोहम्मद इशाक, अब्दुल रज्जाक, इरशाद, मोहम्मद जफर, साजिद अली, बिलाल अहमद और मोहम्मद हबीब को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही, अदालत की पीठासीन अधिकारी श्वेता गुप्ता ने अभियुक्तों पर जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि अभियुक्तों ने धारदार हथियारों से निर्ममतापूर्ण इस घटना को अंजाम दिया है। ऐसे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने कहा कि अभियुक्तों ने धारदार हथियारों से इस निर्ममता पूर्ण घटना को अंजाम दिया। ऐसे में उनके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

आज होगी महाराष्ट्र के भाजपा विधायक दल की बैठक

पहले यह बैठक सोमवार 2 दिसम्बर को होने वाली थी

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। महाराष्ट्र में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की मीटिंग, जो 2 दिसम्बर को होनी थी, 3 दिसम्बर तक के लिये टाल दी गई है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा गुजरात के पूर्व मुख्य मंत्री विजय रूपानी को महाराष्ट्र भाजपा के विधायक दल के नेता के चुनाव में पर्यवेक्षक बनाया गया है।

रूपानी ने कहा कि दोनों पर्यवेक्षक जाकर, प्रत्येक विधायक से मिलेंगे तथा सम्बन्धित जानकारी पार्टी हाईकमान को देंगे। इसके बाद, हाईकमान के निर्देशानुसार, पार्टी नेता की घोषणा कर दी जायेगी।

इस बीच, शिव सेना नेता संजय शिरसत ने कहा है कि उनके नेता तथा निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे महायुति सरकार के गठन में बाधा नहीं हैं तथा पार्टी की भी कोई माँग नहीं है।

शिन्दे के नज़दीकी साथी शिरसत ने कहा, "सब कुछ इतनी स्पष्टता के साथ कह देने के बाद, मेरे खयाल से उन (शिन्दे) पर आरोप लगाना ठीक नहीं है। वरिष्ठ नेता जो कुछ भी कहेंगे, वह हमें स्वीकार होगा। महायुति में कोई मतभेद नहीं है..मेरे खयाल से, नेताओं एकनाथ शिन्दे, देवेन्द्र फड़नवीस तथा अजित पवार की विभागों के सम्बन्ध में मीटिंग होगी तथा सारी उलझनें दूर हो जायेंगी।"

"एक्स" पर की गई एक पोस्ट में, एकनाथ शिन्दे के पुत्र ने इन अफवाहों का खंडन किया है कि वे नई महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री चुने जा रहे हैं। अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा, "मुझे सत्ता में पद पाने की कोई इच्छा नहीं है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूँ कि मैं राज्य मंत्रिमण्डल के किसी पद की दौड़ में नहीं हूँ।"

अस्वस्थ होने के कारण, थोडे से समय के लिये अपने गृहनगर में ठहरने के बाद, एकनाथ शिन्दे ने कहा कि महायुति के सभी मित्र एक-दूसरे के साथ हैं तथा नये मुख्यमंत्री की घोषणा जल्दी ही हो जायेगी।

उन्होंने कहा, "हमारी सरकार का पिछले ढाई साल का काम इतिहास में याद किया जायेगा। यही कारण है कि लोगों ने हमें जनादेश दिया तथा विपक्ष को नकार दिया, यहाँ तक कि उसे विपक्ष का नेता चुनने का अवसर भी नहीं दिया। महायुति के तीनों दलों के बीच अच्छी समझ-बूझ है।"

लेकिन उनकी पार्टी के विधायकों ने सोमवार को एक बार पुनः यह माँग की कि शिन्दे के नेतृत्व में राज्य में हुये विकास-कार्यों के आधार पर, उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी को पर्यवेक्षक बनाया गया है, वे सभी विधायकों से व्यक्तिगत रूप से बात करेंगे।
- शिवसेना और एकनाथ शिंदे के करीबी संजय शिरसाट ने साफ कर दिया कि एकनाथ शिंदे सरकार गठन में बाधा नहीं है और उनकी पार्टी की कोई मांग नहीं है।
- असल में शिंदे व उनकी पार्टी को लेकर भारी अटकलें लगाई जा रही हैं पर शिंदे ने अपने गांव से लौटने के बाद स्पष्ट कर दिया कि महायुति पूरी तरह से एक जुट है।
- इधर शिंदे के पुत्र को लेकर भी कई अटकलें चल रही हैं, जिनका उन्होंने खंडन किया और कहा कि वे किसी भी पद की दौड़ में नहीं हैं।

सरकारी कर्मचारी को एक पद पर रहने का अधिकार नहीं

जयपुर, 2 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि सरकारी कर्मचारी को एक ही जगह पद पर बने रहने का अधिकार नहीं होता है। सक्षम अधिकारी नियमों की बिना अवहेलना किए उसका दूसरी जगह तबादला कर सकता है। इसके अलावा, अदालत को प्रशासनिक और जनहित में किए गए तबादला आदेश पर दखल नहीं देना चाहिए, जब तक कि उसमें नियमों की अवहेलना नहीं हुई हो। अदालत ने कहा कि यदि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाईकोर्ट ने कहा, जब तक नियमों की अवहेलना नहीं हो अदालत को तबादला आदेशों में दखल नहीं देना चाहिए।

पहली बार बांग्लादेश के कूटनीतिक संस्थानों पर तोड़फोड़ हुई

शेख हसीना के पलायन के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ लगातार जारी हिंसा पर अब भारत में उत्तेजनात्मक प्रतिक्रिया होने लगी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। बांग्लादेश में हिंदुओं व हिंदुओं के संस्थापनों पर लगातार हो रहे हमलों के निशान भारत के पूर्वी भाग व पूर्वोतर भाग की राजनीति पर भी दिखने लगे हैं। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के बांग्लादेश कॉउन्सलर ऑफिस पर हमला होना तथा पश्चिम बंगाल के कुछ राजनैतिक घटनाक्रम बांग्लादेश की हिंसा का प्रत्यक्ष परिणाम हैं।

यह एक संकेत है कि भारत और बांग्लादेश के सम्बंधों में भारी बदलाव आ गया है और अगरतला में बांग्लादेश के कार्यालयों पर प्रदर्शनकारियों ने जमकर तोड़फोड़ की।

अगरतला में एक बड़ी भीड़ ने बांग्लादेशी कान्सुलेट पर हमला कर दिया। विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस विरोध प्रदर्शन की निंदा की और जब से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ा है, वहां हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है, इस पर भारत में भारी गुस्सा है तथा उसी की वजह से यह अगरतला वाली घटना हुई है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ साम्प्रदायिक हिंसा हो रही है।

अभी तक हिंसा बांग्लादेश में ही हो रही थी, भारत में इस पर कोई खास प्रतिक्रिया नहीं देखी गई, खासकर पश्चिम बंगाल में।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अंतरिम सरकार से कहा कि अपने नागरिकों की सुरक्षा करना उनकी जिम्मेवारी है, पर प.बंगाल में सब कुछ सामान्य था।

पर इस बार त्रिपुरा का रुख अलग था। अगरतला से चलने वाली एक बस पर बांग्लादेश में हमला हुआ और इस घटना की जानकारी मिलने के साथ ही त्रिपुरा में उत्तेजक प्रतिक्रिया हो रही है।

इसके विपरीत, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बहुत हल्की टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हमलों को अनावश्यक रुप से उछाला जा रहा है। ममता बनर्जी के इस रुख का लक्ष्य सिर्फ अपने वोट बैंक (पश्चिम बंगाल के मुस्लिम) को संतुष्ट रखना है।

उस समय बड़ी अटपटी स्थिति हो गई, जब पश्चिम बंगाल के एक इस्लामिक राजनैतिक दल ने विरोध प्रदर्शन किया और बांग्लादेश में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पूर्वोत्तर के राज्य त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेशी काउन्सलर ऑफिस पर गुस्साई भीड़ ने हमला किया और भारी तोड़-फोड़ की।
- अगरतला की एक बस पर बांग्लादेश में हुए हमले की खबर ने लोगों में भारी नाराज़गी पैदा कर दी।
- जहां जनता की उत्तेजना बढ़ रही है, वहीं प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया बेहद अटपटी है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा को बढ़ा चढ़ाकर बताया जा रहा है, स्पष्ट है ममता बनर्जी ने बयान अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए दिया था।
- इसके विपरीत प. बंगाल की एक इस्लामिक पार्टी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।
- बांग्लादेश में जब तक अवामी लीग का राज था तब तक कट्टरपंथियों पर अंकुश था पर अब कट्टरपंथी मनमानी कर रहे हैं और अंतरिम सरकार कुछ नहीं कर रही है।

अनूप बरतरिया का गिरफ्तारी वारन्ट जमानती में बदलने से इंकार

जयपुर, 2 दिसंबर। चेक अनादरण मामलों की विशेष अदालत क्रम-8 महानगर प्रथम ने लोन के पेटे जमा कराए गए करीब 2.59 करोड़ रुपए राशि के चेक बाउंस होने के मामले में डब्ल्यू.टी.पी. के प्रबंध निदेशक अनूप बरतरिया, रुचि बरतरिया, विरेन्द्र बरतरिया और सरोजनी बरतरिया के गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने कहा कि अदालती आदेश की जानकारी होने के बाद भी चारों आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए। गिरफ्तारी वारन्ट जमानती में नहीं बदला जा सकता।

विचार बिन्दु

अज्ञान जैसा शत्रु दूसरा नहीं। –चाणक्य

राजस्थान में निवेश कैसे बढ़े?

प्रत्येक सरकार यह चाहती है कि उसके प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया जाए ताकि न केवल राज्य को विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को संचालित करने हेतु राजस्व प्राप्त हो अपितु नागरिकों को रोजगार भी मिले। गत कुछ वर्षों से बेरोजगारी चरम पर है, जिसके कारण उद्योगों में निवेश का महत्व पहले की अपेक्षा बढ़ा है।

निवेश कई प्रकार के हो सकते हैं, जैसे स्थानीय उद्यमियों द्वारा, अन्य राज्यों के निवेशकों द्वारा एवं विदेशी निवेश। जहां विदेशी निवेश को आकर्षित करने का महत्व है वहीं स्थानीय स्तर पर निवेश के द्वारा भी रोजगार की विपुल संभावना बढ़ाई जा सकती है।

राज्य में निवेश को तीव्र गति से बढ़ाने की आवश्यकता को अनुभव करते हुए ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नेतृत्व संभालते ही इस क्षेत्र को अत्यधिक महत्व दिया है। इसी दृष्टिकोण से ''राइजिंग राजस्थान, इन्वेस्टमेंट सम्मिट'' का आयोजन जयपुर में 9 से 11 दिसंबर, 2024 तक किया जा रहा है। इसकी तैयारी के सिलसिले में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के कई दल विभिन्न देशों जैसे जापान, कोरिया, सिंगापुर, यू ए ई, अमेरिका, जर्मनी, इंग्लैंड आदि देशों का दौरा कर चुके हैं। इन्होंने वहां के प्रमुख उद्योगपतियों से चर्चा की। विदेशी निवेश बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। जहां तक निवेश का प्रश्न है, वह विदेश के अलावा, भारत के विभिन्न राज्यों से भी आमंत्रित किया जा सकता है। यह उल्लेखनीय है कि राजस्थान के उद्यमियों ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां से निकले हुए प्रमुख उद्योगपतियों में एल एन मित्तल, बिरला, बांगड़, सिंघानिया पिरामल, बजाज सम्मिलित हैं।

निवेश सम्मिट के लिए कुछ दिनों से जयपुर शहर को सजाया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर पौधों के गमले रखे जा रहे हैं। जो अच्छी–खासी सड़के हैं, उन पर भी दोबारा कारपेटिंग किया जा रहा है। सड़क के आसपास के क्षेत्र से अतिक्रमण को हटाया जाकर उन्हें साफ–सुथरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह काम विशेषकर उन्हीं स्थानों पर किया जा रहा है, जहां से 'राइजिंग राजस्थान' में भाग लेने वाले विदेशी एवं भारतीय निवेशकों को ले जाया जाएगा। सरकार को यह पता होना चाहिए कि आज के मीडिया के युग में विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले व्यक्ति को जयपुर की वास्तविक स्थिति की जानकारी है। इस आलेख में हम यह प्रयास करेंगे कि निवेश के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण मापदंड क्या हैं?

सम्मेलन आयोजित करना और सम्मेलन के दिनों में जयपुर शहर को रंग रोगन कर चमका देने से विदेशी मेहमान, अल्प समय के लिए प्रभावित भले ही हो जाएं, किंतु इससे निवेश नहीं आता है। यदि केवल एम ओ यू करने से राज्य में निवेश आना होता तो अब तक कई सौ लाख करोड़ का निवेश, राजस्थान में हो चुका होता। सरकार को यह जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए कि अब तक हुए निवेश सम्मेलनों में कुल कितनी राशि के एम ओ यू हुए और उनमें से कितने वास्तव में धरातल पर उतरे?

''राइजिंग राजस्थान, इन्वेस्टमेंट सम्मिट'' से पूर्व, देश–विदेश में कई प्री सम्मिट आयोजित हो चुकी हैं जिनमें 5 लाख करोड़ से अधिक के एम ओ यू पहले ही हो चुके हैं। वास्तव में, निवेशकों के साथ किस प्रकार का व्यवहार होता है एवं छोटे–छोटे कार्यों के लिए कितना परेशान होना पड़ता है, उस पर निर्भर करता है कि वे राज्य में निवेश करेंगे अथवा नहीं? इस हेतु वे वर्तमान में कार्यरत उद्यमियों के अनुभव को भी दृष्टिगत रखते हैं। सरकार के विभाग जहां एक और देश–विदेश से नया निवेश आमंत्रित करने के लिए प्रयासरत हैं, वहीं पूर्व में जो निवेशक उद्योग लगा चुके हैं, उनके साथ ''घर की मुर्गी दाल बराबर'' जैसा व्यवहार करते हैं। सरकार को यह समझना होगा कि निवेश चाहे राज्य के अंदर से आए, अन्य राज्यों से अथवा विदेश से, सबके साथ समान रूप से गरिमा पूर्ण व्यवहार होना चाहिए।

सरकार ने हाल ही में निवेश आकर्षित करने हेतु कई नीतियां जारी की हैं। एक और जहां नए उद्योगों को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है, वहीं वर्तमान में कार्यरत उद्योगों के लिए भी काम करना, सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता है।

नीतियों में निरंतरता भी, निवेश को आमंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण है। सत्ताधारी दल के बदलने से दीर्घकालीन नीतियों में किसी प्रकार का अंतर न आए, यह सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा, निवेशक, निवेश करने के पश्चात, स्वयं को ठगा सा महसूस करेंगे।

राज्य की नौकरशाही को, उद्यमियों के प्रति मित्रवत व्यवहार की संस्कृति अपनाने की जरूरत है। सरकार के सब संबंधित विभागों का एक ही सूत्र वाक्य होना चाहिए, ''अच्छा व्यवहार, तत्पर काम''। उद्यमियों के काम, तत्काल, बिना किसी परेशानी के करने की आवश्यकता है।

नियमों का सरलीकरण भी किया जाना आवश्यक है। सभी सरकारें, समय–समय पर 'सिंगल विंडो सिस्टम' की बात करती रही हैं, किंतु वास्तविकता में इसे धरातल पर लागू होते हुए बहुत कम ही देखा गया है। सिंगल विंडो का अर्थ ही यह है कि निवेशक को, अलग–अलग सरकारी कार्यालयों में चक्कर नहीं लगाने पड़ें और उनकी ओर से यह काम राज्य सरकार का मनोनीत अधिकारी करे।

सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जयपुर में जिस प्रकार के सुधार कार्य एवं शहर को बेहतर बनाने के कार्य राइजिंग राजस्थान सम्मिट के लिए किए जा रहे हैं, वैसे ही लगातार होते रहें। यदि सम्मिट के बाद पुनः हालात पहले जैसे ही हो जाएं, तो यह निवेशकों के साथ एक प्रकार से धोखा ही होगा और इससे राज्य की छवि पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

इस बार सरकार ने एक अच्छा कदम यह उठाया है कि प्रत्येक देश एवं अन्य प्रदेश से निवेश को आकर्षित करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। इनकी जिम्मेदारी होगी कि वे एम ओ यू करवाने से लेकर संबंधित उद्योग में उत्पादन प्रारंभ होने तक की सारी बाधाओं को दूर करने का कार्य करें। यह अच्छी पहल है। आशा की जानी चाहिए कि अधिकारी गण पूरे मनोयोग से अपने दायित्व को निभाएंगे। इन अधिकारियों की यह भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे वर्तमान में कार्यरत उद्योगों की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करवाएं।

निवेश इस पर भी निर्भर करता कि राज्य में कानून– व्यवस्था की स्थिति कैसी है एवं 'ईज़ऑफ लिविंग' कितना है ? जयपुर शहर में, यदि कोई पूरा भ्रमण कर ले, तो उसे स्पष्ट हो जाएगा कि सार्वजनिक मार्गों पर विभिन्न प्रकार के अतिक्रमण और अनधिकृत वाहनों के कारण कितनी कठिनाई होती है? जिस प्रकार, विभिन्न क्षेत्रों में गंदगी के देर लगे रहते हैं, उन्हें देखकर कोई भी निवेशक बार–बार राज्य में निवेश करने से पहले सोचेगा। उद्योगों में कार्य करने वाले अधिकारी, कई बार अलग–अलग राज्यों से आते हैं एवं रहने के लिए उपयुक्त वातावरण यदि नहीं पाते हैं, तो वे यहां काम नहीं करना चाहते हैं। उपयुक्त विशेषज्ञों का अभाव निवेशकों को हतोत्साहित करता है।

सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जयपुर में जिस प्रकार के सुधार कार्य एवं शहर को बेहतर बनाने के कार्य राइजिंग राजस्थान सम्मिट के लिए किए जा रहे हैं, वैसे ही लगातार होते रहें। यदि सम्मिट के बाद पुनः हालात पहले जैसे ही हो जाएं, तो यह निवेशकों के साथ एक प्रकार से धोखा ही होगा और इससे राज्य की छवि पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तत्काल काम करने और अच्छे व्यवहार की संस्कृति ऊपर से लेकर नीचे तक प्रत्येक अधिकारी में परिलक्षित होनी चाहिए। वर्तमान में जो लोग यहां पर उद्योग चला रहे हैं, उनकी समस्याओं का तत्काल निवारण किया जाए तो वे राज्य के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण करने में अपनी महती भूमिका निभा सकते हैं। प्रबंध निदेशक, रीको के रूप में कार्य करते हुए मैंने यह अनुभव किया कि बहुत छोटे–छोटे कामों के लिए यदि अधिकारी, तत्परता से सहयोग करें तो उद्यमी बहुत राहत महसूस करते हैं।

राजस्थान में निवेश लाते समय, इस बात पर भी ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है कि केवल बहुत बड़ी पूंजी के निवेश से ही रोजगार उत्पन्न नहीं होता। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि जितनी भूमि राज्य द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है, उस पर प्रति एकड़ कितना रोजगार उपलब्ध होगा? सबसे प्रमुख समस्या, राज्य के समक्ष बेरोजगारी की है, और उसे दूर करने में वही उद्योग अधिक सहायक सिद्ध हो सकते हैं, जहां पर रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं। हजारों करोड़ निवेश करके भी यदि नाम मात्र का रोजगार मिले, तो उससे, निवेश के आंकड़ों में तो वृद्धि हो सकती है, लेकिन इसे रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। एक समीकरण बनाना होगा, जिसमें भूमि, पूंजी एवं रोजगार तीनों अवयवों का ध्यान रखते हुए निर्णय लेना होगा। राज्य को सस्ती भूमि उपलब्ध कराना आवश्यक है। उद्यान लगाने में भूमि की लागत कम होनी चाहिए। उन लोगों को हतोत्साहित करना होगा जो केवल भूमि में निवेश करना चाहते हैं और जिनकी रुचि उद्योग लगाने में नहीं है।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यभार संभालते ही औद्योगीकरण में तेजी लाने के महत्व को समझा है और इस हेतु उन्होंने सघन प्रयास प्रारंभ किए हैं। इन प्रयासों को फलीभूत करने के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि नौकरशाही, उद्योगपतियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए। पत्रावली पर कुछ भी निर्णय लेते समय, यह प्रश्न पूछना, अधिकारियों को छोड़ना पड़ेगा कि ''इससे मुझे क्या लाभ होगा?'' जो अधिकारी इस आधार पर निर्णय लेते हैं, वे प्रकरणों को तब तक लंबित रखते हैं जब तक कि उनसे कोई संपर्क न कर ले और उनकी 'इच्छाओं' की पूर्ति न कर दे। अधिकारियों द्वारा फाइल पर कुछ भी निर्णय लेते समय केवल एक ही प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि ''इससे राज्य और राज्य की जनता को किस प्रकार से लाभ मिलेगा?''

जो अधिकारी 'अच्छा व्यवहार, तत्पर काम' के सिद्धांत पर कार्य करते हैं, उन्हें निवेशकों से सार्वजनिक रूप से सराहना मिलती है। इसका अनुभव मैने, स्वयं ने, रीको के प्रबंध निदेशक पद पर 3 वर्ष तक कार्य करते समय किया था। आज भी, मैने जापानी उद्योगों के शीर्ष पदों पर बैठे लोगों तथा स्थानीय उद्योग संघों द्वारा लिखे गए, उन सराहना वाले पत्रों को सम्हाल रखा है, जो उन्होंने बहुत समय से लंबित महत्त्व पूर्ण समस्याओं के तत्काल निस्तारण होने पर लिखे थे।

आशा है, नौकरशाही की सकारात्मक सोच और सहायता करने की मानसिकता से, मुख्यमंत्री जी के प्रयास अवश्य ही फलीभूत होंगे। सरकार से यह भी अपेक्षा है कि वह समय–समय पर एक रिपोर्ट राज्य के समक्ष प्रस्तुत करे कि जितने एम ओ यू हुए, उनमें से कितने वास्तव में धरातल पर उतरे और कितने लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ?

''राइजिंग राजस्थान, इन्वेस्टमेंट सम्मिट'' के सफल आयोजन हेतु राज्य सरकार को शुभकामनाएं। आशा है, इसके परिणाम स्वरुप, राज्य की जनता को दीर्घकालीन लाभ प्राप्त होंगे एवं वे तीव्रता के साथ प्रगति के पथ पर बढ़ सकेंगे। यह संभव है, यदि इस आलेख में दिए गए कुछ सुझावों पर ध्यान दिया जा सके।

–राजेन्द्र भाणावत,
पूर्व आई.ए.एस.
पूर्व प्रबंध निदेशक, रीको

कार्य प्रणाली व निर्णय प्रक्रिया बताती है, सत्ता की आकांक्षी कांग्रेस गलतियों से कुछ सीखना चाहती नहीं– (भाग–1)

महावीर सिंह

13 से 15 मई 2022 तक, कांग्रेस नें एक बड़ा चिंतन कार्यक्रम उदयपुर में रखा था। उस चिंतन में निकली चिंताओं व आगे के रॉड मैप के बारे में काफी चर्चाएं हुई।

इसी प्रकार से 2022 में राहुल गांधी नें भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। इस पर भी खूब चर्चाएं हुई।

इन दोनों ही घटनाक्रमों के सम्बंध में 12मई 2022 व 16 दिसम्बर 2022 के राष्ट्रदूत में इस लेखक के दो लेख छपे थे। इन लेखों के कुछ अंश, कांग्रेस की स्थिति के सम्बंध में आज भी उतने ही प्रसांगिक है।

(12 मई 2022 के राष्ट्रदुत में प्रकाशित---कांग्रेस का चिंताओं पर चिंतन–नव संकल्प शिविर) लेख के कुछ अंशः–

13 से 15 मई को भारत की ग्रन्डओल्ड पार्टी का एक चिंतन शिविर, राजस्थान के सुंदर शहर उदयपुर में आयोजित होगा, जिसमें देश भर के 500 के करीब बड़े कांग्रेसी नेता भाग लेंगे।

---राज व्यवस्था की लोकतांत्रिक प्रणाली में सत्ता पक्ष के साथ साथ एक मजबूत विपक्ष होना चाहिए,तभी सरकारों की मनमानियों, गलत जन विरोधी नीतियों पर अंकुश लगने की संभावनाएं बनती हैं। लोकतंत्र की मूल अवधारणाओं में विश्वास करने वाले सत्ता पक्ष के भी बहुत से बड़े नेता मानते है कि एक सशक्त विपक्ष बहुत आवश्यक है किंतु यह काम सत्ता पक्ष को तो नहीं करना है न?

---वर्तमान में विपक्ष, बिना समन्वय के एक पूर्णतः निष्क्रिय, कांतिविहीन, दिशाविहीन जमावड़ा सा लगता है-- स्वर्गीय राजीव गांधी व कांग्रेस के प्रयासों से संवैधानिक संसोधनों के जरिये सत्ता नीचे गांवों, पँचायत समितियों–मंडलों, जिला परिषदों, स्थानीय निकायों तक पहुंचाने का रास्ता खुला।-- राज्यों में बड़े मठाधीस नेता इस प्रयास को पूर्ण रूप से सफल नहीं होने दे रहे।--

--- स्वतंत्रता आंदोलन के समय के बड़े नेताओं ने अपने कथनी और करनी से लोगों को हर प्रकार से विश्वास दिलाया कि सरकार उनकी है और उनके लिए है।

--- कांग्रेस नें अनेक क्रांतिकारी, जन हितकारी नीतिया अपनायी और जनता नें उन पर विश्वास किया और लंबे समय तक कांग्रेस देश को चलाने का दायित्व सौंपा

---राजस्थान की बात करें तो-- जागीरों की समाप्ति, --कृषि कार्य कर रहे थे उन्हें खातेदार मालिक बना दिया। एस सी,एस टी के-, गरीबों के- – उत्थान की नीतियां, कार्यक्रम व कानून बनाये।-- न्यूनतम आवश्यकताओं–रोटी, कपड़ा और मकान– को केंद्र में रख कर मिनिमम नीड प्रोग्राम-- -सिंचाई–सड़क–कृषि विकास–विद्युत परियोजनाएं बनाई, पूर्ण की, उद्योगीकरण की मजबूत नीव रखी, डेजर्ट डेवलोपमेन्ट, एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के चलाए। बैंकों से ग्रामीणों को -- आवश्यकताओं के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ी। बंधक श्रमिक उन्मुक्ति–कृषि जोतों पर सीलिंग के तथा शिक्षा का–सूचना का– खाद्य सुरक्षा के अधिकार–मनरेगा कानून बनाये और लागू किये। यह कांग्रेस राज के बिखरे हुए बेनेफिसियरी ग्रुप थे।

---किन्तु कांग्रेस नें बड़ी गलतियां भी की, जनता नें सजा दी, पुनः सत्ता भी दी। कांग्रेस नें पुनः कुछ गम्भीर गलतिया की और उनकी जो सजा जनता ने दी, वह अभी कांग्रेस भुगत रही है। 2014 से कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर है और राज्यों में भी जनाधार लगातार सिकुड़ रहा है। --भाजपा नें चतुराई से बड़े भिन्न लाभार्थी ग्रुप बना दिये, यह उसके नेतृत्व कुशलता का प्रतीक है। --

कांग्रेस एक राजनीतिक दल है। वर्तमानं में वह विपक्ष का दायित्व निभाये। सत्ता प्राप्ति के लिए जनता के समक्ष, गांव–मोहल्ले तक अपनी नीतियां, कार्यक्रम पहुंचाये।

(क्या ऐसा होता दिख रहा है??

----कांग्रेस की सबसे बड़ी कमी थी कि उसने अपनी योजनाओं, कार्यक्रमों, कानूनों का प्रचार–प्रसार व सही क्रियान्वयन नहीं किया और उनका यथोचित श्रेय नहीं ले पाई।

----वर्तमानं सत्ता पक्ष जिस सिद्धत से अपने कार्यक्रमों के सम्बंध में ऐसा करता है, कांग्रेस या अन्य दलों को सीखना चाहिए।

---कांग्रेस को-- हमें न सिखाये, हमे उनसे सीखने की जरूरत नही –की मनसिकता को त्यागने की आवश्यकता है।

---कांग्रेस को जनता को यह बताना, समझना होगा कि कांग्रेस सत्ता पक्ष से ज्यादा अच्छे प्रकार से जनता की कठीनाइयों को समझती है और समाधान की बेहतर योजनाएं, कार्क्रम चलाएगी।

---जनता उस पर क्यों, कैसे विश्वास करे?? इसके लिए कांग्रेस के नेता अपने अचार–व्यवहार से, अहंकार त्याग कर–राजशाही लाइफ स्टाइल छोड़ कर और जनता के मध्य जाकर, छोटी–छोटी सभाएं, संगोष्टियाँ कर, समझाइस कर जनता के गले यह बात उतारें।

---कुछ ऐसे ही उदाहरण दिए जा रहे, जिन पर स्पष्ट नीतियों, कमिटमेंट की आवश्यकता हैं: अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों से हटा कर कृषि का विविधि करण और किसान द्वारा उसे अपनाए जाने पर कुछ समय के लिए उन्हें होने वाले नुकसान की भरपाई की नीति, एमएसपी को विधिक अधिकार बनाने और क्रियान्वयन।

गत 20 वर्षों में एमएसपी नहीं मिलने से देश के किसानों को लगभग 45 लाख करोड़ रु का नुकसान हुआ है। इस कारण उन पर कर्जा बढ़ा है, इसके सम्बन्ध में स्पष्ट नीति किसानों को बताएं--कृषि इनपुट्स की कोस्ट्स का, कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स की तरह त्रैमासिक आधार प्राकलन व तदनुसार एमएसपी का रेगुलर पुनरावलोकन--

कृषि बीमा योजना की समीक्षा, सरलीकरण --

सेटेलाइट इमेजरीज के आधार पर त्वरित आकलन व भुगतान

श्रमिक कल्याण व सामाजिक सुरक्षा नीतियां

राजकीय उपक्रमों में भले ही सरकारी शेयर होल्डिंग कम करके उन्हें चलाने का दायित्व प्राइवेट हाथों में दे दे किन्तु उनकी स्थायी भूसंपदा पर 100 प्रतिशत स्वामित्व सरकारी रहे,

सेनाओं और अन्य शस्त्र बलों की भूमियों का, निजी व्यवसायिक, आवासीय, उद्योगिक कार्यों हेतु उपयोग निषेध हो।

सेनाओं में भर्ती प्रक्रिया यथावत जारी रखी जाए---लघु उद्योगों के सम्बंध में नीति--

लीनियर प्रोजेक्ट्स को छोड़कर यदि, राज्य प्राइवेट कंपनियों के लिए भूमि अधिग्रहण करे तो भूमिधारकों की मांग पर मुआवजे के नकद भुगतान की एवज में मुआवजे की कुछ हिस्से के मूल मूल्य पर कम्पनी शेयर प्राप्त करने का हक--

न्यायिक प्रक्रियों में सुधार–निर्णयों में तीव्रता, आस्था के आधार पर न्यायिक निर्णयों पर रोक के लिए संवैधानिक संसोधन हो।

जिन आपराधिक विचाराधीन मामलों में 2,4,5 साल की अधिकतम सजा का प्रावधान हो तथा बंदी आधी सजा भुगत चुके उन्हें रिहा करने व अन्य प्रकार से जेलों की दशा सुधारने के सम्बंध मे --बिना कारण बताए, निर्दोष सिद्ध करने का दायित्व निरुद्ध व्यक्ति पर डालने के अनेक केंद्रीय, राज्यों के कानून बना रखे है, बहुत से निर्दिषों को सालों निरुद्ध रखा जाता है

--एक न्यायोचित केंद्रीय कानून बने जिसमें आतंकी, राष्ट्र सुरक्षा के विरुद्ध गतिविधियों व गैंगस्टर्स की असामाजिक गतिविधियों पर रोक भी लगे और त्वरित जांच, फैसले भी हों।

--नई शिक्षा नीति की समीक्षा कर सुधार--स्वास्थ्य का मूल अधिकार-- मंहगाई पर नियंत्रण की नीति--पेट्रोल, डीजल, गैस, शराब व अन्य आइटम्स को जीएसटी के अंतर्गत लाने-- जलवायु परिवर्तन पर सुधारों सम्बन्धी एकीकृत नीति--

सवैधानिक संस्थओं व राष्ट्रीय स्तर की कानून–व्यवस्था –अपराधों की जांच एजेंसीज के जीरो दुरुपयोग की जनता द्वारा विश्वास करने योग्य नीति–

पुलिस रिफॉर्म्स के जरिये पुलिस पर से राजनीतिक नेताओं का शिकंजा समाप्त करने (तेरी पुलिस–मेरी पुलिस का खेल समाप्त हो)।

--धार्मिक स्थलों तथा विभिन्न प्रकार के धार्मिक, सामाजिक जुलूसों सार्वजनिक स्थलों पर करने के सम्बंध में समान–स्पष्ट नीति--यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड पर सार्वजनिक बहस चालू करवा दी गई है, कांग्रेस को उस पर भी अपनी समन्वित नीति साफ करनी होगी--लोककपाल संस्था को सशक्त करने--भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस--कुछ उदाहरण प्रस्तुत कर जिस से जनता विश्वास करे --धंदे के लिए राजनीति करने वालों से पीछा छुड़ाओ–महिलाओं को निर्वाचन वाली संस्थाओं और सरकारी नोकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण

--मध्यम जातियां---:: किसी समय यह कांग्रेस की रीढ़ हुआ करती थी किन्तु कांग्रेस में निहित स्वार्थियों नें इन जातियों को सत्ता में सम्मानपूर्ण भागीदारी नही दी और शनैः शनैः यह जातीयां कांग्रेस से विमुख हो गई। यूपी में चौधरी चरण सिंह के कांग्रेस छोड़ने के उपरांत व जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी तथा वोट हमारा राज तुम्हारा नहीं चलेगा के नारे जनता के मानस पर छा गए और उतरी भारत में कांग्रेस का पतन प्रारम्भ हो गया।

इन जातियों को, राज में पर्याप्त–सम्मान पूर्ण भागीदारी के, केवल सिबोलिज्म के आधार पर कोई पार्टी, अब अपने साथ नही रख सकती।

ऐसी ही गलतियां अब भी दोहराई जा रही है। जिन जातीयों का विधान सभा में 0.5 प्रतिशत से 5,7 प्रतिशत तक ही प्रतिनिधित्व सत्ता पक्ष में हो उसको 100 प्रतिशत सत्ता कैसे?

मीडिया प्रबन्धनः–

कांग्रेस के लिए यह उसके हित में होगा कि विशुद्ध धार्मिक मुद्दों पर व विशिष्ट प्रायोजित नैरेटिव्स पर बहसों नें भाग नही ले। आज अधिसंख्य मीडिया पर्चेजेबल, मैनेजेबल है, जहां लाभ दिखेगा, उनकी बात की बीन बजाएगा।

बहुत से अन्य मुद्दों पर भी, कई बार ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कि सत्ता पक्ष द्वारा बिछाई चौसर पर, कांग्रेस उनके ही चक्रव्यूह में नादानी से फंसती है।

इन सब व अन्य जनता से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस की क्या नीतियां है, किसी भी स्वघोषित बड़े नेता को बोलते सुना? कांग्रेस को यह भ्रम छोड़ देना चाहये कि जनता उन्हें बाई डिफ़ॉल्ट सत्ता सौंप देगी।

ऐसा नहीं होगा क्योंकि सत्ता पक्ष के शीर्ष नेतृत्व का प्रबंधन ऐसा है कि इसकी योजनाओं के प्रचार–प्रसार व क्रियान्वयन से जनता सन्तुष्ट दिखती है और अभी तक उस पर सीधे सीधे भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे हैं। इसके अतिरिक्त सत्ता पक्ष का शीर्ष नेतृत्व गली–मौहल्लों, छोटे कस्बों से आया है, उनमें आम आदमी से जुड़ने की अदभुत क्षमता है और हाल फिलहाल विपक्ष के पास इसका तोड़ नहीं।

मोदी जी तो किसी भी सभा में खड़े होकर एक्सटेम्पोर 10,20 उपस्थितों के नाम गिना कर सीधे जन समूह से जुड़ जाते हैं, कांग्रेस में किस नेता में यह क्षमता है???

वर्तमानं में सत्ता पक्ष नें धर्म आधारित विभाजनकारी नैरेटिव्स चला रखे है, उनकी स्टीम कम होने में समय लगेगा बशर्ते भाजपा चल कर कोई बहुत बड़ी गलती न करे। इस दौरान कांग्रेस को उस से जुड़े आम आदमीयों को जोड़े रखने होगा।

कांग्रेस 5,7 साल में एक आधी बार नुमाइसी चिन्तन शिविर न करके, वर्ष भर बूथ से लेकर उपर तक सभाएं, संगोष्टियाँ करे, विचार–विमर्श करे, आवश्यकता के अनुसार नीतियों में परिवर्तन–संशोधन करे, नई नीतिया बनाये। नीति–, कार्यक्रम बनाने का अधिकार जनाधारविहीन नेताओं का विशेषधिकार न हो।

सदस्यता लेने की प्रक्रिया सतत रूप से चालू रखे, जो 3–4 साल तक लगातार सदस्य रहे उसे सक्रिय सदस्ता का एसईसीसी का कार्ड दें, 8–10 साल के सक्रिय सभी सदस्यों को राज्य स्तरीय कमेटी का सदस्य बनाया जाए। वर्तमानं में चलने वाली मेरे सदस्य–तेरे सदस्य और कुछ नेताओं के कहने मात्र से ब्लॉक जिला, प्रदेश पदाधिकारी नियुक्त करने की परिपाटी पर पुनर्विचार करे। एक निश्चित समयावधि तक सक्रिय सदस्य रहने वालों को ही पदाधिकारी बनाए।वर्तमानं में डिजिटल युग में इस प्रकार का डेटा संधारण व उसका समुचित उपयोग सम्भव है। कांग्रेस हर स्तर पर अपने संगठन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाये, 50 प्रतिशत की ओर ले जाती दिखे।

कांग्रेस को विचारों के आदान–प्रदान का खुला मंच बनाएं। बुनियादी मुद्दों पर, संयमित भाषा में विचार प्रगट करने को नेतृत्व की आलोचना नहीं मानी जाए और कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही न हो।

कांग्रेस अपनी वर्किंग कमेटी को विस्तृत करे, उसमें समाज के विभिन्न वर्गों यथा लेखक, कलाकार, वकील, वरिष्ठ नागरिक, डॉक्टर्स, इंजिनीयर्स, वैज्ञानिक, विभिन्न समदायों के लोगों को शामिल करें। इसकी यदा–कदा बैठके न करके, नीति निर्माण –सतत समीक्षा की सक्रिय सर्वोच्च संस्था बनाये।

----अगर दूसरी पार्टियों नीतियां कार्यक्रम अच्छे है, उन का संगठन सक्रिय, मजबूत है तो कांग्रेस उनसे कुछ सीख ले–हमे सीखने की जरूरत नहीं, यह एटीट्ययूड नहीं होना चाहिए। किसी पार्टी की ताकत उसके ग्राम–,मोहल्ले स्तर के कार्यकर्ता है। उन्हें सम्मान दें।

भजपा का तो बुथ स्तर तक संगठन सक्रिय है, कांग्रेस का बूथ स्तर पर है कोई संगठन? कार्यकर्ताओं को सुनना, सम्मान देना, उनके काम करना, यह तो, अब कांठोस के अहंकारी नेताओं को भाजपा से सीखना ही पड़ेगा।??

12 मई के लेख में जो बिन्दु उठाए थे, उस दिशा में से शायद ही किसी पर कोई कार्यवाही हुई हो। आज भी अधिकांस बूथों पर कांग्रेस का मजबूत संगठन नही। ब्लॉक, जिला, राज्य स्तर पर स्थापित नेताओं के मरजिदनों के अलावा, ऊर्जावान, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को जगह नहीं मिलती। एक परिवार एक पद का सिद्धांत दिखावा मात्र। कांग्रेस गांव, मोहल्ला, ब्लॉक, जिला स्तर पर जन हित के मुद्दों पर कोई बड़ा आंदोलन करती दिखी नहीं। खानापूर्ति के लिए जिला स्तर पर या राजधानियों में यदाकदा 100, 50 आदमियों को झुंड में देखा जा सकता है। केवल सोशल मीडिया व चुनाव घोषणा पत्रों से आम आदमी को प्रभावित नहीं किया जा सकता।

क्रमशः----

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

डी.एल.एड. प्रथम वर्ष का रिजल्ट 15 दिसम्बर तक आने की उम्मीद

बीकानेर, (निसं)। राज्य के 377 डीएलएड कॉलेजों में पढ़ने वाले 25 हजार अभ्यर्थियों की प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 30 नवंबर को खत्म हो चुकी है। परीक्षा खत्म होने के साथ ही पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने रिजल्ट जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। उम्मीद है दिसंबर के दूसरे सप्ताह तक डीएलएड प्रथम वर्ष के अभ्यर्थियों की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। 25 हजार अभ्यर्थियों की कॉपियां जांचने के लिए शिक्षा विभाग ने परीक्षकों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

डीएलएड प्रथम वर्ष के क्रियात्मक एवं सैद्धांतिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए शिक्षा विभाग ने एनसीटीई की मान्यता के अनुसार योग्यताधारी पात्र परीक्षकों से 4 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। सरकारी और निजी डीएलएड कॉलेजों में कार्यरत एमएड व एमए इन एजुकेशन योग्यताधारी शिक्षक रजिस्ट्रेशन के लिए पात्र होंगे। इन संस्थाओं से रिटायर्ड शिक्षक भी आवेदन कर सकेंगे। वहीं डीएलएड प्रथम वर्ष के उत्तीर्ण अभ्यर्थी रीट पात्रता परीक्षा में ऑनलाइन आवेदन करने के पात्र होंगे।

राजस्थान की बेटियों ने शूटिंग बॉल में इतिहास रचा

भीलवाड़ा, (निसं)। शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले 43वीं राष्ट्रीय सब जूनियर नेशनल शूंटिंगबॉल चैंपियनशिप बालिका वर्ग अंडर–17 बोधगया बिहार में आयोजित की गई, जिसमें राजस्थान की बेटियों ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं बालक वर्ग में राजस्थान चौथे पायदान पर रही। शूटिंग बॉल संघ के महासचिव ओपी माचरा, संरक्षक शिवराज सिंह, जयपुर संघ के सचिव संग्राम सिंह ओ पी ओबेरॉय ने खुशी जताई। जिला शूटिंग बॉल संघ भीलवाड़ा के अध्यक्ष मुकेश शर्मा सचिव परमवीर सिंह बल्ला ने बताया कि संघ के पदाधिकारी श्रवण खटीक, अर्जुन रेगर, अविनाश खटीक, हनुमान सिंह गोखरू, रोहित, दिनेश, विजय धाबाई, लक्ष्मण, राजेंद्र आदि ने टीम कोच, मैनेजर और सभी को बधाई प्रेषित की।

राशिफल मंगलवार 3 दिसम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र सायं 4:42 तक, शूल योग दिन 3:08 तक, कौलव करण दिन 1:10 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–धनु, मंगल–कर्क, बुध–वृश्चिक, गुरू–वृष, शुक्र–धनु, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज राजयोग सायं 4:42 से आरम्भ होगा। आज से जमादि–उलमानि मु.मास 6 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:40 से 10:58 तक, लाभ–अमृत 10:58 से 1:35 तक, शुभ 2:53 से 4:11 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:04, सूर्यास्त 5:29

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या
घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। मनःस्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

सेवा भाव से योजनाओं का लाभ निचले स्तर तक पहुंचाना सुनिश्चित करें : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय के संकल्प के साथ समाज के वंचित वर्ग के कल्याण हेतु समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के कमजोर वर्ग को मिलना सुनिश्चित हो इसके लिए हम प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सेवाभाव से कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय बजट घोषणाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे तथा अपात्र व्यक्ति योजना का लाभ न ले पाए, क्योंकि इससे पात्र व्यक्ति के हितों पर कुठाराघात होता है। शर्मा ने कहा कि विभाग द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए संचालित आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता तय कर चरणबद्ध रूप से किया जाए। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पत्थर तोड़ने एवं पीसने के कार्य वाले स्थानों एवं खदानों पर निर्धारित गाईडलाइन की सख्ती से पालना सुनिश्चित कराएं ताकि सिलिकोसिस रोग पर नियंत्रण किया जा सके।

- राज्य में 90 लाख लोग सामाजिक सुरक्षा पेंशन से लाभान्वित
- अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के लिए 1500 करोड़
- मुख्यमंत्री ने की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की समीक्षा

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कई निर्णय किए हैं। राज्य बजट में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के लिए एससीएसपी एवं टीएसपी फंड की राशि को 1000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपये किया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि को भी 1000 रुपये से बढ़ाकर 1150 रुपये किया गया है। राज्य में सभी वर्गों के राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों में छात्र-छात्राओं को देय मेस भत्ता भी 2500 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया गया है। शर्मा ने कहा कि आश्रय से वंचित घूमंतू समुदाय के लोगों के लिए घूमंतू आवासीय योजना क्रियान्वित की जा रही है। राज्य के दिव्यांग नागरिकों को कृत्रिम अंग एवं उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही, 2 हजार युवा दिव्यांगों को संबल प्रदान करने के लिए स्कूटी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए शीघ्र ही मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना प्रारंभ कर 5 हजार रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राज्य सरकार लगभग 90 लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन पाने वाले लाभार्थियों की पात्रता व उनसे जुड़े रिकॉर्ड का नियमित रूप से सत्यापन करें और इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे पेंशनर्स की मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य कर संबंधित कार्मिकों की जिम्मेदारी तय की जाए।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री को विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।

बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, शासन सचिव वित्त (व्यय) नवीन जैन, आयुक्त निशक्तजन एच. गुईटे, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता बचनेश अग्रवाल सहित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट व ब्रज चौरासी यात्रा पर प्रस्तुतिकरण

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के समक्ष सोमवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत तथा पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में ''महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट'' और ''ब्रज चौरासी यात्रा की'' कॉन्सेप्ट प्लान और पार्लियामेंट्री रिपोर्ट बनाने के लिए प्राप्त निविदाओं का कन्सलटेन्टस व आर्किटेक्ट्स ने प्रस्तुतिकरण दिया।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के समक्ष सोमवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत तथा पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में ''महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट'' और ''ब्रज चौरासी यात्रा की'' कॉन्सेप्ट प्लान और पार्लियामेंट्री रिपोर्ट बनाने के लिए प्राप्त निविदाओं का कन्सलटेन्टस व आर्किटेक्ट्स ने प्रस्तुतिकरण दिया।

प्रस्तुतिकरण में दोनों जगहों का विकास करने तथा यहां आने वाले पर्यटकों के लिए सुविधाएं देने पर बिंदुवार चर्चा की गई। दिया कुमारी ने प्रस्तुतिकरण के पश्चात पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि आज विभिन्न एजेंसियो की ओर से प्रस्तुतिकरण दिए गए हैं। इस आधार पर बिंदुवार नियोजित रूप से योजना बनाकर काम किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग की 145 करोड़ की दो बड़ी योजनाओं को मंजूरी पर पत्रकारों के समक्ष केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आभार जताते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने विभिन्न पर्यटन केन्द्रों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए पूंजीगत व्यय की विशेष योजना के अंतर्गत आमेर और नाहरगढ़ के विकास के लिए 49.31 करोड़ और जल महल क्षेत्र के विकास के लिए 96.61 करोड़ रही परियोजना को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि जयपुर में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय पर्यटन सुविधाएं विकसित करने को लक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि बजट में जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र के लिए 100 करोड़ की योजना के क्रियान्वयन का काम चल रहा है।

नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जयपुर फुट की कार्य प्रणाली जानी

जयपुर। जी-20 में भारत सरकार के निजी प्रतिनिधि और नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कान्त ने जयपुर फुट की कार्य प्रणाली का अध्ययन किया।

जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस. एस.) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस.एस. बिस्सा ने अमिताभ कान्त का स्वागत किया और जयपुर फुट की निर्माण विधि की जानकारी दी। अमिताभ कान्त ने कहा कि बी.एम.वी.एस.एस. निस्वार्थ भाव से विकलांगों को सेवा कर रही है और यह विश्व में अपनी तरह की अद्वितीय सस्था है, जिसने सारे भारत और विश्व भर में जयपुर फुट प्रचलित कर विकलांगों की सेवा की। उन्होंने कहा कि डी.आर. मेहता ने आई. ए.एस. अधिकारी रहते हुए न सिर्फ बी.एम.वी.एस.एस. की स्थापना कर एक अनुकरणीय संस्था बनाने में योगदान दिया बल्कि इस विश्व भर में ख्याति भी दिलाई।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि जयपुर फुट जैसे गुणवत्ता वाले उपकरण और अधिक प्रचलित हों और अधिक से अधिक विकलांगों द्वारा अपनाये जाये। अमिताभ कान्त ने दस विकलांगों के पुर्नवास और उन्हें जयपुर फुट लगाने के लिए योगदान दिया।

जी-20 में भारत सरकार के निजी प्रतिनिधि और नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कान्त ने जयपुर फुट की कार्य प्रणाली का अध्ययन किया।

समिट में न्यूनतम होगा प्लास्टिक का उपयोग

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने सोमवार को पांचवा संकल्प लेते हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने का निश्चय किया है।

प्रधानमंत्री विशाल जनसभा में ई.आर.सी.पी. परियोजना का शिलान्यास करेंगे : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नई दिल्ली स्थित आवास पर पत्रकारों के साथ यूसीसी, कृषक मित्र भाजपा सरकार, अवैध धर्मोन्तरण और राजस्थान में भाजपा सरकार के कार्यों पर चर्चा की। राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राजस्थान में भाजपा की सरकार लगातार जनहितैषी कार्यों को कर रही है। इसमें केंद्र सरकार द्वारा जहां समान नागरिकता कानून का समर्थन किया जा रहा है, वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा ईआरसीपी योजना को मूर्त रूप देकर लाखों किसानों के लिए सिंचाई साथ आमजन के लिए पेयजल की समस्या का समाधान करने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया है। ईआरसीपी योजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जयपुर के दादिया में किया जाएगा।

- परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदेशभर से करीबन तीन लाख लोगों की उपस्थिति रहेगी

राठौड़ ने कहा कि ईआरसीपी परियोजना का प्रारूप 2015-16 में तैयार किया गया, इसके बाद प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को अटकाने का काम किया हालांकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सत्ता में आने के साथ ही मध्यप्रदेश सरकार के साथ मिलकर इस जीवन दायनी परियोजना पर कार्य शुरू किया और अब इसका शिलान्यास होगा। परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदेशभर से करीबन तीन लाख लोगों की उपस्थिति रहेगी। इससे जहां पीने के पानी की समस्या का समाधान होगा, वहीं सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त जल भी मिलेगा। राठौड़ ने विपक्ष के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि विपक्ष को सकारात्मक कार्यों में अड़चन पैदा नहीं करनी चाहिए। हालांकि विपक्ष का कार्य आरोप प्रत्यारोप लगाना ही रह गया है। भाजपा ने प्रदेश की जनता के लिए ईआरसीपी, पीकेसी के साथ जवाई पुर्नभरण योजना पर भी कार्य शुरू किया। इसके साथ प्रदेश के बांध, नहरों के पुर्नभरण सहित अन्य विकास के कार्यों को प्राथमिकता से किया जा रहा है।

'मस्जिदों को मंदिर बता कर झूठे केस दायर किये जा रहे हैं'

जयपुर। राजस्थान के अजमेर और उत्तर प्रदेश के संभल मामले को लेकर आज मुस्लिम संगठनों के पदाधिकारी मीडिया से रूबरू हुए। मुस्लिम संगठनों के पदाधिकारी ने कहा कि धार्मिक स्थलों को क्षति पहुंचाने का घिनौना काम किया जा रहा है। देश के आपसी सद्भाव को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। मस्जिदों को मंदिर बात कर अदालत में झूठे केस दायर किया जा रहे हैं। सर्वे के नाम पर मस्जिदों के स्टेटस को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञानवापी मस्जिद के नीचे मंदिर होने के बहाने सर्वे करा कर देश का माहौल खराब किया गया। केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल लाकर मुस्लिम को जमीनों को हड़पना चाहती है। संबल मामले में जिस तरह से मस्जिद को बचाने अपने हक की आवाज को उठाने को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ इस दौरान पांच युवाओं की हत्या कर दी गई।

- अजमेर दरगाह और संभल मामले को लेकर मुस्लिम संगठनों की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस

उन्होंने कहा कि ख्वाजा साहब की दरगाह इंसानियत और भाईचारे का संदेश देती है, और ऐसे पवित्र स्थलों पर विवाद पैदा करना गलत है। अजमेर ख्वाजा साहब की दरगाह को धार्मिक सहिष्णुता और एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि 1991 के प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट के तहत किसी भी धार्मिक स्थल का स्वरूप बदला नहीं जा सकता। उन्होंने ऐसी याचिकाओं को देश का माहौल खराब करने और सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने की कोशिश बताया। ऐसी याचिकाओं को खारिज किया जाए ताकि देश की गंगा-जमुनी तहज़ीब और सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे।

मुस्लिम संगठनों के पदाधिकारी ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट से यह मांग करेंगे कि जिस तरीके से निचली अदालत सर्वे को लेकर आदेश दे रही है उनको लेकर गाइडलाइन जारी की जाए। संभल मामले की न्यायिक जांच करवाई जाए। जो युवा संभल मामले में मारे गए हैं उनको 50-50 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए साथ ही जिन पुलिस कर्मियों ने उनको मारा है उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए।

नाजीमुद्दीन, अध्यक्ष जमाते इस्लामी हिंद, हाफिज मंजूर, जमीयत उलेमा हिंद, शहाबुद्दीन खान, उपाध्यक्ष, एडवोकेट सहादत अली मौजूद थे।

पुलिस अधिकारी बताए बिना अपराध क्यों की गिरफ्तारी : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक आपराधिक मामले में सरकारी वकील को कहा है कि संबंधित पुलिस अधिकारी का शपथ पत्र पेश कर बताए कि अब अनुसंधान में आईपीसी की धारा 326 के तहत अपराध साबित नहीं हुआ और अन्य अपराध जमानती प्रकृति के हैं तो याचिकाकर्ता को गिरफ्तारी क्यों किया गया। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश पूजा शर्मा व सौरभ की याचिका पर दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डीके शर्मा ने अदालत को बताया कि सार्थक शर्मा की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में पुलिस ने गलत तरीके से उसके साले याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया था। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि सार्थक के परिजनों ने अपने प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए पुलिस को दबाव में लेकर याचिकाकर्ता को झूठे मामले में गिरफ्तार करवा दिया।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के पति सार्थक शर्मा ने उसके साथ मारपीट और अभद्रता कर उसे घर से निकाल दिया था। इस पर उसने अपने भाई सौरभ को बुलाया, लेकिन ससुराल पक्ष के लोगों ने उनके खिलाफ ही 8 दिसंबर, 2023 को जवाहर नगर थाने में मारपीट व सशस्त्र हमला सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज करा दिया। वहीं पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जबकि मामले में धारा 326 के तहत अपराध साबित नहीं हुआ और अन्य धाराएं जमानती अपराधों से जुडी हुई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गिरफ्तार करने वाले अधिकारी का शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

बजरी की अवैध सप्लाई के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

जयपुर। प्रदेश में बजरी की बढती दरों के लिए राज्य सरकार की नीतियां जिम्मेदार है। शहर में बजरी मंडियों में अवैध बजरी सप्लाई को लेकर व्यापारी लामबंद हो गए हैं।

नदी क्षेत्र में वैध बजरी खनन के लिए समय पर लीज जारी नहीं की जा रही है जिसके कारण अवैध बजरी खनन को बढावा मिल रहा है। यह बात ऑल राजस्थान बजरी ट्रक ऑपरेटर वैलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष नवीन शर्मा ने आरोप लगाया कि अवैध बजरी खनन को बढावा देने के लिए पुलिस प्रशासन वैध रवन्ना के साथ बजरी परिवहन करने वाले ट्रक ऑपरेटर्स को परेशान कर रही है। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध बजरी खनन व परिवहन बंद नहीं किए जाने पर सभी ट्रक ऑपरेटर्स बजरी परिवहन बंद कर देंगे। नवीन शर्मा ने कहा कि अवैध बजरी परिवहन को बंद करवाने के लिए लाइसेंस धारक व्यापारियों ने इस संबंध में आज खान विभाग के अधिकारियों को पत्र देकर इसे रुकवाने की मांग की है। ऐसा नहीं करने पर वैध बजरी खनन क्षेत्रों से खनन बंद करने और सप्लाई रोकने की चेतावनी दी है। टोंक, सवाई माधोपुर एरिया में कई ब्लॉक में अवैध बजरी का खनन हो रहा है। उन खनन एरिया के आसपास रिमोट एरिया (गांवों में) बजरी के अवैध स्टॉक बनाए जा रहे हैं। इन स्टॉक में अवैध तरीके से खनन करके बजरी एकत्रित किया जा रहा है। उसे जयपुर शहर और जिले के आसपास के कस्बों और गांवों में सप्लाई किया जा रहा है। इससे लाइसेंस धारी बजरी व्यापारियों को न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि सरकार को भी हर रोज लाखों रुपए की रॉयल्टी का नुकसान हो रहा है।

- अगर प्रशासन ने रोक नहीं लगाई तो सप्लाई बंद कर देंगे : नवीन शर्मा

शर्मा ने बताया कि यूनियन ने खान विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन देकर इन अवैध स्टॉक करने वालों पर कार्यवाही करने की मांग की है। इसके साथ ही हमने प्रशासन ने जल्द ही दूसरे वैध स्टॉक (टोंक, सवाई माधोपुर एरिया में) को भी शुरू की मांग की है। अगर सरकार 10-15 दिवस में इन अवैध बजरी परिवहन और स्टॉक करने वालों पर कोई कार्यवाही नहीं करती तो मजबूरन सभी ट्रक ऑपरेटर्स जो वैध लीज से बजरी लाकर सप्लाई कर रहे है उसे बंद करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने अनुशासनहीन नौ कार्मिकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी

जयपुर। राज्य सरकार राजकीय कार्यालयों में जवाबदेही एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पुलिस विभाग के 9 अनुशासनहीन कार्मिकों को अनिवार्य सेवानिवृति देने का निर्णय किया है।

यह निर्णय राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम-1996 के नियम 53 (1) के प्रावधान के तहत पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित रिव्यू कमेटी एवं प्रशासनिक सुधार की आज्ञानुसार गठित उच्च स्तरीय स्थायी समिति की अनुशंसा पर किया गया है। इन कार्मिकों ने घोर लापरवाही करते हुए अनुशासनहीनता एवं अनियमितताएं की थी, जिसके लिए पूर्व में उन्हें कई बार दंडित भी किया गया था।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में गुड गवर्नेंस का बेहतरीन मॉडल स्थापित करने के लिए राज्य सरकार लापरवाह एवं अनुशासनहीन कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। साथ ही, कर्मठ और ईमानदार कर्मचारियों को पुरस्कृत करने के लिए भी दृढ़ता से कार्य कर रही है। हम आमजन को राजकीय कार्यालयों में उत्तम सेवाएं देने के लिए संकल्पित है।

भजनलाल सरकार के एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करें : डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जयपुर (कासं)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, आयुर्वेद विभाग की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान किए गए महत्वपूर्ण कार्यों, योजनाओं का आमजन तक उचित प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने प्रत्येक विभाग को अपनी एक वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए लघु वृत्तिचत्र (डॉक्यूमेंट्री) का निर्माण करने और इस वृत्तिचत्र को विभागीय वेबसाइटों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा प्रमुख चौराहों पर स्थापित डिजिटल एलईडी पैनलों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुख स्थानों पर विशेष होर्डिंग्स लगाए जाएं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शिक्षा संकुलों के समीप, आयुर्वेद विभाग द्वारा चिकित्सालयों के निकट, परिवहन एवं सडक सुरक्षा विभाग द्वारा परिवहन कार्यालयों के आस-पास तथा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा प्रमुख बस स्टैंड के समीप एवं विभागीय मुख्य भवनों पर होर्डिंग्स स्थापित किए जाएं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी एक वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए रंगीन सचित्र बुकलेट का मुद्रण एवं जन सामान्य तक वितरण सुनिश्चित करे ताकि अधिकतम जन-जन तक विभागीय उपलब्धियों की जानकारी पहुंच सके।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की।

- उपलब्धियों के शॉर्ट वीडियो सोशल मीडिया और प्रमुख चौराहों पर डिजिटल एलईडी पैनल पर प्रदर्शित होंगे

डॉ. बैरवा ने कहा कि विभागीय उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुख समाचार पत्रों, ऑडियो एवं वीडियो फिल्म के माध्यम से आमजन को जागरूक किया जाए।

बैठक में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की अध्यक्ष शुभ्रा सिंह, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की शासन सचिव डॉ. आरूषी अजेय मलिक, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की आयुक्त एवं शासन सचिव शुचि त्यागी, रोडवेज प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा, मीडिया सलाहकार आनंद शर्मा सहित अन्य उच्चाधिकारी मौजूद थे।

ट्रक चालकों की कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए कैबिन में लगाए जाएंगे ए.सी. : मदन राठौड़

- 'जून 2025 के बाद निर्मित एन-2 और एन-3 श्रेणी के ट्रकों के कैबिन में चालकों की सुविधा के लिए शुरू होगी वातानुकूलन प्रणाली'
- राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने दी जानकारी

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि अब माल वाहनों में चालकों की सुविधा के लिए भी नए वाहनों में चालक कैबिन एसी युक्त बनाने की पहल की जा रही है। इतना ही नहीं राजधानी जयपुर से अजमेर की ओर जा रहे नेशनल हाइवे 8 पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए इसे 8 लेन का बनाया जाएगा। इसके लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कर दिया गया है। राठौड़ ने बताया कि राजस्थान में 6 एवं 8 लेन नेशनल हाइवे और ट्रक चालकों की सुविधा में विस्तार संबंधी सवाल राज्यसभा में लगाया गया था, इसके जवाब में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने यह जानकारी दी।

राठौड़ बताया कि केंद्र सरकार देश में निजी ट्रक वाहनों में चालकों की कार्य कुशलता बढ़ाने के साथ चालक की थकान की समस्या का समाधान करने की दिशा में भी कदम बढाया है। राजमार्ग मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक जून 2025 के बाद निर्मित एन-2 और एन-3 श्रेणी के मालवाहक ट्रक के कैबिन में चालकों की सुविधा के लिए वातानुकूलन प्रणाली लगाई जाएगी। इसके लिए इन श्रेणी के वाहनों में चेसिस निर्माताओं द्वारा निर्धारित आईएस के अनुसार वातानुकूलन प्रणाली के लिए एक अनुमोदित किट की आपूर्ति भी की जाएगी, जिससे बॉडी तैयार करने वालों को किट लगाने की सुविधा हो सके। इससे ट्रक चालकों के केबिन में वातानुकूलित सुविधा शुरू हो जाएगी।

तेज रफ्तार थार गाड़ी छह लोगों को रौंदते हुए दुकान में घुसी, एक की मौत

हादसे में छह लोग घायल हो गए, इनमें तीन को गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया

हादसे में दुकान की एक तरफ की दीवार गिर गई और सामान और शटर टूट गए।

- लोगों ने आरोप लगाया कि थार गाडी रेंटल है, इसकी नंबर प्लेट, चेसिस नंबर फर्जी है और यह बिना रजिस्ट्रेशन के घूम रही है

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं में सोमवार को एक तेज रफ्तार थार जीप दुकान में जा घुसी। हादसे में छह लोग घायल हो गए। इनमें तीन को गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया गया, जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। घटना झुंझुनूं के सदर थाना इलाके के नयासर गांव में सोमवार सुबह 8.30 बजे हुई। हादसे में पांच जने घायल हो गए और एक युवक की मौत हो गई।

सदर थाना इंचार्ज अशोक चौधरी ने बताया कि सोमवार सुबह 8.30 बजे सूचना मिली कि थाना इलाके के नयासर गांव के चौक पर थार कार किराना दुकान में घुस गई। कार की चपेट में आकर दुकान मालिक देवकरण कस्वां (68), अखबार पढ़ रहे दो स्थानीय व्यक्ति राकेश कस्वां (50) रणवीर कस्वां (55) और दुकान पर सामान खरीदने रूके बाइक सवार मनोज मेघवाल (45) और उसके दो बेटे पुष्पेंद्र (23) व आर्यन (18) घायल हो गए। घायलों को राजकीय बीडीके हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर घायल राकेश कस्वां पुत्र विद्याधर, रणवीर कस्वां पुत्र रामकुमार और पुष्पेंद्र को जयपुर रैफर किया गया। जयपुर में इलाज के दौरान पुष्पेंद्र ने दम तोड़ दिया। पुष्पेंद्र अपने पिता मनोज और छोटे भाई आर्यन के साथ बाइक पर दुकान पर आया था। तीनों खेत में मजदूरी करने जा रहे थे। दुकान पर सामान लेने रूके थे। लोगों ने आरोप लगाया कि थार गाडी रेंटल है। इसकी नंबर प्लेट, चेसिस नंबर फर्जी हैं और यह बिना रजिस्ट्रेशन घूम रही है। इसके बारे में पुलिस जांच में पता लगाएगी, सारे रिकॉर्ड चेक करेंगे। इलाके के सीसीटीवी भी खंगाल रहे हैं।

वहीं उचित मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि थार कार इतनी तेज स्पीड से घुसी कि डायरेक्शन बदल गया। नयासर के ग्रामीण इमरान ने बताया कि नयासर गांव के चौक पर देवकरण कस्वां की किराना शॉप पर रणवीर व राकेश नाम के व्यक्ति अखबार पढ़ रहे थे। इसी दौरान खेत पर दो बेटों के साथ जा रहा मनोज दुकान पर सामान लेने रूका। तभी झुंझुनूं की और से गांव की तरफ बहुत तेज रफ्तार से ब्लैक कलर की थार लहराते हुए आई और आकर किराना दुकान की दीवार तोड़ते हुए छह लोगों को चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी तेज थी कि थार गाड़ी का डायरेक्शन बदल गया। हादसे में घायल यहां-वहां बिखर गए। दुकान की एक तरफ की दीवार गिर गई। सामान और शटर टूट गए। मलबा आ गिरा। मौके पर तुरंत लोगों ने थार में सवार ड्राइवर नवीन को पकड़ लिया। इसके बाद सदर थाने को सूचना दी गई। कुछ लोगों ने घायलों को संभाला और निजी वाहनों से उन्हे झुंझुनूं बीडीके हॉस्पिटल लेकर भागे। दुकानदार देवकरण, मनोज और उसके छोटे बेटे आर्यन का ईलाज झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में चल रहा है।

घटना के वक्त मौके पर मौजूद चश्मदीद और स्थानीय निवासी पवन ने बताया की तेज स्पीड थार कार से दो लोगों के पैर बुरी तरह कुचल गए। इन गाड़ियों को रेंट पर झुंझुनूं का कोई व्यक्ति चलाता है। इनकी नंबर प्लेट, चेसिस नंबर सब फर्जी हैं। एक्सीडेंट के बाद हमने ड्राइवर को पकड़ लिया तो कुछ देर बाद दूसरी ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो गाड़ी में एक महिला ड्राइवर को छुड़ाने के लिए आ गई। आते ही गाली-गलौज करने लगे। वह ड्राइवर को छुड़ाने की कोशिश करने लगी और महिला बोली यह मेरा बेटा है और दादागिरी करने लगी। मौजूद लोगों ने बताया कि पुलिस ने भी कुछ नहीं किया। आते ही युवक को पुलिस वाहन में बैठा लिया। पुलिस ने एंबुलेंस की जगह पहले क्रेन बुलाई ताकि थार गाड़ी को ले जा सके। ये भी नहीं पूछा कि किसे कहां चोट लगी। घायलों में तो एक व्यक्ति पैरालाइज्ड है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने थार गाड़ी के ऑनर को मौके पर बुलाने, उसे गिरफ्तार करने, उसकी सारी गाड़ियों को जब्त करने, गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने, टूटी दुकान और सामान की क्षति पूर्ति कराने और घायलों को आर्थिक मदद देने की मांग की है।

ग्राम बलेसर में नशेड़ी बेटे ने वृद्ध मां को मौत के घाट उतारा

- रोजाना नशे की हालत में अपनी मां से झगड़ा व मारपीट करता था बेटा
- पुलिस ने एफएसएल व एमओबी टीम की सहायता से साक्ष्य जुटाए

पावटा, (निसं)। विराटनगर की ग्राम पंचायत नवरंगपुरा के ग्राम बलेसर में एक नशेड़ी बेटे ने अपनी मां को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची विराटनगर थाना पुलिस को अनीता देवी ज्योतिषी (70) अचेत अवस्था में मिली, जिसे विराटनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। विराटनगर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा शव को परिजनों के सुपुर्द किया।

विराटनगर थाना प्रभारी मनोहरलाल के अनुसार विराटनगर की ग्राम पंचायत नवरंगपुरा के ग्राम बलेसर में रहने वाली अनीता देवी ज्योतिषी के पति ओमप्रकाश की कई वर्ष पूर्व बीमारी के चलते मौत हो चुकी थी। अनीता देवी ने मजदूरी कर व परिवार के सहयोग से अपने तीनों बेटों का पालन पोषण किया था। उसके तीन बेटे हैं, जिसमें दो बेटे हनुमान व विनोद मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

वहीं सबसे छोटा बेटा हंसराज कई वर्षों से नशे का आदी है व रोजाना नशे की हालत में अपनी मां से झगड़ा व मारपीट करता है। ग्रामीणों ने बताया कि इसी कारण मृतका अनीता देवी ने घर से निकलना भी बंद कर दिया था। अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसी नशे के कारण सबसे छोटा बेटा इतना शैतान बन गया कि उसने अपनी मां की पीट पीट कर हत्या कर दी। विराटनगर थाना पुलिस ने एफएसएल व एमओबी टीम की सहायता से घटना स्थल व आसपास से घटना के तथ्य व साक्ष्य जुटाए। मृतका के देवर मालीराम ने मृतका के बेटे हंसराज के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

युवक की मौत

मसूदा, (निसं)। कृषि कार्य करते समय युवक की मौत हो गई। रविवार शाम प्रभु पुत्र नंगा रावत निवासी ग्राम रतनपुरा अपने खेत पर परिवार के साथ कार्य कर रहा था। कार्य करते समय अचेत अवस्था में परिजनों ने देखकर होश उड़ गए। परिजनों द्वारा मसूदा चिकित्सालय लाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मसूदा पुलिस को दी गई। पुलिस ने मृतक का शव मसूदा मोर्चरी में रखवाया। सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को दिया गया। मसूदा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की। जानकारी के अनुसार प्रभु अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था तभी अचानक उसकी तबीयत बिगड़कर अचेत हो गया अचेत अवस्था में मसूदा चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं.क्षे.वि. इ.गा.न.प. बीकानेर

क्रमांक- 3593-3612 दिनांक-24.11.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 06 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Construction of Pucca Water Course in Chak 1BGS, 5 BGS, 6 BGS, 11 BGS, 19 PTP, 20 PTP, 28 PTP, 36 PTP, 81 RB, 38 BB (Balance Work) की अनुमानित लागत 623.30 लाख है के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन/डाउनलोड की अवधि दिनांक 27.11.2024 प्रात 0.00 बजे से दिनांक 11.12.2024 को दोपहर 02.00 तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाए इलैक्ट्रोनिक, फोमेंट में http://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 12.12.2024 को दोपहर 03.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://cad.rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सक्ती है।

1. CDB2425WSOB00054, 2. CDB2425WSOB00055, 3. CDB2425WSOB00056, 4. CDB2425WSOB00057, 5. CDB2425WSOB00058, 6. CDB2425WSOB00059, 7. CDB2425WSOB00060, 8. CDB2425WSOB00061, 9. CDB2425WSOB00062, 10. CDB2425WSOB00063

अधिशाषी अभियन्ता, ओएफडी खण्ड प्रथम
सिंक्षेवि. इंगानप, बीकानेर, मोबाईल-94146-03873
DIPR/C/11865/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता ईसरदा परियोजना वृत्त टोंक

ई-मेल-seisardatonk@gmail.com

क्रमांक :- 1025 दिनांक :- 25-11-2024

ई- निविदा सूचना संख्या 02/2024-25

राजस्थान के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से इस कार्यालय के अधीन, कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ईसरदा परियोजना खण्ड, जल संसाधन टोंक में 01 कार्य जिसकी अनुमानित लागत रू. 192.43 लाख है, के लिए उपर्युक्त श्रेणी में योग्य पंजीकृत सर्वेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 28.11.2024 प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 07.12.2024 सांय 06.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 09.12.2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है या सम्पूर्ण निविदाएं नहीं खोली जा सकती हैं तो उसके अगले कार्यदिवस को उसी समय निविदा खोली जावेगी। निविदा से संबंधित कार्यो का विवरण वेबसाईट www.diproline.org,https://eproc.rajasthan.gov.in, www.waterresources.rajasthan.gov.in & http://sppp.raj.nic.in व कार्यालय हाजा के नोटिस बोर्ड पर कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

NIB No. WRD2425A0327
UBN No.-WRD2425 WSOBO1264

(जितेन्द्र लुहाडिया) अधीक्षण अभियन्ता
ईसरदा परियोजना वृत्त, जल संसाधन विभाग टोंक
DIPR/C/11884/2024

वृद्ध ने मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या की

- आरोप है कि कुछ लोगों ने लेनदेन को लेकर जहर दिया, फिर खुद ही अस्पताल में भर्ती करवाया था

जोधपुर, (कासं)। शहर के सांगरिया फांटा स्थित महावीर नगर में रहने वाले एक वृद्ध व्यक्ति को जहरखुरानी में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के दूसरे दिन ही वृद्ध ने मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। पुत्र का आरोप है कि उन्हें कुछ लोगों ने पैसों के लेनदेन को लेकर जहर दिया फिर खुद ही अस्पताल में भर्ती करवाया था। पुत्र ने नामजद लोगों पर अब केस दर्ज कराया है। जिस बारे में कुड़ी पुलिस की तरफ से जांच की जा रही है।

कुड़ी थाने के एसआई रामभरोसी ने बताया कि सांगरिया फांटा स्थित महावीर नगर निवासी सुरजीत सिंह उर्फ लालसिंह की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसके पिता मदन सिंह ने दो साल पहले बजरंगसिंह और उसके बेटे शक्तिसिंह, पत्नी, पुत्री और दामाद सोहनसिंह को मकान और शादी के लिए आठ लाख रुपए ब्याज पर उधार दिए थे। मूल रकम और ब्याज मांगने पर नहीं दिए। गत 20 नवंबर को पिता को रुपए देने के बहाने दुकान पर बुलाया, जहां सभी लोगों ने उनको जहरीला पदार्थ पिलाया। इसके बाद जब तबीयत बिगड़ने लगी तो वे लोग ही उनको एम्स अस्पताल लेकर आए। साथ में बजरंगसिंह खुद थे। रात को इलाज के बाद सुबह 21 नवंबर को अस्पताल से छुट्टी दे दी। अगले दिन से पिता तनाव में रहने लगे। उनको डर सताने लगा कि वह लोग मुझे जान से मार देंगे। मेरे रुपए नहीं लौटाएंगे। इसके चलते मानसिक तनाव में आकर उन्होंने आत्महत्या कर ली।

एसआई रामभरोसी ने बताया कि शव का कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया था। अब आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने का केस दर्ज किया गया है। अग्रिम जांच जारी है।

अलवर के सरकारी कॉलेज में लेपर्ड दिखा

दो महिलाओं के सामने से निकला लेपर्ड, वन विभाग ने पिंजरा लगाया

अलवर, (निसं)। अलवर स्थित कॉलेज में रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे और सोमवार सुबह करीब छह बजे लेपर्ड के पगमार्क दिखे हैं। शाम को आरआर कॉलेज में घूमने आई दो महिलाओं ने लेपर्ड देखा था। उसके बाद वनकर्मियों की टीम यहां पहुंची थी और पगमार्क देखकर लेपर्ड होना कन्फर्म किया था। अगले दिन सोमवार सुबह वनकर्मी पहुंचे और उन्होंने आसपास पगमार्क देखे। तब जंगल के अंदर बने मंदिर परिसर में ताजा पगमार्क दिखे। सुबह छह बजे के आसपास भी लेपर्ड यहीं था। अब उसे पकड़ने के लिए कैमरे और पिंजरे लगाने की तैयारी चल रही है।

प्रत्यक्षदर्शी महिला शकुंतला देवी ने बताया कि लेपर्ड ही था। तेजी से एक गेट से निकल कर दूसरे में चला गया। हम वॉक कर आ रहे थे। तब अचानक लेपर्ड सामने से निकल गया। हमने बाहर एनसीसी के कैडेट्स को बताया। इसके बाद वन कर्मियों की टीम वहां पहुंची है। दूसरी महिला कुंती चौधरी ने बताया कि हम वॉक कर वापस आ रहे थे। तभी मुख्य गेट के पास से लेपर्ड निकला है। अब वनकर्मियों ने भी पगमार्क देखे हैं। उन्होंने भी लेपर्ड ही बताया है। ये लेपर्ड कुत्ते से बड़ा था। लेकिन लंबाई काफी थी। अंदर जंगल में ही चला गया। रात को रेंजर शंकर सिंह ने बताया कि लेपर्ड होने की सूचना कॉलेज से मिली थी। हमने पगमार्क देखे हैं। पगमार्क लेपर्ड की लगते हैं। यहां आरआर कॉलेज का जंगल है। सोमवार सुबह वनपाल भीम सिंह पहुंचे, जिन्होंने आरआर कॉलेज के जंगल में बने हनुमानजी मंदिर परिसर में लेपर्ड के ताजा पगमार्क देखे हैं। भीम सिंह ने बताया कि अब कैमरा ट्रैप लगा रहे हैं। पिंजरे भी मंगाए गए हैं।

डीएफओ राजेंद्र हुड्डा ने बताया कि कॉलेज परिसर के चारों तरफ करीब 50 हैक्टेयर का जंगल है। अंदर पानी व वन्यजीव है। यहां लेपर्ड का मूवमेंट है। सरिस्का से टीम बुला ली है। जल्दी हम इसे ट्रेंकुलाइज कर जंगल में छोड़ा जाएगा। अभी लेपर्ड को एक बार ही देखा गया है। अब सुबह भी पगमार्क मिले हैं।

Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad
District Project Management Unit (DPMU)
Choupal Grameen Prashikshan Sansthan, Badodiya Basti Near Railway Station, Jaipur-
Phone No.- 0141-2209370

No. :- DPMU/Acct./Raj Sakhi Mela/2024/619 Dated :- 30/11/2024

NOTICE INVITING E-BID

DPMU Rajeevika, Jaipur invites online E-Bids from eligible bidders for all arrangements for RASTRIYA RAJ SAKHI MELA-2024 at Shilpgram, Jawahar kala Kendra & Indira Gandhi Panchayati Raj & Gramin Vikas Sansthan, JLN Marg, Jaipur, viz. fabrication of stalls, VIP room, reception, stage, light, water, generator, sound system, food court, video- photography, cleaning, fire fighting etc. For details please visit website **http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in** and **www.rajeevika.rajasthan.gov.in.** Pre bid conference shall be held on 03.12.2024 (12.00PM) in the office of DPMU, Rajeevika, Choupal Bhawan, Jaipur. Last date for submission of e-bids is 06.12.2024 up to 12:00 PM.

E-Bid Approx Value is 50.00 Lacs.

UBN No. - RGA2425SL0B00158

District Project Manager
Rajeevika, Jaipur
Raj.Samwad/C/24/8538

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-धौलपुर

क्रमांकः 2092-2109 दिनांकः 26.11.2024

निविदा सूचना संख्या : 04/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला धौलपुर में वर्षा से क्षतिग्रस्त विभिन्न सडकों एवं पुलियाओं का स्थाई पुनरूद्धार कार्य (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता हैं। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है ।

Package No.	NIB NO.	UBN No.
RJ-13-04/SDRF/2024-25/Under Dn. Dholpur	PWD2425A2598	PWD2425WSOB10849
RJ-13-05/SDRF/2024-25/Under Dn. Bari	PWD2425A2598	PWD2425WSOB10851

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त धौलपुर
DIPR/C/12005/2024

गांजा सप्लाई करते एक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की बासनी पुलिस ने गली नंबर छह में नाकाबंदी करते हुए एक युवक को छह किलो से ज्यादा गांजा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया है। आरोपी दो पहले भी पकड़ा जा चुका है। वह बिहार से गांजा लाकर यहां आसपास मजदूरों को बेचने का काम करता है। पुलिस अभियुक्त से पूछताछ में जुटी है।

थानाधिकारी शफीक मोहम्मद ने बताया कि बासनी क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करी रोकथाम के लिए पुलिस की एक टीम हैडकांस्टेबल रामलाल, दिनेश, चैनाराम एवं कांस्टेबल रामदीन, शंकरलाल की गठित की गई। पुलिस की टीम ने रविवार रात में बासनी गली नंबर छह में नाकाबंदी करते हुए एक संदिग्ध युवक को पकड़ा और तलाशी लिए जाने पर उसके पास में 06.82 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। इस पर आरोपी युवक बिहार के गोपालगंज शीतल बरदाहा मुन्नाराम यादव पुत्र योगेंद्र कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट में दर्ज हो रखे है।

मसूदा उपखंड के ग्राम जीवाणा में करीब दस फीट लम्बा अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कम्प मच गया। जिसको लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम से पहले मौके पर पहुंचे मसूदा की गोरक्षक टीम दिलराज, दीपक योगी, लाल प्रजापति, लोकेश सिमरिया ने अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर सुरक्षित हरराजपुरा के जंगलों में छोड़ दिया।

नौकरी का झांसा देकर पांच लाख रुपये हड़पे

भरतपुर, (निसं)। नदबई थाना पुलिस ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर पांच लाख रूपये हड़पने के आरोपी कपिल जिंदल को गिरफ्तार किया। आठ अक्टूबर को गांव धरसोनी थाना हलैना निवासी राहुल पुत्र राजकुमार जाटव ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश कि कपिल जिंदल पुत्र धनेश के विरूद्ध उसको रेलवे डी ग्रुप में सरकारी नौकरी लगवाने के लिये पांच लाख रूपये लेने की बात की।

प्रार्थी को फर्जी ज्वॉनिंग लेटर का पता चलने पर इस आरोपी से अपने रूपये मांगने पर उसके साथ मारपीट कर धमकी देने का एक मामला थाना नदबई पर दर्ज कराया गया था। एएसआई सियाराम द्वारा बाद अनुसंधान इस मामले के नामजद आरोपी कपिल जिन्दल पुत्र धनेश वैश्य निवासी रेलवे स्टेशन रोड कस्वा नदबई को प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड गंगापुर सिटी

क्रमांक- दिनांक-

ई-निविदा सूचना संख्या- 07/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर परिवर्तित बजट घोषणा 17.01/2024-25 के अन्तर्गत जिला गंगापुर सिटी की नगर परिषद गंगापुर सिटी एवं नगर पालिका वजीरपुर एवं बामनवास में सडक निर्माण कार्य हेतु मय पांच वर्ष की मरम्मत एवं संधारण की अवधि के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" एवं "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 3 पैकेजों हेतु जिनकी कुल राशि 293.49 लाख है, प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार UNB संख्या निम्नानुसार है।

(PWD2425WSOB10807), (PWD2425WSOB10809), (PWD2425WSOB10811)

(बदन सिंह)
अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड गंगापुर सिटी
DIPR/C/12000/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION BEAWAR

NIB NO. :- PWD2425A2884

Notice Inviting Bid No. 19/2024-25

Bids for 01 No. Works are invited from interested bidders upto 2.00 PM 12 December 2024. Other particular of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the State, and DIPR departmental website. The approximate value of the procurement is Rs.121.04 Lacs.

S.No.	NIB NO	UBIN NO	Amount (Lac)
1	PWD2425A2884	PWD2425WSOB10571	121.04

(V.S. Shekhawat)
Executive Engineer PWD, Division Beawar
DIPR/C/11897/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANDRAIL

File No. 821 Date: 25.11.2024

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 04/2024-25) for "Construction of CC Roads in Nager Palika Mandrail Under Package RJ-22-04/LSG-IV/8443/2024-25 Dn. Mandrail in Distt. Karauli" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 09.12.2024. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 34.53 lacs.

NIB CODE: PWD2425A2910
UBN CODE: PWD2425WS0B10656

(Neelam Kumari Meena)
Executive Engineer
PWD Division Mandrail
DIPR/C/11923/2024

कार्यालय नगर परिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक :- न.परि.झा./लाईट/2024/4972-74 दिनांक :- 28/11/2024

ई-निविदा

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु स्वायत्त शासन विभाग एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो में उचित श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निम्न कार्य हेतु ऑन लाईन निविदाये आमन्त्रित की जाती है :- **UBN No.: DLB2425WSOB12469, 12470**

1. नगरीय क्षैत्र झालावाड़ में वार्ड सं0 1 से 45 में एलईडी स्ट्रीट लाईट मय फेज वायर स्थापन कार्य।
2. नगरीय क्षैत्र झालावाड़ में वार्ड सं0 1 से 45 में फेज वायर स्थापन कार्य।

संवेदक निविदा प्रपत्र को बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व प्राप्त की जा सकेगें।

राज.संवाद/सी/24/8543 आयुक्त

बालिका स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप में हैकर ने अश्लील फोटो डाली

स्कूल प्रबंधन में मचा बवाल, मामले को लेकर अभिभावक, शिक्षक हतप्रभ

देवली, (निसं)। सोमवार को शहर के सिस लिंक रोड पर स्थित महात्मा गांधी राजकीय बालिका विद्यालय के ऑनलाइन पढ़ाई हेतु संचालित व्हाट्सएप ग्रुप में महिला की अश्लील फोटो डालने का सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। एकाएक हुई इस घटना के बाद स्कूल प्रशासन सहित अभिभावक हतप्रभ हो उठे। गौरतलब है कि इन दिनों सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों में बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर व्हाट्सएप ग्रुप बनाए हुए हैं जिससे अनुपस्थित छात्र-छात्राओं को स्कूल में पढ़ाई के सब्जेक्ट की जानकारी घर बैठे ऑनलाइन प्राप्त हो सके। इसी के बीच सोमवार को बालिका विद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप को किसी अज्ञात हैकर ने ग्रुप को हैक कर लिया और ग्रुप में अश्लील फोटो सेंड कर दी। इसकी जानकारी अभिभावकों ने बालिका स्कूल प्रशासन तक पहुंचाई।

अभिभावकों ने बताया कि शनिवार शाम 3:57 पर एक नंबर से महिला की अश्लील चार फोटो स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप में डाले गए। इसके अलावा एक एपीके फाइल भी डाली गई। मामले का पता जब लगा, जब कक्षा 7 व 8 में छात्रों ने मोबाइल लेकर व्हाट्सएप ग्रुप खोला। विद्यार्थियों ने इसकी शिकायत अपने माता-पिता दी। ऐसे में रविवार अवकाश होने की वजह से मामले की घटा से छानबीन नहीं कर सका। लेकिन सोमवार को स्कूल प्रशासन ने इस मामले को गंभीर मानते हुए उक्त घटना की जांच शुरू कर दी। स्कूल प्रशासन ने सर्वप्रथम जिस व्हाट्सएप नंबर से अश्लील पिक्चर्स ग्रुप में उक्त अभिभावक स्कूल में बुलाया गया। इसी दौरान स्कूल प्रशासन ने उक्त मोबाइल नंबर अभिभावक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

मामले में प्रधानाचार्य सुशीला मीणा बताया कि जिस नंबर से ग्रुप में अश्लील पिक्चर्स सेंड किए गए हैं उक्त नंबर के अभिभावक की यह हरकत बेहद निंदनीय है। इसको लेकर प्रधानाचार्य ने तुरंत प्रभाव से स्कूल प्रशासन की मीटिंग बुलवाई और उक्त नंबर के अभिभावक के विरुद्ध करवाई करने की सहमति बनाई। उक्त अभिभावक ने देवली थाने में अपने मोबाइल नंबर के हैक करने की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

थाने में पहुंची अभिभावक ने पुलिस को बताया कि शहर की महात्मा गांधी बालिका विद्यालय देवली के संचालित व्हाट्सएप ग्रुप में अश्लील फोटो डालने के मामले में स्कूल प्रबंधन ने उक्त मेरे नंबर के विरुद्ध कदम उठाया है। इस मामले में प्रधानाचार्य सुशीला मीणा ने स्टाफ की मीटिंग लेकर संबंधित अभिभावक के विरुद्ध थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि इस तरह की गंदी तस्वीर और अश्लील सामग्री स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप में भेजी गई है और उक्त मामले में स्कूल ने उक्त मोबाइल नंबर के अभिभावक को नोटिस दिया है। ऐसे में उक्त सामाजिक तत्वों द्वारा कई बार बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत भी स्कूल प्रशासन को प्राप्त हुई है। इसको लेकर पूर्व में भी पालिका प्रशासन और पुलिस से इस मामले में मदद मांगी गई थी। लेकिन दोनों जिम्मेदार ना विभाग में सुनवाई नहीं होने पर बालिका विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने फिर से दोबारा 29 नवंबर को पुलिस और पालिका को पत्र लिखकर उक्त मामले में सहयोग एवं कार्रवाई करने की मांग की थी। लेकिन पुलिस और पालिका प्रशासन की तरफ से इस मामले को अब तक गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अश्लील फोटो मामले में अब यहां आशंकाएं यह भी व्याप्त हो रही है कि कहीं स्कूल के गेट के बाहर लगे गोलगप्पे और फास्ट फूड ठेलों पर आने-जाने वाले किसी असामाजिक तत्व की उक्त हरकत तो नहीं।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड बाडी

क्रमांक :-1284 दिनांक :- 25.11.2024

निविदा सूचना संख्याः 05/2024-25

NIB code PWD2425A2875 and UBN is: PWD2425WSOB10524, PWD2425WSOB10525, PWD2425WSOB10526, PWD2425WSOB10527, PWD2425WSOB10528

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बाडी जिला धौलपुर में कुल 5 नं. पर भवन कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए."ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड बाडी
1	निविदा का कार्य	भवन मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रु. 58.34 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प. (5) / वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाइन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। 1) निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 2) प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-02 (निर्माण विभाग) (RISL Fees) 3) धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 28.11.2024 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 10.12.2024 सायं 6:00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 28.11.2024 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 10.12.2024 सायं 6:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (बेवसाईट पर)	दिनांक 11.12.2024 सायं 03:00 बजे

(सौरभ शर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि.खण्ड बाडी
DIPR/C/11871/2024

पृथ्वीराज नगर की कॉलोनियों में घटिया डामर सड़क बिछा रहे इंजीनियर-ठेकेदार, जे.डी.ए. प्रशासन मौन!

सड़क की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि मात्र हाथ लगाने से ही डामर की परत उतर रही है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स की अनदेखी और मेहरबानी के चलते ठेकेदार इन दिनों शहर में घटिया सड़कें बनाने में लगे हैं। इसकी ताजा बानगी पृथ्वीराज नगर दक्षिण क्षेत्र की कॉलोनियों मांग्यावास, वास्तुश्रीनगर, राधा निकुंज और पत्रकार कॉलोनी में देखने को मिल रही है। सड़क इतनी घटिया है कि हाथ लगाने से ही उखड़कर सामने आ रही है। स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बनाकर भी सोशल मीडिया पर साझा किया है।

सूत्रों की मानें तो जयपुर विकास प्राधिकरण ने पृथ्वीराज नगर दक्षिण की कॉलोनियों मांग्यावास, वास्तुश्रीनगर, राधा निकुंज, समेत पत्रकार कालोनी में सीवर लाइन डालने और सड़क की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। जेडीए ने पत्रकार कॉलोनी को छोड़कर पीआरएन दक्षिण

- **मांग्यावास क्षेत्र के लोगों ने इस घटिया सड़क का वीडियो बनाकर भी सोशल मीडिया पर साझा किया है**

की कॉलोनियों में सीवर लाइन डाल दी है। अब रोड कट को सुधारने के लिए सड़क पर डामर बिछाई जा रही है। डामर बिछाने के बाद हालत यह है कि डामर हाथ से ही उखड़ रही है। स्थानीय निवासी सवेरे जब मार्निंग वॉक पर निकलते है तो डामर महज पैर लगने से ही उखड़ रही है।

स्थानीय निवासी रामकिशोर ने बताया कि उन्होंने जब डामर की मजबूती चैक करने के लिए इसे हाथ से उखाड़ने का प्रयास किया तो परत की परत उखड़ने लगी। मांग्यावास निवासी अनिल शर्मा ने बताया कि डामर बिछाने से पहले बिछाई गई जीएसबी-डब्लूएमएम की भी स्थिति भी ऐसी ही है। सड़क में रोडी कंक्रीट भी पूरी नहीं डाली गई।

बताया जा रहा है कि सीवर लाइन का रोड कट करने के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स ने मरम्मत के नाम पर नियमों का तो मखौल बनाया ही, साथ में मामूली 10 एमएम की परत चढ़ाकर अपने काम की इतिश्री कर ली।

जबकि नियमानुसार जीएसबी और डब्लूएमएम करने के बाद डीबीएम यानी डेंस बिटुमिनस मैकडैम करनी होती है। डीबीएम को आम तौर पर आधार या बाइंडर कोर्स के रूप में उपयोग किया जाता है, जो सड़क सतह के लिए नींव का काम करता है। इसके बाद बिटुमिन कंक्रीट की परत चढ़ती है। बताया जा रहा है कि रोड कट की मरम्मत के नाम पर अधिकतर जगहों पर डीबीएम किए बिना ही सीधे बिटुमिन कंक्रीट डाल दी गई, इससे सड़क बनाने वाले ठेकेदार को डामर की खासी बचत हो गई।

स्थानीय निवासी जब जलदाय विभाग के इंजीनियर्स को फोन लगाते हैं तो वहां से कोई जवाब नहीं मिल रहा। जब सहायक अभियंता राजीव बंसल से पूछा गया तो उन्होंने जेडीए द्वारा काम किए जाने की बात से ही मना कर दिया, उनका कहना था कि यहां नगर निगम ग्रेटर ने काम किया है।

इस प्रकरण में जयपुर विकास प्राधिकरण के अधीक्षण अभियंता विनोद कृष्णैया का कहना है कि अगर घटिया सड़क निर्माण हुआ है तो इसकी जांच करवायी जायेगी। अभी तक सड़क बनाने वाली फर्म का भुगता नहीं किया गया है। सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर से थर्ड पार्टी जांच करवाने के बाद ही भुगतान किया जाता है। मैं इस मामले को दिखवाता हूं।

'पी.पी.पी. मोड पर संचालित नहीं होगा आयुष्मान टॉवर

- **हैलीकॉप्टर, फूड कोर्ट जैसी चिन्हित सेवाएं ली जाएंगी दक्ष सेवा प्रदाता से**
- **कार्डियक टॉवर का कार्य 6 माह में पूरा होना संभावित:मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर**

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि राज्य सरकार आमजन को सुगमतापूर्वक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इसी दिशा में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए एसएमएस अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियो वैस्कुलर साइंसेज (कार्डियक टॉवर) का कार्य आगामी 6 माह में पूरा होना संभावित है। साथ ही, निर्माणाधीन आयुष्मान टॉवर का कार्य पूर्ण होने में एक साल या इससे अधिक समय लगने की संभावना है।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि कार्डियक एवं आयुष्मान टॉवर में आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दृष्टि से विशेषज्ञता आधारित कुछ चुनिंदा सेवाएं यथा - फूड कोर्ट, हाउस कीपिंग, हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस, कुछ विशिष्ट जांचें, मरीज़ों का पंजीयन, भवन रख-रखाव आदि सेवाएं दक्ष सेवा प्रदाता के माध्यम से ली जाना प्रस्तावित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयुष्मान टावर को पीपीपी मोड पर दिए जाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। कार्डियक एवं आयुष्मान टॉवर दोनों ही भवनों में चिकित्सा सुविधाएं एसएमएस अस्पताल के चिकित्सा शिक्षकों द्वारा ही प्रदान की जाएंगी।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा अनुसार एसएमएस एवं अन्य बड़े अस्पतालों में डायग्नोस्टिक सुविधाओं को पीपीपी मोड पर शुरू किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आयुष्मान टॉवर की प्लानिंग में रही कमियों को दूर कर इसे बेहतर योजना के साथ संचालित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

दो बाइक भिड़ी, युवक की मौत

जयपुर । कालवाड़ थाना इलाके में दो बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। पुलिस के अनुसार सरस्वती नगर निवासी वैभव जोशी बाइक लेकर घर जा रहा था इसी दौरान कालवाड़ रोड पर उसकी बाइक को दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर वैभव की मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक सवार युवक का उपचार जारी है। हादसा 30 नवम्बर की दोपहर का है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक्स को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया है। घटना के सम्बंध में वैभव जोशी के पिता ने मामला दर्ज करवाया है।

वहीं दूसरी ओर बस्सी में बाइक की टक्कर से वृद्धा की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार भूवल्या की ढाणी बडौली दौसा निवासी ओम प्रकाश ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी मां पन्नी देवी(60) छोटे भाई महेन्द्र मीणा के साथ जटवाड़ा चौकी के पास खड़े थे। इसी दौरान जयपुर की तरफ से आई एक बाइक ने पन्नी देवी को टक्कर मार दी। इससे पन्नी देवी घायल हुईं। जिन्हें दौसा अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना जटवाड़ा चौकी के पास हुई। इस दौरान उसकी मां के सिर और अन्य जगहों पर गम्भीर चोट लगी। जिन्हें उनका भाई महेन्द्र मीणा सीधे दौसा अस्पताल लेकर पहुंचा जहां डॉक्टरों ने पन्नी देवी की मृत घोषित कर दिया।

जयपुर में पार्कों के बाहर "ऑर्गेनिक जूस कियोस्क" लगाने की तैयारी

ग्रेटर नगर निगम की लाइसेंस कमेटी से मंजूर किया प्रस्ताव

ग्रेटर नगर निगम की लाइसेंस समिति के चेयरमैन रमेश सैनी ने सोमवार को बैठक ली।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर के प्रमुख पार्कों जैसे जवाहर सर्किल, सिटी पार्क मानसरोवर, सेंट्रल पार्क और लैंडस्कैपिंग पार्क के बाहर "ऑर्गेनिक ग्रीन कियोस्क" लगाने की तैयारी की जा रही है। ग्रेटर नगर निगम की लाइसेंस कमेटी के चेयरमैन रमेश सैनी ने सोमवार को जब अधिकारियों की बैठक ली तो यह ग्रीन कियोस्क लगाने के निर्देश दिए।

बैठक में होटल, स्कूल, कैफे व हॉस्पिटल्स के ट्रेड लाइसेंस फीस में बढ़ोतरी का निर्णय भी लिया गया। रमेश सैनी ने कहा कि जयपुर शहर के तमाम पार्किंग स्थलों में संशोधन करके जल्द ही नीलामी प्रक्रिया शुरू की जायेगी।

- **बैठक में होटल, स्कूल, कैफे और हॉस्पिटल के ट्रेड लाइसेंस की फीस बढ़ाने का निर्णय लिया**
- **जयपुर के सभी पार्किंगस्थलों में संशोधन करके जल्द नीलामी प्रक्रिया शुरू करेंगे : रमेश सैनी**

समिति सदस्य कविराज सेठी ने कहा कि पान बूथ पर लगाये जाने वाले विज्ञापनों से नगर निगम कोई राजस्व नहीं मिलता है, ऐसे में तम्बाकू उत्पाद कम्पनियों को पाबन्द किया जाये और राजस्व की वसूली की जाए।

बैठक में समिति सदस्य राधेश्याम बोहरा, कविराज सेठी, गुरु कैलाश नारायण शर्मा, दीपमाला शर्मा व राजेन्द्र खरबास, समिति सचिव व राजस्व अधिकारी गीता करनानी और स्वास्थ्य अधिकारी रश्मि कांकरिया भी उपस्थित रही।

वृद्धा के गले से चेन तोड़ी

जयपुर। चित्रकूट इलाके में बाइक सवार दो बदमाश एक बुजुर्ग महिला के गले पर झपट्टा मार कर सोने से जडित तुलसी की माला ले गए। यह माला करीब डेढ तोला सोने से बनी थी। पुलिस के अनुसार चित्रकूट निवासी 60 वर्षीय मुन्नी देवी बाजार जा रही थी। सेक्टर-6 चित्रकूट में पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और उसके गले पर झपट्टा मार कर सोने से जडित तुलसी की माला ले गए।

लिफ्ट देकर युवक से लूटपाट

जयपुर । सांगानेर सदर थाना इलाके में कार सवार बदमाशों ने एक युवक को लिफ्ट देकर लूट का शिकार बना डाला।

पुलिस के अनुसार आर के सिटी मोहनपुरा निवासी विक्की बैरवा ने मामला दर्ज करवाया कि वह जयपुर से घर जा रहा था। वह 12 मील पर बस का इंतजार कर रहा था इसी दौरान उसके पास एक कार आकर रुकी। उसके तीन-चार युवक बैठे थे। कार सवार युवकों ने उसे चलने को पूछा तो उसने हामी भर दी। इसके बाद वह कार में बैठ गया। कार सवार बदमाश उसे सुनसान स्थान पर ले गए और उससे मारपीट कर जेब में रखी करीब 2-3 हजार रुपए की नकदी के साथ उससे ऑनलाइन रुपए भी डलवा लिए।

जांच अधिकारी एसआई मोहरसिंह ने बताया कि एक युवक को लिफ्ट देकर लूटने का मामला सामने आया है। मामले की छानबीन की जा रही है। पीडित युवक को बुलाया है।

हैरिटेज निगम आयुक्त ने राइजिंग राजस्थान की व्यवस्थाएं जांची

जयपुर । राइजिंग राजस्थान आयोजन की तैयारियों को लेकर सोमवार को हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने फील्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त ने सिविल लाइन जोन में कुछ जगहों पर सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

आयुक्त हसीजा ने खातीपुरा, हसनपुरा, एनबीसी चौराहा, चार नंबर डिस्पेंसरी, अजमेर पुलिया, जैकब रोड, एम आई रोड, अजमेरी गेट, सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, हवा महल, आमेर रोड जल महल तक निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने मौके पर निगम अधिकारियों को सफाई व्यवस्था को लेकर दिशा निर्देश भी दिए। सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम हेरिटेज आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने बुधवार को निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी अधिकारियों के साथ क्षेत्र का दौरा भी किया। बैठक में आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने राइजिंग राजस्थान आयोजन को लेकर सभी निगम अधिकारियों को शहर की साफ सफाई से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। वहीं निगम की तैयारियों को लेकर आयुक्त अरुण हसीजा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान आयोजन में देश - विदेश से आमंत्रित अतिथियों का जयपुर आना प्रस्तावित है। ऐसे में अतिथियों को शहर की भव्य सुंदर दिखें। इसके लिए निगम की ओर से लगभग तैयारियां पूरी कर ली गई है। सभी पर्यटक स्थलों पर सफाई व्यवस्था सुदृढ की जा चुकी है। साथ ही आयुक्त अरुण हसीजा ने सड़क की वाल पेंटिंग, सफाई व्यवस्था, रोड डिवाइडर पर पौधों की छंटाई कार्य का भी निरीक्षण किया।

मंदिर और दो मकानों में चोरी

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा थाना इलाके में चोरों के हौसलें सातवें आसमान पर है। चोरों ने एक ही गांव में एक ही रात को एक मंदिर और दो मकानों को निशाना बना डाला। चोर मंदिर से दानपात्र और मकानों से नकदी व जेवरात ले गए। पुलिस के अनुसार घटना श्यामपुरा बुहारिया गांव की है।

घटना के सम्बंध में पदमसिंह, भरत लाल और राजेश योगी ने मामला दर्ज करवाया है। चोरों ने हनुमान मंदिर का ताला तोड़कर यहां पर रखा दानपात्र ले गए। दानपात्र में नकदी रखी थी। इसके अलावा चोरों ने शिवांगी एन्कलेव निवासी राजेश और भरतलाल के मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

उमंग के बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर किया लोगों को जागरूक

जयपुर । वर्ल्ड डिसेबिलिटी डे की पूर्व संध्या पर जयपुर के सिटी पार्क, मानसरोवर में उमंग के छात्रों, स्टाफ और अभिभावकों ने जागरूकता मेले का आयोजन किया। इस मेले में कई पोस्टर लगाए गए थे, जो विभिन्न डिसेबिलिटीज के बारे में जानकारी प्रदान कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, कई मजेदार गेम स्टॉल्स भी थे, जिनका उद्देश्य लोगों को दिव्यांगता के प्रति संवेदनशील बनाना और पोस्टरों के माध्यम से ज्ञान का संचार करना था। गौरतलब है कि वर्ल्ड डिसेबिलिटी डे, 3 दिसंबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस अवसर पर उमंग ने हर वर्ष की तरह इस दिन को जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाया और दिव्यांगता से संबंधित ज्ञान को फैलाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की।

स्टूडेंट्स ने फ्लैश मॉब परफॉर्मेंस के माध्यम से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। बच्चों ने लोगों से जागरूकता मेले का हिस्सा बनने, खेलों और सिमुलेशन अनुभवों में शामिल होने तथा पुरस्कार जीतने के लिए भी आमंत्रित किया। इस दौरान बच्चों ने दिव्यांगों के अधिकारों और समावेशिता पर लिखे संदेश की तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में सार्वजनिक प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक रही और बहुत से लोग अपने परिवारों के साथ इस मेले में शामिल हुए। उन्होंने छात्रों के साथ खेलों में भाग लिया और इस अनुभव से बहुत कुछ सीखा। कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दीं, जैसे कि यह आयोजन कितना इंटरएक्टिव था, पहले वे दिव्यांग व्यक्तियों से बात करने में हिचकिचाते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि वे कहीं उन्हें आहत न कर दें, लेकिन इस अनुभव ने उन्हें सहज बना दिया।

जयपुर डिस्कॉम के प्रथम शिशु पालना गृह का लोकार्पण

जयपुर । ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बिजली कंपनियों के कार्मिकों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि राज्य सरकार की बिजली कंपनियों के निजीकरण की कोई योजना नहीं है। प्रदेश की दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं के मद्देनजर बिजली कंपनियों ने देश के प्रमुख केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ राज्यहित में एमओयू किए हैं। उन्होंने कहा कि कार्मिकों का सहयोग लेकर ही राज्य सरकार प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के कायाकल्प तथा सुदृढ़ीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है।

नागर सोमवार को राममंदिर स्थित ओल्ड पावर हाउस में जयपुर डिस्कॉम के प्रथम शिशु पालना घर के लोकार्पण समारोह में उपस्थित विद्युत कंपनियों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री ने कहा

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने सोमवार को राममंदिर स्थित ओल्ड पावर हाउस में जयपुर डिस्कॉम के शिशु पालना घर के लोकार्पण किया।

कि प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से जो निवेश आ रहा है उसमें सर्वाधिक भागीदारी एनर्जी सेक्टर की है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली

- **बिजली कंपनियों के निजीकरण की कोई योजना नहीं : ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर**

वितरण तंत्र को मजबूत करने के लिए आरडीएसएस योजना के रूप में मात्र 8 हजार करोड़ रूपए की उपलब्धता है। प्रदेश के भूभाग तथा विस्तृत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को देखते हुए आवश्यकता इससे कई गुना अधिक है। बैंकों से इतना वित्तीय संसाधन जुटाना पहले से ही ऋणभार से दबे डिस्कॉम्स के लिए संभव नहीं है। ऐसे में प्रदेशवासियों को गुणवत्तायुक्त आपूर्ति के लिए हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल जैसे नवाचार अपनाए जा रहे हैं। इस मॉडल पर देश में राजमार्ग भी बन रहे हैं। इनसे डिस्कॉम कार्मिकों को भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है। इससे पहले नागर ने 55 लाख रूपए की लागत से निर्मित शिशु पालना गृह का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस पालना घर के निर्माण से यहां कार्यरत कर्मियों, विशेषकर महिला कार्मिकों को बडी सुविधा मिलेगी। बच्चों की देखभाल से निश्चिंत होकर कार्मिक अधिक मनोयोग से काम कर पाएंगे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस पालना घर में केयर टेकर, आंगतुक कक्ष, रसोई घर, फीडिंग रूम तथा बच्चों के पोषण हेतु आहार जैसी सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने पालना गृह की संचालक संस्था से आग्रह किया कि बच्चों में देश की संस्कृति एवं महापुरूषों के प्रति गौरव का भाव जागृत करें।

मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद सरपंचों का महापड़ाव स्थगित

जयपुर । खाद्य मंत्री सुमित गोदारा व केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम की मध्यस्थता से सरपंच संघ के पदाधिकारी की हुई मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद सभी पदाधिकारी ने निर्णय लिया कि जयपुर में 6 दिसंबर को होने वाला सरपंचों का महापड़ाव 22 दिसंबर तक स्थगित किया है। मुख्य वक्ता रफीक पठान ने बताया कि सोमवार को सरपंच संघ के पदाधिकारी की जयपुर में हुई मीटिंग के बाद सरकार ने मंत्री सुमित गोदारा व केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम को सरपंच से वार्ता करने के लिए अधिकृत किया। सरपंचों ने मांग रखी कि सरकार चुनाव नहीं करवाती है तो पंचायतों में प्रशासक लगाने के बजाय सरपंचों का समय बढ़ाए।

सार-समाचार

सुमित्रा चौधरी 211 मतों से विजयी

जयपुर । ऐसोशियसन ऑफ राजस्थान को-ऑपरेटिव सब आर्डिनेट सेवा के चुनाव सोमवार को नेहरू सहकार भवन 22 गोदाम रोड में सम्पन्न हुए। निर्वाचन प्रक्रिया में कुल 329 निरीक्षकों ने भाग लिया, जिसमें सुमित्रा चौधरी को 264 मत मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वंदी उमा चौधरी को 53 मत मिले, अन्य प्रतियोगी प्रेमसिंह चौधरी को 9 एवं मीनाक्षी चौधरी को 3 मत मिले। सुमित्रा चौधरी ने 211 मतों से अभूतपूर्व विजय प्राप्त की। अन्य उम्मीदवार सुमेश बेनीवाल ने अपना नाम उम्मीदवारी से वापस लिया। इससे पूर्व विधिवत रूप से प्रात: 10 बजे से आमसभा प्रारम्भ की गई जिसमें सर्वसम्मति से प्रोटेम स्पीकर का चयन करने का निर्णय पारित किया गया तथा प्रोटेम स्पीकर के रूप में वरिष्ठ सदस्य टीकाराम त्रिवेदी को नियुक्त किया गया। प्रोटेम स्पीकर त्रिवेदी के आग्रह पर 3 सदस्यीय निर्वाचक मण्डल का गठन किया गया। जिसमें अल्पना विमल को मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं शिवली सिंह एवं दर्शना सिंह को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया। निर्वाचन परिणाम जारी होने के उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुमिना ने सहकार भवन में राज्यभर से आए निरीक्षकों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सरकारी निरीक्षकी के कार्यों, समस्याओं मार्गों और हित सम्वर्धन के लिए सदैव तत्पर रहने की बात कही और सभी से एकजुट रहने की अपील की।

217 गरीब बच्चों को स्वेटर बांटे

जयपुर । पेंशनर समाज उप शाखा मालवीय नगर की और से सोमवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय झालाना डूंगर के 110 गरीब और जरूरतमंद बच्चों को सर्दी से राहत के लिए गर्म स्वेटर वितरित किये गए। पेंशनर समाज के अध्यक्ष आरसी कटारा के सानिध्य में आयोजित स्वेटर वितरण कार्यक्रम में आर. बी. गुप्ता, विजय चंद गुप्ता, बाबू लाल गुप्ता, आर. बी. अग्रवाल, युधिष्ठिर शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, जुगल किशोर अग्रवाल, मोहन मित्तल, चेतन कुमार जैन, आर. के. व्यास. आदि कार्य कारिणी सदस्य उपस्थित थे। उप सचिव बाबू लाल गुप्ता ने बताया कि रविवार को भी पेंशनर समाज द्वारा परमार्थ एवं आध्यात्मिक सेवा केंद्र जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में 100 गरीब बच्चों को गर्म स्वेटर बांटे गए।

छात्राओं को सिखाए नेतृत्व के गुर

जयपुर (कासं)। एम. जी. डी. गर्ल्स स्कूल के बहुप्रतीक्षित ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम लीड-आई का सोमवार 2 दिसंबर को ज़ोर-शोर से आगाज़ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ओलंपिक शूटर शगुन चौधरी थीं। उन्होंने अपने संबोधन में छात्राओं को पब्लिक स्पीकिंग एवं कम्युनिकेशन स्किल्स को प्रभावी बनाने के तरीक़े बताए। छात्राओं ने भी उनसे कई प्रश्न पूछे। उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम के भागीदार जे. ई. सी. आर. सी. विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, मेजर जनरल के. वी. एस. लालोत्रा एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम और बोर्ड ऑफ गवर्नस के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। विद्यालय प्राचार्या अर्चना एस. मनकोटिया ने कार्यक्रम एवं इसके उद्देश्यों से सभी अतिथियों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में कई अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विद्यालयों की छात्राएँ भाग ले रही हैं, जिनमें एमीटी प्राइवेट स्कूल शारजाह, द रॉयल अकेडमी भूटान और नैनीताल, राजकोट, मोहाली, पटियाला आदि के कई स्कूल शामिल हैं। शिविर के पहले दिन की शुरुआत योग से हुई। जेईसीआरसी विश्वविद्यालय के द्वारा नेतृत्व कौशल को प्रभावी बनाने के गुर सिखाए गए। छात्राओं को राजस्थान की लोककलाएँ यथा ब्लू पॉटरी, कठपुतली, बंधेज, ब्लॉक प्रिंटिंग आदि भी सिखाई गईं। पहले दिन के दूसरे सत्र का अंत नृत्य एवं संगीत के साथ हुआ जिसमें छात्राओं ने गरबा एवं घूमर नृत्य सीखा।

तेज रफ्तार वाहन ने महिला को कुचला

जयपुर । वीकेआई में रविवार शाम एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। मामले की जांच दुर्घटना थाना पुलिस पश्चिम कर रही है। पुलिस के अनुसार वीकेआई रोड नम्बर 6 पर शाम करीब साढ़े 6 बजे एक तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पार कर रही महिला को टक्कर मार दी। वाहन महिला को कुचलता हुआ आगे निकल गया। इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हिट एण्ड रन मामले में पुलिस वाहन चालक और वाहन की तलाश कर रही है। जांच अधिकारी हैडकांस्टेबल संजय पूनिया ने बताया कि महिला की उम्र करीब 35 साल है। महिला को किसी अज्ञात वाहन ने वीकेआई रोड नम्बर कुचल दिया। महिला की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। शव को कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है।

बोहरा को धमकी देने वाला गिरफ्तार

जयपुर । पूर्व सांसद रामचरण बोहरा को जान से मारने की धमकी देने के मामले में जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। आरोपी ने सांसद को ईमेल कर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार निवर्तमान सांसद रामचरण बोहरा को उनके कार्यकाल में 10 अप्रेल को किसी ने ई मेल कर जान से मारने की धमकी दी थी। इसको लेकर सांसद के निजी सहायक अरुण शर्मा ने मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में पुलिस ने बिहार निवासी 32 वर्षीय अरविंद कुमार कुशवाहा को अरेस्ट किया है। जांच के दौरान संदिग्ध मेल की आईपी आईडी बिहार की होना सामने आया। सम्बधिक लिंक के मोबाइल की लोकेशन व सीडीआर के आधार पर आरोपी को पकड़ने के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। पूछताछ में आरोपी ने अपने मोबाइल से ईमेल भेजना स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि उसने मजाक में ही यह मेल भेजा था। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

दो अंतर्राज्यीय वाहन चोर पकड़े

जयपुर । सीएसटी टीम और शिवदासपुरा पुलिस ने दो अंतरराज्यीय वाहन चोर पकड़े है। उनके पास से दो चोरी के चौपहिया वाहन और एक वारदात में उपयोग किए जाने वाले वाहन को जब्त किया है। आरोपियों ने मानसरोवर और शिवदासपुरा थाना इलाके में वाहन चोरी की कई वारदातें करना कबूल किया है। पुलिस के अनुसार वाहन चोरी के मामले में इमरान खान और सद्दामुद्दीन को पकड़ा है। बदमाश वाहन चोरी के बाद उनके चैचिस नम्बर बदलकर उन्हें सस्ते में बेच देते थे। गिरफ्तार इमरान खान पुत्र निजामुद्दीन खान एवं सद्दामुद्दीन पुत्र सलामुद्दीन मूलत: इलाका थाना सिटी कोतवाली बूंदी के निवासी है, जो वाहन चोरी करने के आदतन अपराधी है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि लग्जरी चौपहिया वाहनों की रैकी करते है, इसके बाद चोरी के वाहनों के चैचिस नम्बर व इंजन नम्बरों को बदलकर बेच देते है। आरोपितों की सक्रिय गैंग है। उक्त आरोपित वर्ष 2023 में वाहन चोरी की वारदात में मुहाना में पकडे गए थे। आरोपितगणों विरुद्ध वाहन चोरी एवं अन्य प्रकरणों के लगभग 2 दर्जन प्रकरण दर्ज है।

ARBiT it happens here...

World Coati Day

Dedicated to the survival and conservation of this fascinating and unique animal, the hope for World Coati Day is not just to raise awareness but also to provide protection for this underappreciated species. Not only is the coatimundi simply a cute little animal, but it is an invaluable asset to its surrounding habitat. In fact, these little creatures act as 'landscapers' and also control pests while fertilizing and promoting new plant growth. The World Coati Day organization is committed to making environmental changes not only to support this one animal, but also to make a positive impact on their habitats.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
03 December 2024
A-B

#NUTRITION

Apple Cider Vinegar's Health Benefits

Apple Cider Vinegar is a powerful liquid that can benefit your health and help you clean your home.

For thousands of years, vinegar has been used for everything from pickling and preservation to medicine. However, in recent years, apple cider vinegar has been given a spotlight. Thanks to the liquid's antimicrobial and antioxidant properties. These features can benefit health and (bonus) help with cleaning around the house. However, in addition to apple cider vinegar's benefits, there are also some risks you should be aware of, along with the proper daily dosage.

What is Apple Cider Vinegar or ACV?

When you combine apples, sugar and yeast and allow it to ferment, it creates apple cider vinegar. Over several weeks, the yeast will digest the sugar to make alcohol. Once this happens, natural bacteria will turn the alcohol into acetic acid, which is where the pungent odor and taste of apple cider vinegar comes from.

You have two options when you buy apple cider vinegar, filtered and pasteurized, or raw and unfiltered. The cloudy sediment that collects in the bottom of the bottle is 'the mother,' which is a combination of bacteria and yeast. Some speculate that the mother is what provides health benefits, as it contains trace amounts of healthy bacteria and probiotics. Apple cider vinegar can be used in the kitchen, around the home and for your health as a,

- Deodorizer
- Preservative
- Dressing or vinaigrette
- Cleaner
- Facial toner
- Marinade
- Fruit and vegetable wash
- Denture cleaner
- Hair rinse
- Dandruff treatment
- Weed killer
- Mouthwash

4 Apple Cider Vinegar health benefits you should know

Although more research is needed, several small and medium-sized studies show the benefits of apple cider vinegar for some health issues and as a potential weight loss aid.

1. May help control blood sugar and diabetes

Studies have shown that apple cider vinegar can improve insulin response and lower blood sugar levels after meals. Consuming apple cider vinegar before going to sleep has also been shown to reduce fasting blood sugar after waking. Make sure to talk with your doctor before consuming ACV if you have diabetes, especially if you're on medication, due to potential side effects.

2. Kills harmful bacteria

Those looking to preserve food naturally may want to consider using apple cider vinegar. It is a known pathogen killer, which includes microbes like staph and candida. Vinegar is a popular preservative since it can prevent E. coli and norovirus from growing in food. E. coli can cause food poisoning when consumed, but the bactericidal effects of the acetic acid in apple cider vinegar can prevent it from occurring.

3. Could lead to weight loss

Another benefit of apple cider vinegar, that may be useful, is its ability to help with weight loss. When taken before or during a meal, ACV has been shown to help with satiety (the feeling of fullness). In one study, participants ate approximately 200 to 275 fewer calories, when apple cider vinegar was combined with a meal. Over three months, participants taking one to two tablespoons of ACV per day, saw up to 3.7 pounds in weight loss and a reduction in body fat.

4. Might improve cholesterol levels

High cholesterol and triglyceride levels can increase your risk of heart disease. Incorporating up to an ounce of apple cider vinegar into your day, along with a lower-calorie diet, may reduce total cholesterol and triglycerides while also increasing HDL 'good' cholesterol. Those with type 2 diabetes may also see positive results on their total cholesterol and triglyceride levels, when adding a half ounce of ACV to their diet.

Did You Not Make Your Trip!

It is believed that Nobel laureate Rudyard Kipling penned part of his famous novel *Kim* in Bundi, and this is what he had to say about the Bundi palace, "Jaipur Palace may be called the 'Versailles of India.' Jodhpur's House of strife, gray towers on red rock, is the work of giants, but the Palace of Bundi, even in broad daylight, is such a palace as men build for themselves in uneasy dreams, the work of goblins rather than of men."

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast
Gunjan Upreti

Do you regret not having made any travel and holiday plans? I agree that it's the pitts to think of it now and all places are booked up by foreigners. But all is not lost. You can see those sights that others don't get their eyes on. There is more for the discerning holidayer. Home to hundreds of years of fascinating traditions, the state of Rajasthan is like a ride on the sands of time. While Jaipur, Udaipur and Jodhpur are often the most sought out places in Rajasthan, but the land of *maharajas* has so much more to offer than just those three cities.

Mehrangarh

First takeaway

The mighty *Mehrangarh*, the shimmering Lake Pichola, and the lustrous Amber Fort are worth all the hype, but if you get off the tourist circuit in Rajasthan, you'll discover quite a few unexpected getaways in India's most flamboyant state.

Do you want to escape the horde? Then, head to one of these lesser-known gems in Rajasthan.

Bundi

Second takeaway

Bundi is a town that you might have a picture of in your head, but often struggle to place in the real world. Dotted with blue houses, lakes, hills, *bazaars* and a temple at every turn, Bundi is straight out of a fairy tale.

It is believed that Nobel laureate Rudyard Kipling penned part of his famous novel *Kim* in Bundi, and this is what he had to say about the Bundi palace,

"Jaipur Palace may be called the 'Versailles of India.' Jodhpur's House of strife, gray towers on red rock, is the work of giants, but the Palace of Bundi, even in broad daylight, is such a palace as men build for themselves in uneasy dreams, the work of goblins rather than of men."

Places to visit in Bundi: Sukh Mahal, Kshar Bag, Dabhai Kund, Raniji Ki Baori, Taragarh Fort, Lake Jait Sagar.

HOW TO REACH BUNDI

By Air: The nearest airport is Sanganer Airport in Jaipur which is about 206 kms away.

By Road: Buses to Bundi are available at regular intervals from Ajmer, Bijolia, Bikaner, Chittorgarh, Jaipur, Jodhpur, Kota, Sawai Madhopur and Udaipur.

By Train: There is a small railway station in Bundi that is located about 4 kilometres south of the old city. To reach Bundi by train, you will have to change trains at Chittorgarh, which is connected to all major cities in India.

#WONDERLUSTING

Dungarpur

Third takeaway

Bounded on the east by the state of Gujarat and situated at the foothills of the Aravalli Hills, *Dungarpur* is as eye-catching as the green marble found here. The exceptional architecture of Dungarpur's palaces and royal residences offers a sight that you'll struggle to find elsewhere. The stone structures are adorned with *jharokhas* and built in a style that emerged during the times of Maharawal Shiv Singh (1730-1785 AD).

Places to visit in Dungarpur: Deo Somnath, Galiakot, Nagfanji, Vijay Raj Rajeshwer Temple, Badal Mahal.

HOW TO REACH DUNGARPPUR

By Air: At 120 kilometres, Udaipur is the nearest airport followed by Ahmedabad at 175 kilometres.

By Road: National Highway No. 8, which runs between Delhi and Mumbai and the State Highway (Sirohi-Ratlam highway) passes through the district.

By Train: The railway station is 3 kilometres from the city. An important train route is Himatnagar-Dungarpur-Udaipur to reach Dungarpur from Gujarat.

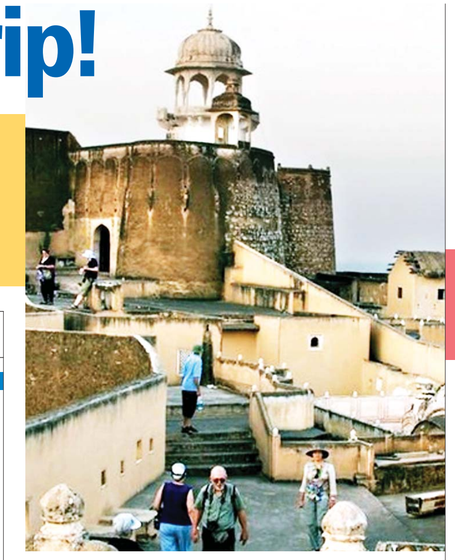

Kuchaman

Fourth takeaway

An important chapter in the book called Rajasthan, *Kuchaman* is 100 kilometres from Pushkar. The historical city of Kuchaman houses an impressive looking fort which is currently a heritage hotel. The scenic surrounding of the fort is alluring and the sky is radiant blue, unlike in the cities where pollution has taken its toll and a clear sky is often like a mirage. The fort also has a rich collection of original inlay work in semi-precious stones, glass, and gold paint. Even the Sheesh Mahal at Kuchaman fort is a sight to marvel at. Meera Mahal is another beautiful palace in Kuchaman city, representing the life of the poet saint *Meerabai*. The folklore is displayed on the palace walls with exquisite paintings and murals that illustrate her life.

HOW TO REACH KUCHAMAN

By Air: The Jaipur airport is the closest airport to reach Kuchaman city. Flights to/ from all major cities of the country fly from Jaipur. Located at a distance of 145 kms only, travellers from Jaipur can easily hire taxi to Kuchaman.

By Road: A well-connected network of roads makes Kuchaman accessible from various places in Rajasthan such as Bikaner (115 kms), Jaipur (145 kms), Jodhpur (250 kms), Ajmer (90 kms) and Delhi (440 kms). Also, daily buses are available from these cities to Kuchaman.

By Train: Kuchaman city has a railway station. There are about 6 direct trains from Jaipur to Kuchaman.

rajeshsharma1049@gmail.com

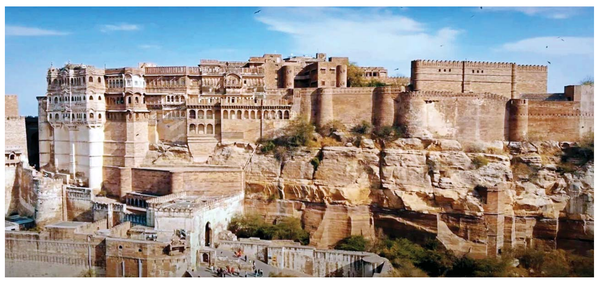

Nagaur

Fifth takeaway

The state of Rajasthan is no secret, but it is full of quiet corners and unsung attractions, if you know where to look. *Nagaur* is one such corner. Home to India's largest salt lake, Sambhar Lake, the city of Nagaur also finds a mention in the epic *Mahabharata*. The city was known as 'Jangladesh' in that era, and till date, retains a lot of its rich cultural heritage, values and traditions. The *dargah* of famous Sufi saint, Hamiduddin Chisti Faruqui Nagauri, one of the chief disciples of Khwaja Moinuddin, is also located here. Places to visit in Nagaur are Nagaur Fort, Ladnun, Jhorda, Khatu.

HOW TO REACH NAGAUR

By Air: The closest airport is Jodhpur Airport which is 137 kms away.

By Road: Buses are available from Jodhpur, Jaipur and Bikaner to Nagaur.

By Train: Nagaur is connected via rail from Indore, Mumbai, Coimbatore, Surat, Bikaner, Jodhpur, Jaipur. Happy holidaying to all, who'll be knowing more than the average man, about Rajasthan. Every reason to say that this is a land studded with gems underneath the sand.

Jhalawar

Sixth takeaway

The quaint town of *Jhalawar* is relatively a greenhorn when it comes to the travel circuit and unlike other cities of Rajasthan, Jhalawar has a rocky but water-laden grassy landscape. Named after its founder, Jhala Zalim Singh, Jhalawar has a diverse cultural heritage that includes many forts and palaces from the Rajput and Mughal periods.

Places to visit in Jhalawar: Buddhist Caves and Stupas in Kolvi village, Jhalawar Fort, Bhawani Natyashala, Gagron Fort, Chandrabhaga Temple, Sun Temple, Shantinath Jain Temple.

HOW TO REACH JHALAWAR

By Air: The closest airport is Indore, which is 240 kilometres away, followed by Jaipur Airport, which is 345 kms away.

By Road: Jhalawar lies on National Highway No. 12 and is connected by bus to many cities in Rajasthan.

By Train: Nearest major railhead is Kota Junction (85 kms). Jhalawar also has a newly constructed railway station named Jhalawar City. You can reach the station from Kota Junction station in about 2 hrs by Jhalawar-Kota Passenger train.

Barmer

Seventh takeaway

Known for its ultra rich crafts that include wood carving, pottery, embroidery work and *ajrak* prints, the town of *Barmer* in western Rajasthan is located 153 kms from Jaisalmer. Formerly know as Mallani, the present name of Barmer was given by its founder, Bahada Rao, popularly known as Bar Rao, who was a Parmar ruler. Barmer captures the imagination of everyone who visits it, and has successfully stood the test of time and circumstances. Places to visit in Barmer are Kiradu Temple, Barmer Fort and Garh Temple, Shri Nakoda Jain Temple, Chintamani Parasnath Jain Temple, Juna Fort and Temple.

HOW TO REACH BARMER

By Air: The nearest airport is at Jodhpur, around 220 kms from Barmer.

By Road: State-run buses connect the town with most of the cities in the state including Jodhpur, Jaipur, Udaipur.

By Train: The Barmer railway station is well-connected to Jodhpur, which in turn is well-connected to other major cities of India.

#ART EXHIBITION

Timeless Tales Reimagined at 'Bhor'

Blending Indian mythology with modern societal themes, Shuvankar Biswas's solo art exhibition 'Bhor' showcased striking paintings and installations. Through vivid depictions of deities like Kali, Durga, and Narasimha, his art confronts societal evils while exploring timeless tales with a contemporary lens.

Tusharika Singh
Freelancer Writer and City Blogger

Jaipur recently witnessed 'Bhor,' a captivating solo exhibition of paintings and installations by acclaimed artist, Shuvankar Biswas. Held at Alankar Art Gallery, Jawahar Kala Kendra, the exhibition showcased a deeply evocative exploration of Indian mythology reimagined for contemporary times.

Shuvankar Biswas, an artist of immense repute from West Bengal and an Assistant Professor at Indian Institute of Crafts and Design (IICD), Jaipur, has long been celebrated for his mastery in oil painting, particularly through the *Alla Prima* technique. Trained at the prestigious Government College of Art and Craft, his work blends classical styles with themes of resistance, power, and societal commentary. Inspired by the cultural ethos of Bengal and the worship of the goddess *Shakti*, Shuvankar's works transcend traditional storytelling, addressing present-day realities with a mythological lens.

The centerpiece of Bhor was its striking collection of paintings, each telling a story of defiance, transformation, and cosmic balance. One of the standout pieces featured a feminine anthropomorphic figure leading a sacrificial goat, bound with rope and adorned with a garland of hibiscus. Set under a tumultuous sky ablaze with red and darkened clouds, the backdrop wove mythological narratives into the tension of the moment, evoking themes of ritual, power, and sacrifice.

Another remarkable piece reimagined *Narasimha*, the half-lion, half-man incarnation of Vishnu, with hair coiling like snakes and a fiery halo encircling his form. The figure radiated ferocity and divine energy, pulsating with extraordinary power, that blended imagination and mythology into a breathtaking visual force. *Kali*, the fierce goddess of destruction, dominated another canvas. Her fiery tongue flamed outward in a circular motion, piercing through the mystic darkness with her luminous white eyes. The surrounding tones of black and blue heightened the sense of cosmic mystery, emphasizing her otherworldly power and commanding presence.

In a dynamic portrayal of the eternal battle between good and evil, Shuvankar painted *Durga* riding a buffalo against a dramatic red backdrop. The buffalo's intense gaze reflected the defiance of Mahishasura, the demon-king, while the dark grey sky amplified the scene's tension. The interplay of light and shadow brought Durga's victory and the cosmic balance that she represents to life.

Reflecting on his creative process, Shuvankar shared, "The inequities in society, coupled with my fears and self-imposed limits, shook my inner being so deeply that I sought liberation for myself and the world through my art. Indian mythology inspires me. The intense anger of deities, like Shiva and Kali against societal evils, is central to my creations. Through the medium of oil, I represent these themes, intertwining mythology with present-day reality."

Bhor was not just a showcase of artistic mastery but an invitation to reflect on contemporary issues through the lens of mythology. Shuvankar's works brought to life themes of power, justice, and resistance, blending traditional symbolism with modern relevance. His ability to depict mythological deities like Shiva, Kali, and Durga with such visceral intensity left viewers awestruck and contemplative.

The exhibition offered art enthusiasts and cultural connoisseurs a profound experience, bridging the ancient and the modern. Shuvankar Biswas once again demonstrated the power of art to question, provoke, and inspire.

The exhibition was organized with the support of The Indian Institute of Crafts & Design (IICD), Jaipur, in collaboration with the Delphic Council of Rajasthan.

THE WALL

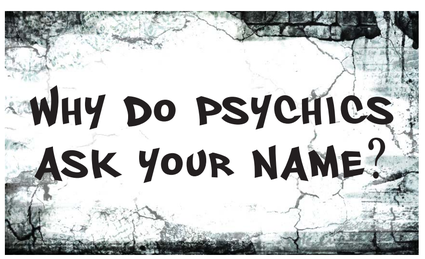

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

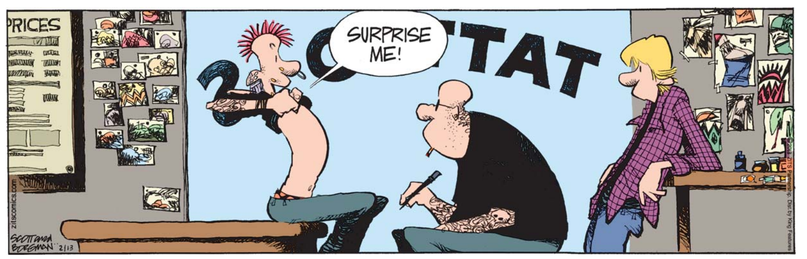

निर्माणाधीन स्कूल भवन से 16 लाख के बिजली वायर चुराने का खुलासा

पुलिस ने चार आरोपियों व एक खरीददार को गिरफ्तार किया, एक पिकअप जप्त की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की भीमगंज थाना पुलिस ने तेजसिंह सर्किल के पास एक निर्माणाधीन स्कूल भवन से 16 लाख रुपये के बिजली वायर चुराने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने चार आरोपियों व एक खरीददार को गिरफ्तार कर वारदात में काम ली गई पिकअप जप्त की है।

भीमगंज पुलिस के अनुसार, तेजसिंह सर्किल के पास स्थित सेंट्रल अकेडमी स्कूल के निर्माणाधीन भवन से 19 नवंबर की रात चोर लाखों रुपये के बिजली फिटिंग के वायर चुरा ले गये थे। इस संबंध में भीमगंज थाने में धीरज ठाकुर ने चोरी का प्रकरण दर्ज कराया था। पुलिस चोरों की तलाश में थी, इस बीच, रविवार को डीएसटी टीम ने पॉलोटैक्निक कॉलेज के पास संदिग्ध हालत में मिले चार लोगों से पूछताछ की तो उन्होंने निर्माणाधीन स्कूल भवन से तार चोरी करना कबूल कर लिया। इस दौरान एक आरोपी मौके से भाग छूटा, जबकि चोरी के कुछ वायर के साथ डीएसटी ने चारों आरोपियों को दबोचकर मामले की जांच कर रहे एएसआई शंभुलाल के हवाले कर दिया।

पुलिस ने निर्माणाधीन स्कूल भवन से 16 लाख के बिजली वायर चुराने के मामले का खुलासा किया।

जांच अधिकारी ने इन चार आरोपियों नारायण पुत्र शंकर कालबेलिया निवासी आमां, नारायण पुत्र लालू कालबेलिया दांथल हाल बड़ला चौराहा, कैलाश पुत्र मोहन कालबेलिया निवासी बड़ला चौराहा व शंभु पुत्र भंवर बागरिया निवासी जूनावास को गिरफ्तार कर लिया। मौके से भागे आरोपी का नाम धर्मा कालबेलिया बताया गया है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो इन लोगों ने वारदात के तुरंत बाद चोरी किये वायर में से कुछ वायर भीमराज को बेचना कबूल किया। इसके चलते पुलिस ने दादाबाड़ी निवासी भीमराज पुत्र नाथूलाल खटीक को भी चोरी का माल खरीदने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सभी आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है।

- कार्रवाई के दौरान एक आरोपी भाग छूटा, चोरी के कुछ वायर के साथ डीएसटी ने चारों को दबोचा

पाक से आए ड्रोन ने गिराई थी दो पिस्टल और सात कारतूस

30 नवम्बर की रात श्रीकरणपुर इलाके में गश्त के दौरान एक सील्ड पैकेट मिला था

श्रीगंगागनर, (निसं)। राजस्थान के रास्ते पाकिस्तान से भारत में हथियारों की तस्करी हो रही है। 30 नवम्बर की रात श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर इलाके में गश्त के दौरान एक सील्ड पैकेट मिला था। यह पैकेट गांव 11 एफए की रोही में लावारिस पाया गया। वजन करवाकर इसमें 2 किलो 100 ग्राम हेरोइन होने का अंदेशा जताया गया।

बीएसएफ अधिकारियों की मौजूदगी में अब पैकेट को खोला गया तो उसमें हेरोइन नहीं बल्कि हथियार थे। पैकेट में दो पिस्टल और 7 कारतूस निकले। बीएसएफ ने इस संबंध में श्रीकरणपुर थाने में हथियार तस्करी के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है। डिप्टी कमांडेंट गोपालकृष्ण की ओर से मामला दर्ज करवाया गया है।

- पैकेट का वजन करवाकर इसमें 2 किलो 100 ग्राम हेरोइन होने का अंदेशा जताया था

श्रीकरणपुर पुलिस के अनुसार बीएसएफ की रिपोर्ट में बताया कि पैकेट में दो पिसटल और कारतूस अज्ञात व्यक्ति ने भारतीय सीमा में मंगवाए। पिस्टल में फायरिंग पिन, ट्रिगर, हैमर और नाल लगे हैं और ये चालू हालत में हैं। मैगजीन और इसकी स्प्रिंग सही थे। बीएसएफ का मानना है कि दोनों पिस्टल और कारतूस अज्ञात ने ड्रोन के जरिए भारतीय सीमा में मंगवाए थे। बीएसएफ ने तीस नवंबर को जब बॉर्डर एरिया में पैकेट बरामद किया तो इसका वजन करवाकर इसमें दो किलो एक सौ ग्राम हेरोइन होने की बात कही थी। बाद में पैकेट चैक किया तो इसमें पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। इस पर श्रीकरणपुर थाने में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस को पूरे मामले में किसी लोकल कांटेक्ट के शामिल होने की संभावना है। यह कनेक्शन श्रीकरणपुर इलाके का हो सकता है अथवा इसके पंजाब कनेक्शन की भी आशंका है। पुलिस और बीएसएफ इस लोकल कनेक्शन को तलाशने का प्रयास कर रही है। इलाके में ड्रोन के जरिए हथियारों की तस्करी का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 2012 से अब तक पांच बार ड्रोन से हथियार श्रीगंगानगर इलाके में आ चुके हैं।

आबकारी विभाग में साढ़े आठ करोड़ का फ्रॉड

एलडीसी सहित चार गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। चूरू आबकारी विभाग में साढ़े आठ करोड़ के फ्रॉड मामले में चूरू की साइबर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विभाग के एक एलडीसी सहित चार जनों को गिरफ्तार किया है। यहां आबकारी विभाग के सॉफ्टवेयर के एडजस्टमेंट हेड में छेड़छाड़ कर सरकार को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा था।

चूरू साइबर थानाधिकारी सुभाष कुमार ने बताया कि अक्टूबर 2024 को आबकारी निरीक्षक विद्याधर ने साहवा थाने में मामला दर्ज करवाया था। मामला ऑनलाइन फ्रॉड का होने की वजह से इसकी जांच चूरू के साइबर थाना को दी गई। साइबर थाना ने आबकारी कार्यालय से रिकॉर्ड लिए और डिजिटल एविडेंस कलेक्ट किया। करीब चार करोड़ आईपी ऐड्रेस खंगाले गए। इसके बाद साइबर थाना पुलिस ने आबकारी विभाग के एलडीसी राजगढ़ के गांव खेमाना निवासी अजय कुमार को गिरफ्तार किया। अजय कुमार साल 2016 से जिले के राजगढ़ सर्किल में कार्यरत है।

इनके द्वारा आबकारी सॉफ्टवेयर में छेड़छाड़ कर जिले की 29 दुकानों के जरिए यह फ्रॉड किया गया। इस फ्रॉड में अभी अन्य लोगों के गिरफ्तार होने की संभावना है। वहीं पुलिस ने इस मामले में करीब साढ़े चार करोड़ भी रिकवर करवाए हैं। फिलहाल साइबर थाना पुलिस ने आबकारी एलडीसी अजय कुमार, सिधमुख के बिरमी गांव निवासी राजकुमार, हमीरवास के विकास यादव और रतनगढ़ के नोसरिया गांव निवासी नरेंद्र को गिरफ्तार किया है।

- सॉफ्टवेयर के एडजस्टमेंट हेड में छेड़छाड़ कर सरकार को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा था
- साइबर थाना ने आबकारी कार्यालय से रिकॉर्ड लिए और डिजिटल एविडेंस कलेक्ट किया

मंदबुद्धि युवती से दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

कोटा, (निसं)। मंदबुद्धि युवती से दुष्कर्म के दो साल पुराने मामले में पॉस्को क्रम-3 न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पॉस्को क्रम-3 के न्यायाधीश ने एक मंदबुद्धि युवती से दुष्कर्म के मामले में पकड़े गए आरोपी शाहिद मोहम्मद को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 35 हजार के जुर्माने से दंडित किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक ललित कुमार शर्मा ने बताया कि 25 अक्टूबर 2022 को पीड़िता की मां ने शहर के एक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि उसकी एक 30 वर्षीय बेटी है जो मंदबुद्धि है जो बोलती नहीं है और उसके साथ घर में रहती है। रिपोर्ट में कहा कि उसके घर के सामने एक लकड़ी की टाल है जिस पर शाहिद मोहम्मद (50) काम करता है। रिपोर्ट में बताया कि घटना वाले दिन वह घर के ऊपर कमरे में सोने चली गई और बेटी नीचे सो रही थी। शाहिद मोहम्मद घर में घुसा। बेटी की आवाज सुनकर नीचे आई तो शाहिद मोहम्मद उसे धक्का देकर भाग गया। बेटी ने अपने ऊपर हुई आपबीती को इशारे में बताया। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर 23 नवंबर 2022 को आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया था। पॉस्को क्रम-3 कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए युवती से दुष्कर्म के मामले में आरोपी शाहिद मोहम्मद को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई मामले में 15 गवाह और 23 दस्तावेज पेश हुए।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती गोरा होटल के पास में ट्रक चालक की लापरवाही से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक का चालक फरार हो गया। कुड़ी थाना पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र की जनता कॉलोनी निवासी महेंद्र सिंह की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई होटल के पास राधे प्रोपर्टी के सामने से निकल रहा था। तब एक ट्रक चालक तेजी से गाड़ी को लेकर आया और उसके भाई को चपेट में ले लिया।

जेवर और नगदी चुराई

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में एक फार्म हाउस और घर में चोरी हो गई। चोर यहां से इलेक्ट्रानिक सामान के साथ जेवर और नगदी चुरा ले गए। संबंधित थाना पुलिस ने मामले दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि मकराना मोहल्ला निवासी प्रियंका पत्नी रमित मेहता की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह एमबीएम यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। उनका एक कृषि फार्म हाउस मोकलावास में आया है, जहां पर चोरों ने सैंध लगाकर एयर कंडिशनर, बिजली के डिब्बे, इंवर्टर बैटरियां आदि चोरी कर ले गए। उन्हें घटना का पता 29 अक्टूबर को चला। दूसरी तरफ बनाड़ पुलिस के अनुसार गुजरावास बनाड़ के रहने वाले गुमनाराम पुत्र देदाराम के घर में 30 नवंबर की रात को चोरों ने सैंध लगाकर 40 हजार रूपए, सोने की दो अंगूठियां और चांदी की जोड़ी चोरी कर ले गए।

होटल में 18 लाख का गबन, मैनेजर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के नया हाइकोर्ट परिसर के पास स्थित होटल के फाइनेंस मैनेजर पर होटल के खाते से 18 लाख रुपए चोरी व हेराफेरी करने का आरोप लगा है। होटल प्रबंधन ने कुड़ी भगतासनी थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए होटल मैनेजर को गिरफ्तार कर पूछताछ आरंभ की है। उससे रूपयों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

हाल ही में जॉइन करने के बाद फाइनेंस डायरेक्टर ने लेनदेन के शक के आधार पर खाते की जांच करवाई, जिसमें रुपए दूसरे खातों में ट्रांसफर करने की बात सामने आई। कुड़ी पुलिस ने बताया कि फलोदी के देचू स्थित सेतराणा हाल झालामंड चौराहा स्थित होटल के रघुवीर सिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि सुजानगढ़ के गोपालपुरा निवासी बलवीर सारण 19 अगस्त 2022 से फाइनेंस विभाग में काम कर रहे हैं। कुछ दिन पहले नए फाइनेंस डायरेक्टर को एक बैंक के लेनदेन पर शक हुआ।

- होटल प्रबंधन ने थाने में मामला दर्ज करवाया

अनुसंधान किया तो पता चला कि करीब 18 लाख से ज्यादा रुपए चोरी हुए हैं। यह आंकड़ा और ज्यादा हो सकता है। जब उससे पूछा तो उसने होटल प्रबंधन के रुपए अपने जानकारों के बैंक खातों में ट्रांसफर करने की बात कबूली। कुड़ी पुलिस के अनुसार आरोपी बलवीर सारण को अब गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे रूपयों की बरामदगी के प्रयास जारी है।

पिस्टल चोरी करने वाली गैंग से कार बरामद

अजमेर, (कासं)। पुष्कर मेले के दौरान गैंगमेन की चोरी की गई पिस्टल के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से रिमांड अवधि के दौरान वारदात में फरार होने के लिए काम में ली गई कार बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर कार को अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपियों से गहनता से पूछताछ जारी है। पुलिस अधीक्षक अजमेर वंदिता राणा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीपक कुमार व वृताधिकारी वृत (ग्रामीण) रामचन्द्र चौधरी के सुपरवीजन में टीम का गठन किया गया था। पुलिस ने गिरफ्तारशुदा आरोपी सन्नी शर्मा उर्फ रामलाल, ऋषि चौधरी उर्फ राहुल निवासी जिला हरिद्वार उतराखण्ड व कोटा निवासी रणजीत उर्फ सोनू से रिमांड अवधि के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं।

शादी से पहले युवती का अश्लील वीडियो ससुराल वालों को भेजा

ससुराल वालों ने ऐन मौके पर शादी से इनकार किया

चूरू, (कासं)। शादी से पहले बिजनेसमैन की बेटी का अश्लील वीडियो सामने आने पर ससुराल वालों ने ऐन मौके पर शादी से इनकार कर दिया। दूल्हे के पिता ने आरोप लगाया कि दुल्हन का किसी और के साथ संबंध है। उन्हें सबूत के तौर पर दुल्हन का एक अश्लील वीडियो मिला है। परिजनों ने युवती से पूछताछ की तो रेप का मामला सामने आया। युवती के दादा की रिपोर्ट पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर सूरत गुजरात भेजी है। मामला 10 नवंबर को चूरू के कोतवाली थाना इलाके में हुआ लेकिन अब सामने आया है।

डीएसपी सुनील कुमार ने बताया कि पीड़ित युवती के दादा ने बताया कि उनका बेटा-बहू और उसके बच्चे गुजरात के सूरत में कपड़े का व्यापार करते हैं। पिछले दिनों उसकी 23 साल की पोती की सगाई सीकर जिले में की गई थी। उसके निकाह की सभी तैयारियां पूरी हो गई थी। उन्होंने बताया कि 10 नवंबर को घर पर बारात का इंतजार हो रहा था। बारात आते ही निकाह किया जाना था, लेकिन बारात नहीं आई। इस पर उन्होंने दूल्हे के पिता को फोन कर इस बारे में पूछा। इस पर उन्होंने कहा कि बारात नहीं आएगी। कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि आपकी पोती का एक अश्लील वीडियो उनको भेजा गया है। दूल्हा पक्ष ने आरोप लगाया कि दुल्हन के ओर किसी के साथ संबंध हैं। दादा ने बताया कि दूल्हे के पिता के आरोप लगाने पर उन्होंने अपनी पोती से पूछताछ की। इस पर उसने अपनी आपबीती बताई।

- सूरत में कॉलेज के दौरान युवक पर रेप करने का आरोप, जीरो एफआईआर दर्ज कर सूरत भेजी

पीड़िता ने बताया कि सूरत में जब वह कॉलेज में पढ़ती थी, तब जीशान (25) निवासी सूरत गुजरात उसका पीछा करता था। उसने जबरदस्ती उसके साथ जान पहचान बनाई और उसके कुछ फोटो ले लिए। बाद में उस युवक ने उसकी फोटो को गलत तरीके से मोडिफाई किया और उनको सोशल मीडिया पर शेयर करने की धमकी देकर रेप किया। पीड़ित युवती ने बताया कि उसने रेप के समय भी फोटो ली और बाद में धमकी देकर ब्लैकमेल करता रहा। आरोपी उससे शादी करने का दबाव बनाता था। अब आरोपी युवक ने उसका एक अश्लील वीडियो उसके ससुराल वालों को भेज दिया। वीडियो देखने के बाद दूल्हे के परिवार वालों ने शादी से इनकार कर दिया।

मामले में सूरत की लिंबायत पुलिस का कहना है कि उनको चूरू के कोतवाली पुलिस स्टेशन से जीरो एफआईआर मिली है। इसके आधार पर आरोपी और उसके घरवालों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

नहर में दो युवकों के शव मिले

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में नहर में दो युवकों के शव मिले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम के गोताखोरों को बुलाकर शवों को बाहर निकलवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों मृतकों की पहचान एमपी मुरेना निवासी मनोज (45) व भिंड निवासी सत्येन्द्र (31) के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि रेलवे कॉलोनी के भदाना चौराहे के समीप नहर में दो शवों के पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर मौके पर पहुंचे और शवों को बाहर निकलवाया गया। घटनास्थल के पास शराब के दो पव्वे पड़े मिले। संभव है मृतक नहर के किनारे शराब पी रहे होंगे, जिससे दोनों नहर में गिर गये। मृतक रेलवे में केटरिंग का काम करते थे।

रिटायर्ड अधिकारी से ठगी करने वाला कॉलेज छात्र गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में साइबर पुलिस ने रिटायर्ड अधिकारी से सेक्सटॉर्षन कर 64 हजार रूपये की ठगी करने के आरोप में अलवर से कॉलेज छात्र आरोपी अरूण को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि 1930 नेशनल सायबर क्राइम पोर्टल पर 14 जून को भरतपुर शहर निवासी एक रिटायर्ड अधिकारी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 13 जून को अज्ञात साइबर ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर यू-ट्यूब पर उसका पोर्न वीडियो अपलोड करने के नाम पर सेक्सटॉर्षन कर 64 हजार 987 रूपये हड़प लिए हैं। बाद में उसने एक जुलाई को प्रकरण दर्ज कराया।

जिला पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सायबर ठगों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल के पर्यवेक्षण एवं उप पुलिस अधीक्षक अनिल जसौरिया के निर्देशन में अनुसंधान अधिकारी जितेन्द्र गंगवानी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने गहन पड़ताल कर सोमवार को रायबका, अलवर निवासी अरूण कुम्हार (21) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अरूण ने अपने साथियों के साथ मिलकर भरतपुर शहर निवासी एक रिटायर्ड अधिकारी को मोबाइल पर सेक्सटॉर्षन में फंसाकर एक दिन में ही तीन अलग-अलग बार ट्रांजेक्शन कराकर 64 हजार रूपये हड़प लिए। सायबर ठगों ने फिर उसी दिन ही एटीएम से ठगी की राशि निकाल ली थी। सभी आरोपी रायबका, अलवर के रहने वाले हैं। अनुसंधान में सामने आया कि ठगी के लिए बैंक खाते कटनी मध्यप्रदेश और ठाणे महाराष्ट्र के लोगों के नाम पर हैं जो ऑनलाइन जॉब के नाम पर जरूरतमंदों को गुमराह कर उनके खाते खुलवाकर उसमें साइबर ठगी की राशि डलवायी गई। अभियुक्त से पूछताछ में जानकारी मिली कि वह पिछले साल बहरोड पुलिस थाने में भी सायबर ठगी के मामले में गिरफ्तार हुआ था।

- आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर मोबाइल पर सेक्सटॉर्शन में फंसाकर रुपये हड़पे

पाक बॉर्डर पर 40 ''ड्रग ड्रॉपिंग जोन'' चिन्हित

ड्रोन से नशा गिरा रहे तस्कर, बीएसएफ तोड़ेगी नेटवर्क

बीकानेर, (निसं)। पाक सीमा पर बीएसएफ ने करीब 40 ड्रापिंग जोन चिन्हित किए हैं। इनमें से करीब 15 ऐसे हैं, जहां पाक तस्कर आए दिन ड्रोन से हेरोइन गिरा रहे हैं। इनके अलावा 25 ऐसे जोन हैं, जहां पर हेरोइन ड्रॉपिंग की संभावना है। इन सभी जोन पर सर्विलांस सिस्टम को मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए बीएसएफ ने सीमावर्ती गांवों की सुरक्षा समितियों को एक्टिव किया है। इंटेलीजेंस पेट्रोलिंग बढ़ा दी है। बॉर्डर थाना क्षेत्र की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर जमानत पर आए तस्करों और आदतन अपराधियों पर नजर रखी जा रही है।

बीएसएफ के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर बीकानेर सेक्टर डीआईजी अजय लूथरा ने बातचीत में बताया कि पड़ौसी मुल्क प्रॉक्सी वार पर उतर आया है। नशे के जरिए भारत के युवाओं को बर्बाद कर रहा है। इसे रोकने के लिए पिछले दिनों राज्य सरकार के उच्च अधिकारियों, जिला प्रशासन और पुलिस साथ मीटिंग में गहन मंथन किया गया था। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक वाले सर्विलांस सिस्टम के उपयोग की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस साल बार्डर पर 9.7 किग्रा हेरोइन और दो ड्रोन जब्त किए गए हैं। बॉर्डर एरिया में बड़े पैमाने पर जिप्सम का अवैध खनन होता है। दो नंबर में खोदा गया जिप्सम रॉयल्टी के जरिए एक नंबर में बदल दिया जाता है।

डीआईजी ने बताया कि दो किलोमीटर एरिया में लीज की जमीन पर खनन करने के लिए कमांडेंट की अनुमति जरूरी कर दी गई है। जबकि तारबंदी से एक किमी में खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। पिछले दिनों एक मामला पकड़ा गया था। उससे दस्तावेज मांगे गए हैं। बीएसएफ के जवानों और उनके परिवार को भी साइबर सुरक्षा की ट्रेनिंग दी जा रही है। डीआईजी लूथरा ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट, मोबाइल पर अनजान कॉल, वीडियो, हनी ट्रैप, सोशल मीडिया पर फेक मैसेज से ठगी के विभिन्न तरीकों से निपटना चुनौती बना हुआ है। जवानों को इसके लिए विशेष तौर पर ट्रेनिंग दी जा रही है। वे अपने परिवार को भी सिखा रहे हैं। ताकि फ्रॉड से बच सके।

डीआईजी ने बताया कि बॉर्डर एरिया में खासकर सांचू का सड़क मार्ग उबड़-खाबड़ है। उसे सुधारने के दिशा में काम शुरू हो गया है। पिछले दिनों सीपीडब्ल्यूडी ने सर्वे भी किया था। कुछ हिस्से के लिए राज्य सरकार को लिखा गया है। राज्यपाल सांचू आए थे तो उन्होंने भी इस पॉइंट को नोटिस में लिया था। उम्मीद है जल्दी ही काम शुरू होगा। गौरतलब है कि सांचू को बॉर्डर टूरिज्म के लिए डेवलप किया गया था, लेकिन सड़क मार्ग खराब होने के कारण पर्यटक बहुत ही कम पहुंच पा रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रोकने की मांग

बिजयनगर, (निसं)। स्व. श्री रामचन्द्र भंवरलाल जांगिड़ चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में सोमवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़ को बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और इस्कॉन पुजारी चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी के खिलाफ ज्ञापन दिया।

चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जांगिड़ के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि बांग्लादेश में हिंदू अल्प संख्यकों पर बढ़ती हिंसा, भेदभाव और उत्पीड़न को रोके जाने की मांग की है। बाग्लादेश मे हिंदुओं, उनके धार्मिक स्थलों, उनकी संपत्तियों और उनकी गरिमा के खिलाफ सुनियोजित ढंग से हमले किये जा रहे हैं।

हिंसा और मंदगाव के ये कृत्य न केवल बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, बल्कि शाति, सह-अस्तित्व और धार्मिक स्वतत्रता के सिद्धातों को भी कमजोर करते हैं। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जांगिड़, जीवराज जांगिड़, बद्रीलाल जांगिड़, सिंटू जांगिड़, जमना लाल जांगिड़, दुर्गेश जांगिड़, सुरेश जांगिड़, अशोक शर्मा, रामदेव सावर लाल लोहार उपस्थित रहे।

जमीन के विवाद को लेकर जानलेवा हमला करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

इलाज के दौरान एक जने की ट्रोमा हॉस्पिटल जयपुर में मौत हो गई थी

सांभरझील, (निसं)। ग्राम महलां (दूदू) में जमीन के कब्जे के मामले को लेकर जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस थाना मोजमाबाद ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है।

आनन्द शर्मा जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण दूदू ने बताया है कि 25 नवंबर को परिवादी पूरणमल पुत्र घासीराम रैगर निवासी महलां थाना मौजमाबाद जिला दूदू ने उपस्थित थाना होकर रिपोर्ट पेश की, कि ग्राम महलां में हमारे तीनों भाइयों की खातेदारी भूमि है, जिस पर वर्तमान में फसल बोई हुई है। 24 नवम्बर को हमारे खेत के पड़ौसी व उनके साथ 20-25 अन्य लोग सहित हथियारों से भरी गाड़ी के साथ हमारी खातेदारी जमीन पर दो जे.सी.बी., एक ट्रैक्टर लोडर व एक एल्टो गाड़ी से अवैध कब्जा कर फसल को नष्ट कर रहे थे और पुरानी जमीन की मेड़ व तारबंदी को तोड़कर खेत के अन्दर घुसकर हमारी पूरी फसल को नष्ट कर जमीन पर कब्जा कर लिया। इस पर हमारे घर के दो लड़के व कुछ औरतें हमारी जमीन पर पहुंची तो उनके साथ मारपीट की व औरतों के साथ अभद्र व्यवहार किया। हम तीनों भाई राधामोहन, तुलसीराम व पूरणमल खेत पर गये तो इन्होंने कुल्हाड़ियों व सरियों से जानलेवा हमला किया। हमले में राधामोहन पुत्र घासीराम रैगर निवासी महलां थाना मौजमाबाद की एसएमएस ट्रोमा अस्पताल जयपुर में 27 नवंबर को मौत हो गई।

जानलेवा हमला करने के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रकरण में शिवलाल बैरवा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू व दीपक खण्डेलवाल, वृताधिकारी दूदू के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मौजमाबाद संजय प्रसाद के नेतृत्व में त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में वांछित अभियुक्तों में से तीन को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में नामजद आरोपियों से अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार किए गए तीन आरोपी राजकुमार जाजोरिया पुत्र नानगराम रैगर निवासी महलां थाना मौजमाबाद, महेन्द्र जाजोरिया पुत्र लालाराम रैगर निवासी महलां थाना मौजमाबाद व बाबूलाल जाजोरिया पुत्र लालाराम निवासी महलां थाना मौजमाबाद जिला दूदू के रहने वाले हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी में दयाचन्द, शिवराम, कमल चौधरी, सुरेश कुमार, श्रवणलाल, रामसुख, भंवरलाल, मुकेश कुमार डागर पुलिस कर्मियों की भूमिका काफी सक्रिय रही।

पावटा उपजिला अस्पताल को लाड़ाकाबास स्थानांतरित करने के विरोध में सौंपा ज्ञापन

धरना प्रदर्शन शुरू करते हुए मुख्यमंत्री के नाम पावटा उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय को एक ज्ञापन सौपा।

■ आमजन द्वारा पावटा उपखंड कार्यालय मे अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन

पावटा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पावटा को विगत दिनों विधानसभा में प्रस्तुत किये गये राज्य बजट2024-25में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पावटा को उपजिला अस्पताल में क्रमोन्नत करने के बाद अन्यत्र कही स्थानांनतरित ना कर यथावत पावटा मे रखने को लेकर सोमवार को पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व मे जनप्रतिनिधियों व आमजन ने उपखंड कार्यालय पावटा के सामने अनिश्चितकालीन अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू करते हुए मुख्यमंत्री के नाम पावटा उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय को एक ज्ञापन सौपा। ज्ञापन सौपते हुए पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला, सुरेश शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों व आमजन ने रोष प्रकट करते हुए बताया कि उपखंड स्तर पर ग्राम पावटा तहसील पावटा मे स्थित सीएचसी को उपजिला अस्पताल का दर्जा मिलने के बाद उक्त उपजिला अस्पताल को पावटा सीएचसी से लाड़ाकाबास स्थानांनतरित किया जा रहा है।

उपजिला अस्पताल पावटा को लाड़ाकाबास स्थानांनतरित करने से मरीजो के समय व धन का अधिक व्यय होगा। क्योंकि लाड़ाकाबास में जिस जगह उपजिला अस्पताल पावटा को ले जाया जा रहा है वहां पर साधनों का आवागमन नहीं है। जिसके कारण गंभीर स्थिति में मरीजों को वहां ले जाया गया तो वह रास्ते में ही अकाल मृत्यु का शिकार हो जाएंगे।

उक्त उपजिला अस्पताल उपखंड स्तरमुख्यालय पावटा सीएससी पर होना अतिआवश्यक है। क्योंकि उपखंड क्षेत्र व आसपास के इलाकों से लोग अत्यधिक मात्रा में इलाज के लिए लोग पावटा सीएससी ही आते हैं। पावटा उप जिला अस्पताल को लाड़ाकाबास स्थानांनतरित करना न्यायोचित व कानूनी सही नही है। पता मुख्य बस स्टैंड से महिला, बुजुर्ग, बच्चे, दिव्यांग आवागमन नहीं होने की वजह से लाड़ाकाबास नहीं पहुंच सकते हैं। उक्त उपजिला अस्पताल पावटा उपखंड मे स्वीकृत हुआ है। पावटा सत्ताईसा क्षेत्र की आबादी लगभग 2.50 लाख से अधिक है ज्यों कि पावटा कस्बे से सीधी जुड़ी हुई है। पावटा उपजिला अस्पताल की अन्य जगह लाड़ाकाबास की पावटा बस स्टैंड से 6 किलोमीटर की दूरी है। वही उपजिला अस्पताल पावटा के लिए वर्तमान राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे, डॉ. शंकर दयाल शर्मा महाविद्यालय प्रांगण ललाणा रोड, भोमिया जी मंदिर के पास टसकोला रोड, ढाणी खारवाल शिवनगर मे सरकारी भूमि उपलब्ध है। जहाँ उपजिला अस्पताल बनाया जा सकता है। वही अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहाँ कि बजट मे पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उपजिला अस्पताल में क्रमोन्नत किया गया है।

उपजिला अस्पताल में क्रमोन्नत करने के बाद पावटा सीएससी का कोई अस्तित्व ही नहीं रहा। और आमजन को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि पावटा सीएससी यथावत रहेगी। प्रशासन द्वारा उप जिला अस्पताल के लिए पावटा मे भूमि नही है कहकर गुमराह किया जा रहा है। वही लगभग 70 हजार की आबादी के अलावा जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले लोग पावटा उपजिला अस्पताल पर निर्भर है। पावटा उपजिला राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर ही पावटा कस्बे मे स्थित है। जिससे हर कोई आसानी से इलाज के लिए पहुँच जाता है। लाडाकाबास स्थानांतरित करने पर मरीज लाड़ाकाबास जाने की जगह जिला अस्पताल कोटपूतली में अपना इलाज करवा सकता है।

मरीजों को लाड़ाकाबास जाने के लिए आवागमन के साधन महंगे हैं, जो आम आदमी की पहुंच से बाहर है। उन्होंने आमजन की सुविधाओं को देखते हुए उपजिला अस्पताल को पावटा मे ही रखने की मांग की है। वही उन्होंने कहाँ कि अगर 7 दिन मे आमजन की मांगो को पूरा नही किया गया तो धरना प्रदर्शन के साथ आमरण अनशन भी किया जायेगा।

इस दौरान पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला, सुरेश शर्मा, विक्रम धनखड़, राजू धनखड़, करतार सिंह, रमेश यादव, विजय राठी, प्रहलाद गिठाला, रूप सिंह शेखावत, सुशील योगी, गणेश सैनी, राजीव डेहरवाल, वेदप्रकाश गिठाला, महेश स्वामी, विनोद सैनी, सीताराम सिंघल सहित जनप्रतिनिधि वह बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

चार महिलाओं सहित सात लोग घायल

निवाई। सदर थानान्तर्गत गांव कैथूनिया अहमदपुरा की ढाणी में आपसी रंजिश को लेकर सांसी समाज के दो पक्षों में झगडा हो गया। जिसमें चार महिलाओं सहित सात लोग घायल हो गए। सदर थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि अहमदपुरा की ढाणी में दो पक्षों में झगड़ा होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तुरंत 108 एंबुलेंस की मदद से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निवाई में भर्ती करवाया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला सआदत अस्पताल टोंक रेफर कर दिया।

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-4, जयपुर जिला जयपुर
उषा देवी विरूद्ध राधेश्याम व अन्य
दावा बाबत विभाजन सम्पत्ति, घोषणा व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सं. 79सन् 2024

बनाम श्री नन्दराज शर्मा पुत्र श्री राधेश्याम शर्मा, उम्र 49 वर्ष, जाति-ब्राह्मण निवासी-1/68 रेल्वे कॉलोनी, जगतपुरा, जयपुर वादी ने आपके विरूद्ध....के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 06.12.2024 को दिन में 10.30 सुबह दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर होने के लिये वचन दिया है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 30 माह 11 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
प्रस्तुतकार
अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम-4, जयपुर जिला जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी व उपायुक्त जोन-13 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक – ज.वि.प्रा./उपा./जोन-13/2024/डी-1668 दिनांक 20/11/2024
लोक सूचना भंवरलाल नायक पुत्र मुरलीधर नायक के स्वामित्व की आवासीय प्रयोजनार्थ 90-ए शुदा भूमि को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 06.11.2023 द्वारा मैसर्स श्याम इण्डस्ट्रीज को बेचान करने के उपरान्त क्रेता मैसर्स श्याम इण्डस्ट्रीज जरिये पार्टनर श्री महेश कुमार अग्रवाल द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित आवासीय प्रयोजनार्थ धारा 90-ए शुदा भूमि का व्यावसायिक प्रयोजनार्थ संशोधन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिला	खातेदार का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल (हे.)	धारा 90-ए निर्णय दिनांक
1	ग्राम-हरमाडा, तहसील-रामपुरा डाबडी जिला-जयपुर	मैसर्स श्याम इण्डस्ट्रीज जरिये पार्टनर श्री महेश कुमार अग्रवाल	246	0.0100	07.08.2023 आवासीय प्रयोजनार्थ
2			247	0.2200	
			किता-2	कुल रकबा 0.2300	

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त भूमि का **व्यावसायिक प्रयोजनार्थ** पट्टा जारी किये जाने पर आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 20/11/24 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी व उपायुक्त जोन-13 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित आवासीय प्रोजेक्ट ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट खसरा नं. 626/3, 627/1, 627/2 & 627/3 रेवेन्यू ग्राम टीलावाला तहसील सांगानेर जयपुर, राजस्थान जिसका कुल भूखण्ड क्षेत्र भूमि आवंटन के अनुसार 4080.00 वर्गमीटर तथा निर्मित क्षेत्र 26,549.70 वर्गमीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या F1(4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/ Cat.8a (22827/2021-22 दिनांक 17.10.2023 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है।
भव्या ग्रीन बिल्डर्स
मो. 9829073498, 9829288113

सार्वजनिक सूचना दिनांक - 02.12.24
मेरे अभिभाष्य श्री दीपेन्द्र सिंह कामा पुत्र स्व0 मेजर श्री शिवसिंह जी कामा कुवर आदित्य राज सिंह पुत्र श्री दीपेन्द्र सिंह कामा एवं श्रीमती हंसराज कुमारी धर्मपत्नी श्री दीपेन्द्र सिंह कामा सभी निवासीयान 95, आनन्द बाग, कामा हाउस, अजमेर रोड जयपुर की ओर से आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री दीपेन्द्र सिंह कामा के पिता, कुवर आदित्य राज के पितामह एवं श्रीमती हंसराज कुमारी के ससुर स्व0श्री मेजर शिवसिंह जी कामा की सम्पति वाके 95 आनन्द बाग, कामा हाउस, अजमेर रोड जयपुर व खसरा नम्बर 139 में स्थित 765, कृष्णा भवन कामा कोठी, अजमेर रोड, जयपुर तथा खसरा नम्बर 140-141 अजमेर रोड जयपुर के संबंध में विभिन्न न्यायालयो में विभिन्न प्रकरण विचाराधीन है और इस संबंध में स्व श्री मेजर शिवसिंह जी कामा की पंजीकृत वसीयत दिनांक 29.01.2000 के संबंध में माननीय राज. उच्च न्यायालय के समक्ष एकलपीठ सिविल अपील सं. 1987/2012 में माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा पक्षकारो को सम्पति हस्तान्तरित करने के संबंध में पाबन्द किया हुआ है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था/ कम्पनी/ ट्रस्ट / समिति / फर्म या अन्य कोई विधिक व्यक्तिस्व0 श्री मैजर शिवसिंह जी कामा की मृत्युपरांत उपर्युक्तवर्णित सम्पति का क्रय / हस्तान्तरण/ हित सृष्ट करता है तो विधिक रूप से शून्य है तथा उसकी स्वयं की रिस्क पर शून्यकरणीय रहेगा तथा असवैधानिक होने के कारण अमान्य होगा इसलिए सभी जन को आगाह किया जाता है कि वह उपयुक्तसम्पतियों के संबंध में कोई क्रय/ हस्तान्तरण /रहन /आनुषंगिक कार्यवाही ना करे।
जयपुर
जितेन्द्रसिंह एडवोकेट
ए - 69, आचार्य विनोबा भावे नगर, नर्सरी सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर। मो. 9414824680

खोया पाया
मेरे फ्लैट संख्या 117/120 मानसरोवर जयपुर का आवंटन पत्र, कब्जा पत्र एवं डिक्लरेशन पत्र कहीं खो गया है। यदि किसी को मिले तो निम्न नम्बरों पर सूचित करें। मो. 944312138

हमारे प्लाट नं. 14/एच/131, सेक्टर-14 इंदिरा गांधी नगर योजना, जगतपुरा, जयपुर के विक्रय पत्र की मूल प्रति (रजिस्ट्री) इंदिरा गांधी नगर में कहीं गिर गए है। मिलने पर सूचित करें-वंदिता एवं विनय शर्मा-9826064696

प्रदूषण नियंत्रण मंडल, द्वारा विशिष्ट छूट योजना शुरू

टोंक। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, द्वारा जारी आदेश के अनुसार उन उद्योगों/ प्रोजेक्ट/ प्रतिष्ठानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशिष्ट छूट योजना शुरू की गई है, जो जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के तहत स्थापित या संचालित होने से पहले स्थापना की सम्मति और संचालन की सम्मति प्राप्त नहीं कर पाए है। सदस्य सचिव ने बताया कि राज्य में स्थापित/ संचालित सभी उद्योगों/ प्रोजेक्ट/ प्रतिष्ठानों को जल प्रदूषण (निवारण एवं नियंत्रण मंडल) अधिनियम, 1974 तथा वायु प्रदूषण (निवारण एवं नियंत्रण मंडल) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के अंतर्गत स्थापना/ संचालन सम्मति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल से प्राप्त करना आवश्यक है। राज्य मंडल की इस विशिष्ट छूट योजना"का उद्देश्य उन उद्योगों को प्रोत्साहित करना है, जो अब तक इन स्वीकृतियों के बिना काम कर रहे हैं, ताकि वे स्वीकृति प्राप्त कर पर्यावरणीय अनुपालन सुनिश्चित करे सके।

सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर तैयारियों के दिए निर्देश

खैरथल तिजारा जिला सचिवालय पर अधिकारियों की बैठक लेते एडीएम शिवपाल जाट।

■ सरकार की मंशा के अनुरूप तैयारी में लगे : एडीएम
■ खैरथल तिजारा जिला सचिवालय पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में हुई बैठक

खैरथल। बजट घोषणाओं व खैरथल। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रमों की तैयारियों व विभागीय प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की बैठक आयोजित की गई।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर राज्य सरकार से मिले दिशा निर्देशों के अनुरूप तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 12 से 15 दिसंबर तक जिलों में भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन होना है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने सम्भावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम, बिजली, पानी, सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं की सूचारू रूप से आपूर्ति एवं समीक्षा बैठकों की अनुपालना रिपोर्ट, सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ आदि की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विभागवार समीक्षा की।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, शिक्षा अधिकारी राजकुमार जैन, अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग विकास यादव, अधिशासी अभियंता पीएचईडी धर्मवीर यादव, विद्युत विभाग, सभी नगर निकायों के अधिकारी सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक आयोजित

फुलेरा। कस्बे के गणगौरी बाजार स्थित श्रीरामद्वारा भवन परिसर में राजस्थान पेंशनर समाज की आवश्यक बैठक समाज के वार्षिक अधिवेशन को लेकर शक्ति सिंह की अध्यक्षता सम्पन्न हुई। जानकारी के अनुसार बैठक में आगामी 8 दिसम्बर को आयोजित होने वाले पेंशनर समाज के राज्य स्तरीय वार्षिक अधिवेशन के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गई।

इसके अलावा बताया कि उक्त अधिवेशन में पेंशनर्स की समस्याओं तथा मांगो पर चर्चा की जायेगी। बैठक में उपस्थित सभी पेंशनर्स को अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सूर्यप्रकाश शर्मा, जगदीश प्रसाद कायथ, हनुमान सिंह परिहार, नाथूलाल महावर, विमल शर्मा, इकरामुद्दीन कुरेशी, प्रतापसिंह सुण्डाराम, फूल चन्द सोनी, अम्बा प्रसाद शर्मा, नन्दकिशोर शर्मा, प्रभु दयाल कुमावत, मदन मेहरा, सरोज गुप्ता, मूल चन्द कुमावत, श्रवण लाल, बंशीलाल कुमावत, रामस्वरूप, रामविलास कुमावत, भंवर लाल शर्मा, कैलाश चन्द, रामलाल, रतन लाल चौहान, रामस्वरूप कुम्हार सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 397/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री आलोक बेनीवाल पुत्र श्री रामचन्द्र बेनीवाल निवासी प्लॉट नं. 5/1 शहीद अमित भारद्वाज मार्ग, मालवीय नगर जयपुर-302017 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्रीमती कमला बेनीवाल ट्रस्ट कार्यालय पता प्लॉट नं. 5/1 शहीद अमित भारद्वाज मार्ग, मालवीय नगर जयपुर-302017 ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 06.02.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 387/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री संजय शर्मा पुत्र श्री सांवर मल शर्मा निवासी 3-सी, बजरंग विहार, मुरलीपुरा स्कीम के पीछे, सीकर रोड, विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302013 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री पशुपति नाथ गौ सेवा समिति कार्यालय पता-3-सी बजरंग विहार, तिवाडी मार्केट, मुरलीपुरा स्कीम जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 04.02.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

सार्वजनिक सूचना कार्यालय नगर निगम जयपुर हैरिटेज
क्र. एफ-6( )उपा.लैण्ड(सा.प्र.)/ ननिज./2024/2202 दि.-02.12.24
मूल भूखण्ड सं. 726, सिंधी कॉलोनी, आदर्श नगर, जयपुर का आवंटन श्री हासाराम पुत्र श्री पारसराम को दिनांक 01.04.1953 को 266.66 व.ग. का रिहेबिलिटेशन डिपार्टमेन्ट राजस्थान द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ अलॉटमेन्ट जारी किया। नाम हस्तान्तरण पत्र श्री धर्मदास पुत्र स्व. श्री बदलदास के नाम दिनांक 07.09.2008 को किया गया। श्री धर्मदास चचलानी पुत्र स्व. श्री बदलदास चचलानी द्वारा दिनांक 08.12.2008 को श्री राजेन्द्र आहुजा एवं श्री चन्द्रमोहन आहुजा के नाम पंजीकृत वसीयत कराई गई। श्री धर्मदास की मृत्यु दिनांक 22.08.2021 को हो जाने पर उनके पुत्र श्री राजेन्द्र आहुजा एवं श्री चन्द्र मोहन आहुजा द्वारा वसीयत के आधार पर आवेदन प्रस्तुत कर पट्टा दिये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त लैण्ड शाखा) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
(श्रवण कुमार विश्नोई) उपायुक्त(लैण्ड) नगर निगम जयपुर हैरिटेज

कार्यालय श्री कैलादेवी मन्दिर ट्रस्ट, कैलादेवी जिला करौली (राज.)
क्रमांक: 3082 दिनांक: 30.11.2024
GSTIN:-08AAATK3696E1ZH
निविदा सूचना
सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि श्री कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट की परिसम्पतियो एवं श्री कैलादेवी मंदिर परिक्षेत्र में प्रति घंटा प्रति श्रमिक की दर से ई.पी.एफ एवं ई.एस.आई कोड धारी पंजीकृत संवेदको से निविदाये दिनांक 15.12.2024 को साय: 05.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी एवं दिनांक 16.12.2024 को प्रात: 11.00 बजे तक उपस्थित निविदादाताओ के साथ निविदा समित द्वारा खोली जावेगी। अमानत राशि रू. 40,000.00 ड्राफ्ट/बैकर्स चेक श्री कैलादेवी टैम्पल ट्रस्ट के नाम से निविदा फॉर्म के साथ संलग्न करना होगा निविदा फॉर्म शुल्क 1000+18% = 1180/- सहित जमा करवाकर कार्यालय समय में प्राप्त कर सकते है। अन्य समस्त जानकारी www.kailadevitemple.com पर देखी जा सकेगी। एवं निविदा फॉर्म बेवसाईट से डाउनलोड करने पर निविदा शुल्क 1180.00 रू का ड्राफ्ट/बैकर्स चेक श्री कैलादेवी टैम्पल ट्रस्ट के नाम से निविदा फॉर्म के साथ संलग्न करना होगा।
चन्द्रकान्त गणेश कुडतरकर
प्रबन्धक (प्रशासन)
श्री कैलादेवी मन्दिर ट्रस्ट

विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में सौंपा ज्ञापन

विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में उपखंड अधिकारी सुरेशकुमार हरसोलिया को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीण।

निवाई। उपखंड अधिकारी कार्यालय में सोमवार को गांव सीदडा के ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में उपखंड अधिकारी सुरेशकुमार हरसोलिया को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि राज्य सरकार द्वारा विद्युत डिस्कॉम को निजी हाथों में सौंपने का निर्णय कर प्रदेश की जनता के साथ धोखा किया है।

निजीकरण हो जाने से युवाओं को डिस्कॉम में रोजगार मिलने के अवसर समाप्त हो जाएंगें। ज्ञापन देने वालों में सरपंच रामसहा पूर्व सरपंच कैलाश मीणा सीदडा, रामकिशोर मीणा, सरपंच रामसहाय मीणा, गोपाल मीणा, कृष्ण मीणा, सूरज मीणा, तेजराम मीणा, राजूलाल, नाथू, छोटूलाल स्वामी, रामनारायण गुर्जर, कानाराम जाट, धर्मराज व रामलाल सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सांसद तिवाड़ी से भेंट की

चाकसू। चाकसू क्षेत्र एवं आस पास की समस्या समस्याओं व अयोध्या स्थित श्री नरबदा बाई सेवा आश्रम को लेकर सांसद घनश्याम तिवाड़ी से भाजपा के विशेष संपर्क प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अवधेश शर्मा ने उनके जयपुर निवास पर शिष्टाचार भेंट की तथा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करवाया।

शर्मा ने बताया कि ग्राम दयापुरा से लेकर बाईपास तक रास्ता काफी खराब होने से आना-जाना मुश्किल भरा एवं परेशानी बनी रहती है वहीं क्षेत्र में पानी की समस्या रहती है आसपास के क्षेत्र में बीसलपुर पेयजल योजना का पूरी तरह से पानी नहीं मिल पा रहा है जिससे कि क्षेत्र के लोग परेशान हैं ऐसी ही समस्याओं को लेकर भाजपा के विशेष संपर्क प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अवधेश शर्मा राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी से मिले इस पर राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने आश्वासन देते हुए जल्द ही समस्याओं का निराकरण करने एवं क्षेत्र का दौरा करने तथा कार्यकर्ताओं से भेंट करने की बात कही। वही राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने अयोध्या में हाल ही में नवनिर्मित श्री नरबदा बाई सेवा आश्रम की जानकारी भी ली तथा वहां पर श्रीरामलला दर्शन के लिए जाने वाले लोगों को आश्रम का लाभ मिले इस विषय पर चर्चा की। तथा श्री नरबदा बाई सेवा आश्रम के अध्यक्ष अवधेश शर्मा को निर्देशित किया।

नाम परिवर्तन
मैं सुनील कुमार जैन पुत्र सुखा लाल जैन निवासी छीपी गली बयाना तहसील बयाना भरतपुर राजस्थान-321401 मैंने अपना नाम सुनील कुमार पुत्र सुखा लाल से बदलकर सुनील कुमार जैन पुत्र सुखा लाल जैन रख लिया है आगे मुझे इसी नाम से जाना जाये।

मैं पूनम कुमारी पत्नी श्री अभिषेक खीचड, निवासी-62 पटेल नगर, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर मेरी जन्म तिथि 12.04.1993 दर्ज व अंकित है जो कि गलत है जबकि मेरी सही जन्म तिथि 24.04.1993 है जो कि मेरे आधार एवं पेन कार्ड में भी दर्ज व अंकित है।

मैं आर्मी नम्बर No. JC473680F Rank NB/SUB. Swroop Singh S/o Khet Singh R/o Ummed Nagar, Balesar Stan Jodhpur Rajasthan आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरी धर्मपत्नी का नाम Kiran Kanwar एवं जन्मतिथि 22.03.1980 गलत दर्ज है सही नाम Nakat Kanwar एवं जन्मतिथि 20.12.1983 है, Vide Affidavit BY 016163 Jaipur. Dated 29.11.2024

I Samta Jain W/o Manoj Kumar Jain residing at 21, Sarita Vihar, Keshopura, Kamla Nehru Nagar, Jaipur, Rajasthan-302021. Do hereby solemnly affirm and state that I have changed my name from Vandana Jain to Samta Jain. In future I will be known by my changed name

I Prem kaur legally wedded spouse of army no 1175865Y Ex HAV Late Sirdar singh S/O phool singh R/O plot 13 Durga colony dher ka Balaji railway station bhawani niketan school jaipur That have changed my name from PREM KAUR (DOB 18/6/1947) To PREM KANWAR (DOB 1/1/1948) vide affidavit dated 29 nov 24 before district notary Jaipur

कार्यालय जिला परिषद करौली
क्रमांक: जिपक/लेखा/निविदा/2024/1782 दिनांक: 02.12.2024
निविदा सूचना
राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनान्तर्गत वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2024-25 के तहत दिनांक 17.12.2024 से 20.12.2024 तक अन्तर जिला एक्पोजर विजिट करौली से जैसलमेर (50 व्यक्तियों) हेतु वाहन स्लीपर कोच बस व्यवस्था, चाय नाश्ता भोजन, आवास व्यवस्थाओं हेतु की जाने वाली विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए पंजीकृत फर्मो/इच्छुक प्रतिष्ठित संस्थाओं से खुली निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक निविदा दाता निर्धारित शुल्क नगद/ डिमाण्ड ड्राफ्ट से जमा कराकर जिला परिषद (पंचायत प्रकोष्ठ) से निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्तें प्राप्त कर सकते है।

निविदा बेचने की अंतिम दिनांक व समय	निविदा जमा कराने की अंतिम दिनांक व समय	निविदा खोलने की दिनांक व समय
10.12.2024 प्रात: 11.00 बजे तक	10.12.2024 दोपहर:10.12.2024 दोपहर	10.12.2024 दोपहर: 2:00 बजे तक

निविदा का विवरण sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB: ZKR2425A0339
BID: ZKR2425SSRC00477
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला परिषद करौली

भजन सत्संग एवं भंडारे में उमड़े महिला पुरुष

राजगढ़। बांदीकुई मार्ग स्थित धार्मिक आस्था के केंद्र शेखा की बगीची हनुमान मंदिर पर भजन सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया गया। हरि चरण दास जी एवं भोला दास जी महाराज की बरसी पर दूर दराज के आए श्रद्धालुओं ने माता टेककर मनौती मांगी। इस दौरान मंदिर परिसर में हरियाणा से आए ख्याति नाम कलाकारों ने भजनों के माध्यम से लोगों को नृत्य को मजबूर कर दिया। जन-जन की आस्था के आराध्य हनुमान मंदिर पर देर सायकाल तक श्रद्धालु महिला पुरुषों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण का धर्म लाभ कमाया।

जिला कलेक्टर ने ली अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

■ बजट घोषणाओं व सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रमों की तैयारियों के लिए निर्देश दिए

कोटपूतली। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट में सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रमों की तैयारियों व विभागीय प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर राज्य सरकार से मिले दिशा निर्देशों के अनुरूप तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 12 से 15 दिसंबर तक जिलों में भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसकी तैयारियों से जुड़े कार्य सभी संबंधित विभागीय अधिकारी शुरू करें। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सभी विभाग आवश्यक तैयारियां शुरू कर दें। उन्होंने सम्भावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम, बिजली, पानी, सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं की सूचारू रूप से आपूर्ति एवं समीक्षा बैठकों की अनुपालना रिपोर्ट, सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ आदि की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विभागवार समीक्षा की। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओम प्रकाश सहारण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आशीष सिंह शेखावत, जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह यादव, उद्यानिकी विभाग के उपनिदेशक सरदारमल, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोग्रामर मनोज, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक महेंद्र, सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आपत्ति सूचना
हम श्रीमती कोमल घुमरिया एवं चिन्मय कुमार पण्डित आवास सं. 82, हिम्मत नगर, टोंक रोड, जयपुर, श्री अजय कुमार चतुर्वेदी से क्रय कर रहे है। यदि बेचान में किसी को कोई आपत्ति हो तो दिये गये मोबाईल नम्बर पर सात दिवस में आपत्ति दर्ज करवाये। चिन्मय कुमार पण्डित मो. 8637248235

नाम परिवर्तन
मेरा पासपोर्ट में गलती से नाम जुगल किशोर सिन्धी पुत्र स्व. श्री पुरूषोत्तम दास सिन्धी हैं जो गलत है। मेरा अन्य सभी दस्तावेजो में जुगल किशोर इसरानी पुत्र स्व. श्री पुरूषोत्तम दास इसरानी है।
अत: भविष्य में मुझे जुगल किशोर इसरानी पुत्र स्व. श्री पुरूषोत्तम दास इसरानी के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।
जुगल किशोर इसरानी पुत्र
स्व. श्री पुरूषोत्तम दास इसरानी
प्लॉट नं. डी-29, इन्द्रा कॉलोनी, तह.निवाई (टोंक-राज.)

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाने का नया चरण शुरू

दौसा। पूरे प्रदेश सहित दौसा जिले में बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाने का नया चरण शुरू हो गया है, जो कि 29 दिसम्बर तक चलेगा। जिले में 1 लाख 73 हजार 744 बच्चों को यह खुराक दी जाएगी। एक माह के इस अयियान में महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वित प्रयास कर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाएगा।

अभियान के अंतर्गत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला अस्पताल पर विटामिन ए की खुराक पिलाई जाएगी। यह खुराक हर 6 माह के अन्तराल से पिलाई जाती है। सीएमएचओ डॉ. सीताराम मीणा ने बताया कि विटामिन ए अयियान के इस चरण में जिले के 9 माह से 5 वर्ष तक के ब चों को लक्ष्य बनाकर विटामिन ए की खुराक पिलाई जाएगी। इसकी माइक्रो प्लानिंग पल्स पोलियो अयियान की तर्ज पर ही की गई है। डिप्टी सीएमएचओ डॉ महेन्द्र सिंह ने बताया कि विटामिन ए आखों की बीमारियों जैसे रतौंधी-अंधता से बचाव के साथ-साथ बच्चों में शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि के लिए भी आवश्यक है।

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5वीं व 6ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805 Email: rsehfjaipur@yahoo.com
क्रमांक-1183/24 दिनांक- 28.11.2024
आम सूचना संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या 1-छ-15 श्रीमती सुलोचना छाबड़ा पुत्र श्री फूलचन्द छाबड़ा को आवंटित किया गया था। उक्त भवन श्रीमती छाबड़ा द्वारा जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा श्री अनिरूद्ध राय को, एवं श्री अनिरूद्ध राय द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा श्री उत्तम प्रकाश पुत्र श्री सत्यप्रकाश को विक्रय किया गया। श्री उत्तम प्रकाश से उक्त भवन रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 06.08.1998 के द्वारा श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री सूरजमल जैन द्वारा क्रय किया गया। जैन एवं उनकी पत्नि श्रीमती सुशीला देवी के मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न कर उनके दोनों पुत्रों श्री आलोक जैन एवं विवेक जैन द्वारा उक्त भवन संख्या 1-छ-15 संयुक्त रूप से उनके नाम ट्रांसफर करने हेतु निवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन संख्या 1-छ-15 कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर को संयुक्त रूप से श्री आलोक जैन एवं विवेक जैन के नाम हस्तान्तरण कर दिया जावेगा।
(ज्योति गुप्ता) प्रबन्ध निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी, आवासन संघ लि., जयपुर

बिक्री सूचना
बालाजी लाइफस्टाइल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड - परिसमापन में
(CIN - U52602RJ2008PTC025717) परिसमापकः श्री जय प्रकाश रावत
परिसमापक का पता - 22-बी, न्यू कॉलोनी, चांदनी चौक, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान, 302012, ई-मेल आईडीः cirp.balaji@gmail.com
संपर्क नंबर +91 9352992517 (श्री मोहित सैन)

दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत आस्तियों की ई-नीलामी-बिक्री
ई-नीलामी की तारीख और समयः 10 जनवरी 2025 को सुबह 11 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक
(प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)
ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि - 08 जनवरी 2025, शाम 5:00 बजे तक
मैसर्स बालाजी लाइफस्टाइल टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. (परिसमापन में) की निम्नलिखित आस्ति और संपत्ति, जो माननीय राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, जयपुर पीठ द्वारा दिनांक 16 मार्च 2023 के आदेश के तहत नियुक्त परिसमापक द्वारा गठित परिसमापन संपत्ति का हिस्सा है। बिक्री ई-नीलामी प्लेटफॉर्म https://eibcvoting.com/upcoming_auction.php के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी।
बिक्री के लिए आस्तियों और संपत्तियों का विवरणः

ब्लॉक	आस्तियों का विवरण	आरक्षित मूल्य (रु. में)	ईएमडी राशि (रु. में)	बोली वृद्धि राशि (रु. में)
A*	कॉर्पोरेट देनदार की आस्तियों की बिक्री बिल्डिंग (दुकान 1,2,3 तीसरी मंजिल, शुभम् टॉवर, प्लॉट नं. ए-3 शास्त्री नगर, जयपुर 302016) (आस्तियों की विस्तृत सूची ई-नीलामी मंच से प्राप्त की जा सकती है)	25,48,035/-	2,54,800/-	25,000/-

1. ई-नीलामी केवल "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर आयोजित की जाएगी।
2 इच्छुक आवेदक "ई-नीलामी प्रक्रिया दस्तावेज" का संदर्भ ले सकते हैं जिसमें ऑनलाइन ई-नीलामी के नियमों और शर्तों का विवरण और संपत्तियों के अन्य विवरण वेबसाइट अर्थात https://eibcvoting.com/upcoming_auction.php पर अपलोड किए गए हैं।
3. इच्छुक बोलीदाताओं द्वारा ईएमडी (वापसीयोग्य) का भुगतान 08.01.2025 को या उससे पहले एनईएफटी/ आरटीजीएस/ डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से "बालाजी लाइफस्टाइल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड-परिसमापन में, जिसका खाता सं. **2101200899**, बैंक का नामः कोटक महिंद्रा बैंक, **IFSC CODE-KKBK0000271**, बैंक शाखा का नामः जयपुर-सरदार पटेल मार्ग और खाता प्रकारः **CURRENT ACCOUNT** के खाते में किया जाएगा।
4. परिसमापक को ई-नीलामी के किसी भी नियम और शर्तों को स्वीकार करने या रद्द करने या विस्तारित करने या संशोधित करने आदि का अधिकार है (या) परिसमापक किसी भी समय ई-नीलामी को रद्द कर सकता है (या) ई-नीलामी की किसी भी वस्तु को रद्द कर सकता है। उसे बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को अस्वीकार करने का अधिकार है।
5. संहिता की धारा 35 के खंड (एफ) के प्रावधान के अनुसार, इच्छुक बोलीदाता बोली जमा करने के लिए पात्र नहीं होगा यदि वह संहिता की धारा 29ए (समय-समय पर संशोधित) में निर्धारित पात्रता मानदंड को पूरा करने में विफल रहता है।)
6. ई-नीलामी एजेंसी की ओर से संपर्क व्यक्तिः ईआईबीसी नीलामीः सुश्री हिमानी अग्रवाल, ईमेल आईडी-https://eibcvoting.com/upcoming_auction.php मोबाइल नं. 9560543290. परिसमापक की ओर से संपर्क व्यक्तिः श्री अनिल कुमार, ईमेल आईडी - cirp.balaji@gmail.com, मोबाइल नं. **9352992517**
दिनांक 03.12.2024
स्थानः जयपुर
हस्ता/-
जय प्रकाश रावत,
बालाजी लाइफस्टाइल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड - परिसमापक के मामले में
आईबीबीआई रजि. नं. IBBI/IPA-001/IP-P-01969/2020-2021/13039
एएफए प्रमाणपत्र सं. AA1/13039/02/300625/107038, वैधता 30-जून-25 तक
रजि. पताः 22-बी, न्यू कॉलोनी, चांदनी चौक, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान
परिसमापक का ई-मेल, जैसा कि बोर्ड के पास पंजीकृत है: ipjprawat@gmail.com

संक्षिप्त

जलज तिवाडी सिकराय का ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत

दौसा। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सीबी यादव ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर गीजगढ़ निवासी जलज तिवाडी को सिकराय का ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया है। इधर जलज तिवाडी को ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर जिले भर के कांग्रेसी नेताओं एवं पदाधिकारियों ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटासरा एवं संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सीबी यादव का आभार जताते हुये जलज तिवाडी का स्वागत किया है।

सैनी सभा की आम बैठक का आयोजन

कोटपूतली। सैनी सभा संस्था के भवन नं. 01 में श्याम लाल सैनी की अध्यक्षता में सैनी सभा की आम बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान दिवंगत आत्माओं की शान्ति हेतु 02 मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई व उनके परिवारजनों को दुख की घड़ी में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिये ईश्वर से प्रार्थना की गई। जिसके बाद नई कार्य समिति के चुनाव करवाने के लिये सैनी सभा संस्था द्वारा जनसमिति को चार्ज देने पर विचार विमर्श किया गया। वहीं सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की समाज संविधान 2007 ही लागू रहेगा एवं इसके अनुसार ही आगामी कार्य समिति के चुनाव करवाये जायेगें तथा नये सविधान संशोधन 2023 को सर्वसम्मति से निरस्त किया गया एवं कार्य समिति का चार्ज देने के लिये आगामी 08 दिसम्बर की तिथि तय की गई।

मारपीट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

मालपुरा। लामबाहरिसिंह थाना क्षैत्र मे बीते दिनो एक नर्सिंगकर्मी के साथ मारपीट व अपहरण के मामले मे सोमवार को तीन जनो को किया गिरफ्तार। थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि बीते दिनो एक निजी चिकित्सालय मे घुसकर ड्यूटी पर तैनात नर्सिंगकर्मी विक्रम प्रजापत पुत्र रामअवतार प्रजापत निवासी रामनगर थाना दूदू हाल निवासी हुडको कॉलोनी लाम्बाहरिसिंह के साथ मारपीट व अपहरण का प्रयास किया गया। पिडित की और से 28 नवम्बर को दी रिपोर्ट पर कार्यवाही करते हुये आरोपी राजेश पुत्र किशनलाल प्रजापत निवासी बागडी,शिवराज पुत्र लादूराम प्रजापत निवासी मंडावरा व गिर्राज मुवाल पुत्र प्रकाश मुवाल निवासी चौरू थाना फागी को गिरफ्तार कर घटना मे उपयोग ली गई स्वीफ्ट कार को किया गया जप्त।

करन्ट से हुई युवक की मौत

टोंक। कोतवाली थाना क्षैत्र स्थित धन्नातलाई में एक युवक की करन्ट लगने से हुई मौत। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर में स्थित धन्नातलाई नहर के पास से गुजर रही 33 केवी की लाइन से युवक बाबू खान उम्र 22 वर्ष की करन्ट लगने से मौत हो गई। वह गैस गोदाम कांटा के पास धन्नतलाई के पास कबाड के गोदाम से ट्रक में कबाड भर रहा था, कि अचानक उपर से गुजर रही 33 केवी बिजली की लाईन से टच हो जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

विश्व प्रदूषण दिवस मनाया

दौसा। आज पंडित नवल किशोर शर्मा इंग्लिश मीडियम स्कूल दलेलपुरा में विश्व प्रदूषण दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बढ़ते हुए पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए अनेक भाषण व नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. पूनम शर्मा ने बच्चों को बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के तरीके बताए गए जिनको सभी बच्चों ने अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। बच्चों के साथ विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण का कार्यक्रम भी किया गया।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

बौंली-बामनवास। क्षेत्र के बौंली-निवाई सड़क मार्ग पर स्थित रवासा गांव के पास स्थित अरावली पर्वत श्रृंखला में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना पाकर बौंली पुलिस मौके पर पहुंची एंव शव को पेड़ से नीचे उतार कर बौंली चिकित्सालय के मोर्चरी में पहुंचाया। युवक की पहचान रवासा निवासी धोलू सिंह गुर्जर उम्र 30 वर्ष के रूप में हुई है।

कलेक्टर ने शहर का भ्रमण कर देखी सफाई, कचरा देख जताई नाराजगी

अलवर। अलवर को स्वच्छ सुंदर शहर बनाने के लिए नवाचार कर अलवर में शुरू किए गए अतुल्य अलवर अभियान के तहत की जा रही साफ-सफाई की व्यवस्था को देखने के लिए सोमवार को जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला शहर की सड़कों पर निकली और उन्होंने काली मोरी, मूंगस्का , हनुमान सर्किल, शांति कुंज आदि का दौरा कर साफ-सफाई का जायजा लेकर अधिकारियों को साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिये है।

निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने संबंधित स्थानों पर कचरा फैला हुआ मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि इन स्थानों की यथाशीघ्र पूर्ण साफ-सफाई करावे तथा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार करें।

उन्होंने मंडी मोड से हनुमान सर्किल होते हुए नगर निगम सीमा क्षेत्र में रोड के दोनों ओर सफाई कराने एवं एकत्रित कचरे को दो दिवस में उठावाए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि हनुमान सर्किल से गोलेटा मोड तक मुख्य हाईवे के दोनों तरफ लग रहे कचरे के ढेर को उठवाए तथा निगम सीमा से बाहर स्थित पंचायत क्षेत्रों में सफाई हेतु जिला परिषद व मुख्य हाईवे हेतु एनएचआईए से समन्वय कर साफ-सफाई करावे।

उन्होंने गोलेटा में कचरा सेग्रीगेशन प्लांट के पास खेल मैदान विकसित किये जाने वाले स्थल का निरीक्षण नगर निगम आयुक्त को इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि शांति कुंज कॉलोनी को आदर्श कॉलोनी के रूप में विकसित करावे।

अलवर शहर में सफाई व्यवस्था का जायजा लेकर अधिकारियों को निर्देश देते जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला।

- नगर निगम आयुक्त को दिए सुधार के निर्देश, गोलेटा में खेल मैदान के प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा

कलेक्टर ने शहर के नागरिकों से बातचीत कर सफाई व्यवस्था व सरकारी योजनाओं के संबंध में फीडबैक लिया। घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को संग्रहण पॉइंटों व डस्टबिन में ही डाले।

पशु चिकित्सालय बहुउदेशीय चिकित्सालय में हुआ क्रमोन्नत

मालपुरा। राजस्थान सरकार परिवर्तित बजट 2024-25 की बजट घोषणा की क्रियान्वित के लिये पशु पालन विभाग शासन उप सचिव संतोष करोल ने आदेश जारी कर राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय मालपुरा को बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय मे क्रमोन्नत कर अतिरिक्त नवीन पदो के सर्जन की प्रशासनिक एवं द्वितीय स्वीकृति की जारी। सोमवार को जारी वित्तिय स्वकृति व क्रमोन्नत आदेशो मे राजस्थान मे 24 प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों को किया गया है क्रमोन्नत। उपनिदेशक एवं चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. अनिल परतानी ने बताया कि बजट घोषणा की क्रियान्वित के लिये क्रमोन्नत के आदेश जारी होने से पशुपालको मे दौडी हर्ष की लहर। केबिनेट मंत्री व क्षैत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी के अथक प्रयासो से पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने मालपुरा अस्पताल को बहुउदेशीय पॉली क्लिनिक पशु चिकित्सालय मे क्रमोन्नत किया है।

सार-समाचार

सडक सुरक्षा एवं जीवन रक्षा कार्यक्रम में आमजन को किया जागरूक

अलवर। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सडक सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रचार-प्रसार हेतु 5 दिसम्बर तक आयोजित किए जा रहे सडक सुरक्षा एवं जीवन रक्षा कार्यक्रम के तहत तीन दिनों में परिवहन विभाग के उडन दस्ता प्रभारी एवं यातायात पुलिस प्रभारी द्वारा नवीन सीनियर सैकण्डरी स्कूल में सेमिनार आयोजित कर करीब 170 विद्यार्थियों एवं करीब 480 लोगों को सडक सुरक्षा एवं गुड सेमेरिटन नियमों की जानकारी दी गई तथा सडक सुरक्षा से संबंधित 450 पम्पलेट वितरित किए गए। साथ ही यातायात पुलिस एवं परिवहन उडन दस्तों द्वारा विभिन्न श्रेणी के 730 वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई तथा प्रवर्तन कार्यवाही के अन्तर्गत बिना सीट बेल्ट के वाहन संचालन करने पर 16 चालान, बिना हेलमेट के वाहन संचालन पर 150 चालान, 2 ओवरलोड संचालित वाहनों पर चालान, बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्रा संचालित वाहनों के 22 चालान, निर्धारित गति से अधिक वाहन संचालन पर 198 चालान एवं नो पार्किंग के 62 चालान बनाए गए।

पल्स पोलियो महाभियान को लेकर बैठक

कोटपूतली। आगामी 08 दिसम्बर को प्रस्तावित पल्स पोलियो महाभियान को लेकर बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर के नेतृत्व में सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों को पल्स पोलियों महाअभियान का अपडेट माईक्रोप्लान, हाई रिस्क एरिया की सूची, 0 से 5 वर्ष तके के बच्चों की संख्या, संस्थान के डीप फ्रीजर, आई.एल.आर., कोल्ड बॉक्स, ठीक प्रकार से कार्य कर रहे है या नहीं, वैक्सीन कैरियर की उपलब्धता, आवश्यकतानुसार आईएस पैक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। बीसीएमओ ने बताया कि पल्स पोलियों महाअभियान में 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी। खण्ड के अधीन 420 बूथों पर 840 टीकाकर्मियों एवं 10 ट्रांजिट टीम, 53 मोबाईल टीम, 55 सुपरवाईजरों द्वारा 0-5 वर्ष के कुल 45638 बच्चों का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम दिवस को बुथ स्तर पर पोलियों की खुराक पिलाई जावेगी एवं दूसरे दिन छुटे हुये बच्चों को घर-घर जाकर टीमों द्वारा पोलियों की खुराक पिलाई जावेगी। इस प्रकार दो दिवस में ब्लॉक कोटपूतली में कुल 45638 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित कराने की मांग

कोटपूतली। गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित कराने की मांग को लेकर दर्जनों गौ भक्तों ने सोमवार को प्रधानमंत्री के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लिखा है कि भारत में आदिकाल से निरन्तर गौमाता का सर्वांगीण योगदान चला आ रहा है और आदिकाल से ही शास्त्रों में जनमानस गौमाता को ही मानते व पूजते चले आ रहे है, क्योंकि मानव जीवन में गौमाता का विशेष स्थान व बहु उपयोगी महत्व रहा है। पिछले कई वर्षो से गौमाता की सुरक्षा व रक्षा की अनदेखी की जा रही है जिससे गौमाता लावारिस होकर लाचार, मजबूर हो गई है व सडकों, गलियों में बेसहारा होकर भटक रही है और स्वयं दुर्घटनाओं में शिकार होती है और अनायास अन्य दुर्घटनाओं को कारित करने में जनहानि का कारण बनती है। गौमाता का दुध, घी, छाछ, दही, मुत्र, गोबर आदि सभी धार्मिक व विज्ञान दोनों ही दृष्टि से प्राणीमात्र व पर्यावरण के लिए उत्तम व पवित्र पाया गया है। गौमाता को राष्ट्रीय माता घोषित किया जाना नितांत आवश्यक, उचित व महत्वपूर्ण है। गौभक्तों द्वारा गौमाता को राष्ट्रीय गौमाता घोषित करवाने के लिये साईकिल यात्रा के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को ज्ञापन दिये जायेगें। ज्ञापन देने वालों में योगेश बंसल, सचिन बालासिया, बिल्लू मोठूका, हेमंत मोरीजावाला, अनिल बालासिया व नीरज अग्रवाल सहित श्री श्याम परिवार के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अन्नकूट महोत्सव आज

चाकसू। आज दी बार एसोसिएशन चाकसू की ओर से न्यायालय परिसर में दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा। बार अध्यक्ष एडवोकेट नाथूलाल शर्मा एवं महासचिव दुर्गा प्रसाद बैरवा ने बताया कि मंगलवार को न्यायालय परिसर में सांयकाल 4:30 बजे दीपावली स्नेह मिलन एवं अंकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नन्दीनी व्यास, जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर प्रथम होंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्वा चतुर्वेदी अपर जिला न्यायाधीश कम सं0 11 सांगानेर, विशिष्ठ अतिथि रामावतार बैरवा विधायक चाकसू, सम्माननिय अतिथिगण स्वाती व्यास अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कम सं0 15 चाकसू, कंचन सिंह राजावत न्यायिक मजिस्ट्रेट कम सं0 19 चाकसू, शिवचरण शर्मा उपखण्ड अधिकारी चाकसू आदि उपस्थित रहेंगे।

पंजा कुश्ती प्रतियोगिता का समापन

टोंक। जिला आर्म्स रेसलिंग (पंजा कुश्ती) प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम 1 दिसम्बर को मदरलेण्ड चिल्ड्रन एकेडमी में हुआ, इस प्रतियोगिता में 200 बालक-बालिकाओं एवं महिला व पुरूषो ने भाग लिया। जिला आर्म्स रेसलिंग संघ द्वारा मुख्य अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथियों में अध्यक्ष मोहम्मद मोईन निजाम, व अरविन्द विजय, अब्दुल खलील तथा आयोजनकर्ता कमलेश सिगोंदिया, सरक्षंक के.आर.खान, सचिव ओम्पलिक संघ मुमताज राही, अध्यक्ष मकसूद मिया, सचिव जसवन्त गौठवाल इत्यादियों खिलाडियों को पारितोषिक वितरण कर मेडल, टी-शर्ट, सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जीतने वाले खिलाडियों में महिला वर्ग से प्रथमव दितीय स्थान प्राप्त करने वाली सैयदा अजीजा, दिलखुश गुर्जर, गौरी सैनी मोहिनी चावला, पारू चावला व सौनाक्षी गुर्जर रही, वही पुरूर्ष वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तसीम, सालिक, निहाल, अली हसन, अंशुल, अभय, हितेश, सिद्धार्थ, पंकज मोहित वर्मा रहें। यूथ वर्ग में प्रथम व द्वितीय स्थान पर अबबुकर, दिलखुश गुर्जर, मोनू सैनी व मो0 अली, केशव सोनी रहे। मदलेण्ड के चेयरमेन कमलेश सिगोदिया ने इस सफल आयोजन के लिए सभी पधारे अतिथियों को धन्यवाद दिया।

जयपुर ग्रामीण सांसद का जताया आभार

शाहपुरा। नगर परिषद शाहपुरा में स्थित पशु चिकित्सालय को बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय में स्वीकृत प्रदान करवाने पर पशु चिकित्सालय विभाग शाहपुरा एवं स्थानीय लोगों ने जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह का धन्यवाद देते हुए आभार जताया। डॉ. सुनील कुमार शर्मा उप निदेशक, ब्लॉक वेटरनरी हेल्थ ऑफिसर ने बताया कि जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह द्वारा पशुपालक जनता के हितार्थ नगर परिषद् क्षेत्र मे पशुपालन विभाग की अत्याधुनिक संस्था बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय बनाने पर इसमें सभी प्रकार के पशुओं की जाँचे, सोनोग्राफी, एक्सरे, सर्जरी आदि की सुविधा उपलब्ध होगी तथा इसमें करीब 50 किलोमीटर तक के पशुपालको को आधुनिक सुविधा मिलेगी। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया सह प्रभारी सुभाष जोशी एवं विधानसभा मीडिया प्रभारी मनोज कुमार टांक ने बताया कि शाहपुरा (जयपुर ग्रामीण) व आस-पास का क्षेत्र पशुपालन बाहुल्य है जो कि इस क्षेत्र से जुडें लोगों की आजीविका एवं आय का मुख्य साधन है। इसलिए इस क्षेत्र में पशु चिकित्सा क्षेत्र की विशेषज्ञ सेवाओं वाली यह अत्याधुनिक संस्था खुलने से पशुपालन क्षेत्र से जुडें लोगों की आर्थिक स्थिति में यकीनन आमूल चूल परिवर्तन होगा। स्थानीय लोगों ने खुशी जताते हुए कहा कि इस बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय में कुशल पशु चिकित्सकों की सेवाओं से पशु-पक्षी पीड़ा से निजात पायेंगे तथा स्वस्थ होंगे।

अवैध अजरी परिवहन करते एक डम्पर व ट्रेक्टर जप्त, एक चालक गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सागवान के द्वारा चलाये जा रहे अवैध बजरी, पत्थर खनन/परिवहन की रोकथान हेतु विशेष अभियान के तहत बरोनी थाना क्षैत्र पीपलू वृताधिकारी अरविन्द कुमार व बरोनी थाना प्रभारी मानवेन्द्र सिह ने गठित टीम के माध्यम से दौराने गश्त अवैध बजरी से भरे हुए डम्पर जिसमें 40 टन अवैध बजरी भरी थी को जप्त किया है तथा चालक गणेश पुत्र भोलूराम जाट उम्र 30 साल निवासी कुम्हारिया बास शिवदासपुरा को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार निवाई क्षैत्र में वृताधिकारी मृत्युजंय मिश्रा व थानाधिकारी कालूराम की विशेष टीम ने दौराने गश्त अवैध बजरी से भरे एक ट्रेक्टर मय ट्रोली को जप्त कर वाहन चालक व मालिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

'एड्स विषय में जागरूक होना आवश्यक'

निवाई। राजकीय महाविद्यालय व राजकीय कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना व मतदाता जागरूकता क्लब के तहत जागरूक मतदाता सशक्त लोकतंत्र विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान ज्योति अजमेरा, द्वितीय शिवानी सैनी व तृतीय स्थान पर सपना खंगार व उर्मिला वर्मा रहीं। इसी के साथ विश्व एड्स दिवस पर संगोष्ठी आयोजित कर छात्रों को जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. दीपकराज जैन ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें एड्स के विषय में जागरूक रहना चाहिए व समाज के लोगों को जागरूक करना चाहिए। जिला समन्वयक एनएसएस डॉ. सीएल मीना ने एड्स नियंत्रण पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें हमारे परिवार और समाज के प्रति ईमानदार रहना चाहिए।

राजस्व सुधार अभियान के तहत शिविर में 91 प्रकरणों का निस्तारण

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे खैरथल तिजारा जिले में राजस्व सुधार अभियान के तहत सोमवार को भू-अभिलेख निरीक्षक (भू.अ.नि.) वृत्त अजरका और धमूकड़ में शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 91 राजस्व प्रकरणों का निस्तारण किया गया है वहीं दुसरी ओर किशनगढ़ बास तहसीलदार नरेंद्र भाटिया ने मुसाखेड़ा में और तहसीलदार लोकेश चौधरी ने गांव दादिया में रास्तों से अतिक्रमण हटाकर आमजन के लिए रास्ता खुलवाया।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बताया सोमवार कोभू.अ.नि. वृत्त अजरका में आयोजित शिविर में 78 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इनमें कदीमी रास्तों का रिकॉर्ड में अंकन व अवरुद्ध रास्तों को खुलवाने के 3 प्रकरण, धारा 91 के 8 प्रकरण, सीमाज्ञान के 3 प्रकरण, सहमति विभाजन के 2 प्रकरण और 62 नामांतरण प्रकरण शामिल थे।

इसी प्रकारभू.अ.नि. वृत्त धमूकड़ में कुल 13 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। इनमें राजकीय भूमि पर अतिक्रमण का 1 प्रकरण, 10 नामांतरण प्रकरण, सीमाज्ञान का 1 प्रकरण और सहमति विभाजन का 1 प्रकरण शामिल था।

इसके अलावा किशनगढ़ बास तहसीलदार नरेंद्र सिंह भाटिया ने ग्राम मूसाखेड़ा में खसरा नंबर 199 (गैर मुमकिन रास्ता) पर अतिक्रमण को समझाइश कर हटवाया। तहसीलदार लोकेश चौधरी और पुलिस के सहयोग से ग्राम दादिया में रास्ते पर से अतिक्रमण हटाया गया।

रास्तों की भूमि पर से अतिक्रमण साफ कराए जाने के बाद आमजन ने जिला प्रशासन की ओर से चलाए गए अभियान की प्रशंसा करते हुए अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बताया कि राजस्व सुधार अभियान के तहत 6 दिसंबर कोभू.अ.नि. वृत्त नांगल सालिया और जिंदोली में किया जाएगा।

किशनगढ़ बास के गांव मुसाखेड़ा में तहसीलदार नरेंद्र सिंह भाटिया गैर मुमकिन रास्ते को खुलवाते हुए।

- 6 दिसंबर को नांगल सालिया व जिंदोली में होगा शिविर

मन्दिर जीर्णोद्धार को लेकर महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

फुलेरा। कस्बे की न्यू कॉलोनी स्थित श्री सिद्ध गणेश मन्दिर परिसर से माली समाज संस्थान फुलेरा के तत्वाधान में महिलाओं द्वारा सोमवार को गाजे बाजे के साथ विशाल कलश यात्रा निकाली गई।

गौरतलब है कि उक्त कलश यात्रा 3 दिसम्बर को श्रीरामनगर स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मन्दिर के जीर्णोद्धार को लेकर निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक निर्मल कुमावत रहे।

जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता के माली समाज के अध्यक्ष तेजकरण सैनी के द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में धर्मप्रेमी बाबूलाल अजमेरा के नेतृत्व में जीवंत झांकियां सजाई गई।

वहीं पूर्व विधायक और सन्त महन्तो ने हरी झण्डी दिखाकर कलश यात्रा को रवाना किया। जो कि क्षेत्र के मुख्य मार्गों से होती हुई श्रीरामनगर स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मन्दिर पहुंची। इसी बीच धर्म प्रेमियों द्वारा कलश यात्रा का जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनन्दन किया।

इसके बाद मन्दिर परिसर में विद्वान पण्डितों के सानिध्य में सांय 4 बजे से यजमानों द्वारा हवन यज्ञ किया गया। इस अवसर पर शिव परिवार फुलेरा की महिला कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों महिलाएं और समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

- चमत्कारेश्वर महादेव विशाल कलश यात्रा के दौरान जीवन्त झांकियां भी सजाई गई
- पूर्व विधायक और सन्त महन्तो ने गणेश मन्दिर से हरी झण्डी दिखा कर कलश यात्रा को किया रवाना

कलश यात्रा के दौरान उपस्थित लोग।

कार्यक्रम में माताओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिता हुई

फुलेरा। कस्बे की बालाजी बाईपास रोड़ के निकट स्थित माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर परिसर में रविवार को दोपहर 12:15 बजे मातृ सम्मेलन का आयोजन शिक्षाविद् सीमा खण्डेलवाल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय जागृति मंच की प्रदेश महासचिव एवं पार्षदा पूजा भाटी रही। जबकि मुख्य वक्ता के रूप में आदर्श शिक्षा समिति जयपुर पूर्व प्रांत सचिव अशोक पारीक रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने मां शारदे के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात शाला प्रबन्धन समिति ने अतिथियों का शॉल व दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत अभिनन्दन किया। मुख्य वक्ता पूर्व प्रांत सचिव अशोक पारीक ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विद्या भारती के आधारभूत विषयों पर प्रकाश डाला और संगठन की रीति नीति कार्यों पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में आगे बताया कि एक बालक के विकास में मां की भूमिका अहम होती है। इसके लिए उन्होंने जीजाबाई और जयवंता बाई के किस्से सुनाकर अपने बच्चो को उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प दिलाया। वहीं कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार कुमावत ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में माताओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा वहीं कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रश्नोत्तरी की गई।

जिसमें सही जवाब देने वाली मातृ शक्ति को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में अध्यक्षता कर रही सीमा खण्डेलवाल ने उपस्थित माताओं को उनके दायित्व बताए। साथ ही उपस्थित सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन विद्यार्थी छात्रा वंशिका सैनी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर व्यवस्थापक बाबूलाल शर्मा, अध्यक्ष दिनेश चन्द शर्मा, संरक्षक भंवर लाल भोपा, उपाध्यक्ष रामेश्वर लाल कुमावत, सदस्य बाबूलाल बड़ीवाल, अमन अग्रवाल, मनीष यादव, संकुल प्रमुख भगवान सहाय कुमावत, प्रधानाध्यापक विनोद कुमार कुमावत, आरती देवी, मुन्नी देवी, किरण देवी, यशोमती, तारा देवी,गणेश लाल, अर्जुन, प्रियंका, सुगनी देवी सहित सैकड़ों प्रबुद्धजन मातृ शक्तियां उपस्थित रही।

- मातृ सम्मेलन का आयोजन किया

'राजस्थान को औद्योगिक गतिशील प्रदेश बनाने के लिए सरकार हरसंभव मदद कर रही हैं'

दौसा। जिला प्रभारी एवं उद्योग व वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों की हर रुकावट को दूर कर प्रदेश में निवेश अनुकूल माहौल बनाकर औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर राजस्थान को औद्योगिक गतिशील प्रदेश बनाने के लिए राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव मदद कर रही है, ताकि हमारे युवाओं के लिए रोजगार के भरपूर अवसर पैदा हो सके।

कर्नल राठौड़ राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 की कड़ी में सोमवार को यहां जयपुर रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित जिला स्तरीय राइजिंग दौसा इन्वेस्टर मीट में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जिले के औद्योगिक विकास की संकल्पना साकार करते हुए निवेशकों ने उत्साह से 2094.72 करोड रुपए के 95 एमओयू किये, जिससे 5 हजार 818 लोगों को रोजगार मिलेगा। इनमें पावर ग्रिड पीजीसीआईएल द्वारा 1038.43 करोड़ रुपए, श्री मोहनजी यूनिवर्सिटी दौसा द्वारा 500 करोड़, सप्तषि इंस्टीट्यूट गुरप द्वारा 100 करोड़ रुपए, अखिल राज्य ट्रेड एवं इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा 70 करोड एवं केमटेक केपीओ पार्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 50 करोड रुपए के प्रमुख एमओयू किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने कहा कि देश में प्रगतिशील सोच वाली मजबूत सरकार है, जिससे स्थिरता के साथ निवेश अनुकूल माहौल बना है। अपने विशाल एवं विविधतापूर्ण भौगोलिक परिदृश्य के कारण हमारे प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं हैं, जहां दौसा जिला दिल्ली-जयपुर के बीच अपनी विशिष्ट स्थिति के कारण सबसे महत्वपूर्ण निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। दौसा में रीको ने इंडस्ट्रीयल पार्क के लिए जमीन चिह्नित की है। यहां स्टोन पार्क के साथ वुडन पार्क की भी अच्छी संभावना है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य सरकार की ओर से एसी नीतियां बनाई जा रही है, जिससे यहां उद्योग लगाना और उसे चलाना काफी आसान हो। शीघ्र ही रिप्स-2024 सहित 21 नई नीतियां घोषित की जाएगी, जिससे नियमों में स्पष्टता आएगी और निवेशक को निवेश करने में कोई उलझन नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों की जरूरत के मुताबिक कुशल युवक-युवतियां तैयार करने के लिए राज्य सरकार ने टाटा कंपनी के साथ 100 से अधिक आईटीआई के लिए एमओयू किया है। उन्होंने कहा कि जहां बडे औद्योगिक पार्क बनाना व्यावहारिक नहीं है, वहां छोटे कलस्टर बनाकर उनके लिए मार्केटिंग की उचित व्यवस्था की जा रही है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने जिला स्तरीय राइजिंग दौसा इंवेस्टर मीट का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

मंदिर में अज्ञात चोरो ने दिया चोरी की घटना को अंजाम

पावटा। प्रागपुरा कस्बे मे आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के सामने स्थित बाबा बालक नाथ आश्रम मंदिर प्रागपुरा से एक चोरी का मामला सामने आया है, जहां चोरों ने भगवान के पूजा स्थल को भी नहीं छोड़ा। चोरों ने दान पात्र मे रखी नकदी सहित अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार चोरों ने शनिवार की देर रात आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के सामने स्थित बाबा बालक नाथ आश्रम मंदिर प्रागपुरा में चोरी की घटना को अंजाम दिया।

यह घटना शनिवार की रात का बताया जा रहा है, जब चोरों ने मंदिर में धावा बोला। जिसे लेकर बाबा बालक नाथ आश्रम मंदिर प्रागपुरा अध्यक्ष उमराव संगेलिया पुत्र बनवारी लाल वाल्मीकि निवासी बड़नगर ने प्रागपुरा थाना पुलिस मे मामला दर्ज करवाया कि अज्ञात चोरों ने उक्त मंदिर से शनिवार की रात एक पानी की मोटर, तांबे के तीन कमंडल, दो जोड़ी पीतल की खुडताल, एक पीतल की घंटी जिनकी कीमत लगभग 30 हज़ार रुपए है व सहित दान पात्र मे रखे 2500 रुपए चुरा लिए।

भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि यह लॉस एंजिल्स में होने वाले अगले ओलंपिक खेलों के लिए उसकी तैयारी की शुरुआत है। **- रानी रामपाल**

पूर्व भारतीय महिला हॉकी कप्तान, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत की तैयारियों के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नोवाक जोकोविच

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को इसलिए अपना कोच नियुक्त किया क्योंकि वह ब्रिटेन के इस पूर्व खिलाड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। पिछले छह महीने से बिना कोच के खेलने वाले जोकोविच अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो के लिए विदाई मैच खेलने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने और मर्रे ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए एक साथ काम करने की योजना बना रहे हैं। स्पेनिश में कहा, ''जब मैं जूनियर वर्ग में खेला करता था तब से मैंने उनके खिलाफ काफी टेनिस खेली है।''

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

// अगले 3 साल तक भारत और पाकिस्तान मैच दुबई में होने वाले थे //

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर फिर फंसा पेंच! बीसीसीआई ने ठुकराई पीसीबी की मांग

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पाकिस्तान और भारत एक बार फिर सामने सामने हैं। जहां पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता था कि हाइब्रिड मॉडल स्वीकार करने के बदले में उसका भी फायदा हो बीसीसीआई ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दरअसल, पीसीबी का कहना था कि भारतीय टीम उनके देश नहीं आना चाहती तो आगामी इवेंट्स में पाक टीम भी खेलने के लिए भारत नहीं जाएगी और उसके लिए भी हाइब्रिड मॉडल लागू किया जाना चाहिए। साफ तौर पर समझें तो पाकिस्तान की ओर से भारत-पाक मैचों को दुबई में करवाए जाने की मांग रखी गई थी। वहीं अब एक नए खुलासे में कहा गया कि बीसीसीआी ने पाकिस्तान की इस मांग को खारिज कर दिया है।मांग ये थी कि अगले 3 साल तक किसी भी आईसीसी इवेंट में होने वाले भारत और पाकिस्तान मुकाबले को न्यूट्रल वेन्यू पर करवाया जाए। न्यूट्रल वेन्यू के रूप में दुबई का नाम लिया गया था और इस फॉर्मूला को पहले पार्टनरशिप कहकर संबोधित किया गया। शुरुआत में इसे हरी झंडी दिखाए जाने की खबरें थीं, लेकिन अब पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार भारतीय बोर्ड ने इसे ठुकरा दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने पहले इस पार्टनरशिप फॉर्मूला में दिलचस्पी दिखाई थी, जिसके तहत अगले 3 साल तक भारत और पाकिस्तान मैच दुबई में होने वाले थे। रविवार को छुट्टी का हवाला देते हुए बीसीसीआई ने कोई फैसला नहीं सुनाया। वहीं सोमवार और मंगलवार को यूएई में दफ्तर बंद होते हैं। इसी बीच जय शाह ने 1 दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभाल लिया है। इन सभी घटनाओं के बीच चैंपियंस ट्रॉफी मामले का फैसला अब भी अधर में लटका हुआ है। एक पाकिस्तानी मीडिया वेबसाइट के अनुसार पीसीबी के सूत्र ने बताया कि, हमने बिल्कुल उचित समाधान पेश किया था। अब अगर भारत इस फॉर्मूला को स्वीकार नहीं करता है तो वह हमसे ये उम्मीद ना करे कि हम भविष्य में अपनी टीम को उनके देश भेजेंगे। अगर भविष्य में भारत में कोई आईसीसी इवेंट होता है तो उसे हमारे खिलाफ मैच दुबई में खेलना होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर विवाद पर शोएब अख्तर का विवादित बयान

इंडिया को वहीं पर मार के आओ...

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं कई दिनों तक अपनी जिद्द पर डटे रहने के बाद आखिरकार पीसीबी इस वैश्विक टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में कारने में राजी हो गया है। इस बीच पूर्व पाकिस्तान गेंदबाज शोएब अख्तर ने एक पाकिस्तानी चैनल पर विवादित बयान दिया है। दरअसल, अख्तर 2025 चैंपियंस ट्रॉफी पर भारत और आईसीसी के रवैये से खुश नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने एक विवादित बयान दे दिया है। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। ये वैश्विक टूर्नामेंट अगले साल फरवरी में खेला जाना है। हालांकि, सुरक्षा कारणों का हवाला देकर भारत ने अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया था। ऐसे में अब ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला

जाएगा। इसमें भारतीय टीम अपने मैच दुबई में खेलेगी। भारत और पाकिस्तान का मैच भी दुबई में खेला जाएगा। हालांकि, पीसीबी कुछ शर्तों के साथ हाइब्रिड मॉडल पर तैयार हुआ है।

पीसीबी ने आईसीसी से कहा है कि जब भारत में किसी आईसीसी इवेंट का आयोजन होगा तो वो भी अपनी टीम वहां नहीं भेजेगा। ऐसे में तब भी आईसीसी को वो टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में कराना होगा। हालांकि, इस पर शोएब अख्तर का रुख एकदम अलग है।

शोएब अख्तर ने कहा कि, आपको होस्टिंग राइट्स और रेवेन्यू के लिए पेमेंट किया जा रहा है। ये ठीक है हम समझते हैं। पाकिस्तान का स्टांस भी अपनी जगह बिल्कुल ठीक था। ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए था। जब हम अपने देश में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने में सक्षम हैं तो वो आने से मना कर रहे हैं। आईसीसी को हमें हाई रेवेन्यू शेयर करना चाहिए। ये एक अच्छा कॉल है। भविष्य में किसी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान टीम के भारत जाने पर शोएब अख्तर ने कहा कि, जहां तक भारत में खेलने की बात है तो हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए। हमारी टीम को वहां जाना चाहिए मेरा हमेशा से मानना है कि इंडिया जाओ और उन्हें वहीं मारो हराओ। भारत में खेलो और उन्हें वहीं हरा के आओ।

अंडर-19 एशिया कप: भारत ने जापान को 211 रनों से दी शिकस्त

शारजाह, 2 दिसंबर। कप्तान मोहम्मद अमान (नाबाद 122) की शतकीय, आयुष म्हात्रे (54) और केपी कार्तिकेय (57) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने सोमवार को अंडर-10 एशिया कप के आठवें मुकाबले में जापान को 211 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत के दो मैचों में एक हार और एक जीत के साथ दो अंक हो गये और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

340 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम की शुरुआत धीमी रही। ह्युगो केली और निहार परमार की सलामी जोड़ी ने संभल कर खेलते हुए पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 14वें ओवर में हार्दिक राज ने निहार परमार (14) को आउट भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद कप्तान कोजी आबे (शून्य) को केपी कार्तिकेय ने बोल्ड कर भारत के लिए दूसरा विकेट झटका। काज़ुमा काटो-स्टैफ़र्ड (आठ) पर रनआउट हुये। 33वें ओवर में हार्दिक राज ने ह्युगो केली को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। केली ने 111 गेंदों में छह चौके लगाते हुये (50) रनों की पारी खेली। इसके बाद चार्ल्स हिंजे को छोड़कर जापान का कोई भी

बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सका। चार्ल्स हिंजे ने 68 गेंदों में (नाबाद 35) रन बनाये। तिमुती मूरे (एक), आदित्य फाड़के (नौ) और केवाई लेक (एक) रन बनाकर आउट हुये।

राष्ट्रीय अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी (मल्टी डेज) हेतु राजस्थान अंडर 16 टीम घोषित

जयपुर 2 दिसंबर। आगामी 6 दिसंबर से खेली जाने वाली राष्ट्रियअंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी (मल्टी डेज) में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 16 टीम का चयन राजस्थान जूनियर चयन समिति ने किया।राजस्थान का पहला मैच दिनांक 6 दिसंबर से 2024 को विजयवाड़ा में खेला जायेगा। राजस्थान अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी टीम :-रजत बघेल (कप्तान), आदित्य वाधवा (उपकप्तान), राहुल, यथार्थ भारद्वाज, शिफॉन खान, शुभांग सिंह भाटी, अलोक गुर्जर, शरद सुथार,,आराध्य अग्रवाल, गुरमान सिंह, पुरु देवद्राल, सुजल परमार, अक्षय वैष्णव, मिरान खान, हर्ष सिंह, हितार्थ सोलंकी, तरुण कुमार, यश चौधरी, कुणाल राजपुरोहित, योजित चौधरी, आशीष, टीम दिनांक 3 दिसंबर को विजयवाड़ा के लिए प्रस्थान करेगी। **राज्य स्तरीय अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता (कोटा चैंपियन)** कोटा ने उदयपुर को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराया। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता के आज कोटा - उदयपुर टीमों के मध्य खेले जा रहे 2 दिवसीय फाइनल मैच के अंतिम दिन कोटा ने उदयपुर को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर प्रतियोगिता की चैंपियन बनी। प्रतियोगिता के समापन की प्रेजेंटेशन सेरेमनीमें आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावतने प्रतियोगिता की विजेता , उपविजेताटीमों को ट्रॉफी व सभी खिलाडियों , मैच ऑफिशियल को मोमेंटो प्रदान किये।

ऑस्ट्रेलिया टीम दो गुटों में बंटी?

एडिलेड, 2 दिसम्बर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया था जिसे भारत ने जीत लिया। वहीं अब दोनों टीमों के बीच 6 दिसंबर से एडिलेड में पिंक बॉल टेस्ट खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम में फूट की खबरें सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि, ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम बैटर्स और बॉलर्स के ग्रुप में बंट गया है और टीम में मतभेद चल रहे हैं। कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने भी इसको लेकर अपनी बात रखी है। हालांकि, अब ट्रेविस हेड ने इस पर बयान दिया है।बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से पहले ट्रेविस हेड ने खुलकर अपनी बात रखी और कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में किसी तरह का मतभेद नहीं है। हेड ने पर्थ टेस्ट को याद करते हुए कहा कि, मुझे याद है कि वह मैच जल्दी खत्म हो गया था। हमने उस मैच का भरपूर आनंद लिया था। फिर से ऐसा करना अच्छा होगा लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगले

मैच में ऐसा होगा। हेड ने इसके साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया की आउट ऑफ फॉर्म बैटिंग और बॉलिंग यूनिट के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है। पहले टेस्ट के दौरान जोश हेजलवुड के एक बयान के बाद टीम के अंदर मतभेद की आशंका व्यक्त की जाने लगी थी।

उन्होंने कहा कि, हमें दोनों डिपार्टमेंट यानी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से काफी उम्मीदे हैं। ये एक बहुत ही पर्सनल गेम है। बल्लेबाजी में हम मजबूत पकड़ बनाना चाहते हैं।

एसएफए चैंपियनशिप 2024

स्क्वैश खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 2 दिसंबर। एसएफए चैंपियनशिप 2024 जयपुर के चौथे दिन स्क्वैश खिलाड़ियों ने एक्शन में मुख्य भूमिका निभाई। इसमें नीरज मोदी स्कूल, मानसरोवर की गौरवी अजमेरा ने स्वर्ण पदक जीता और महाराजा सवाई मान सिंह विद्यालय, रामबघल की लक्ष्य्या राजवत ने लड़कियों के अंडर-9 एकल वर्ग में दबदबा बनाया। ख़ास बात यह रही की चैंपियनशिप का आधिकारिक रूप से सोमवार को शुभारंभ हुआ, जिससे आगे रोमांचक प्रतियोगिताओं के लिए मंच तैयार हो गया। दूसरी ओर, सेंट एन्सलम्स स्कूल, मानसरोवर के कविश चौधरी ने लड़कों की अंडर-10 टेनिस स्पर्धा के फाइनल में सिरसी रोड स्थित तेओलर अनबाउंडेड के साहिल खान को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। शहर में चैंपियनशिप के चौथे दिन सोमवार को एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, खो-खो और अन्य टूर्नामेंट भी शुरू हुए, जिसमें आने वाले दिनों में पदक स्पर्धाएँ निर्धारित हैं। इसके अलावा, लड़कों की अंडर-9 शतरंज स्पर्धा में, कैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल ने श्लोक मेहता और शौर्य शर्मा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्वर्ण और रजत पदक जीता, जो क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

शाम के समय गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होता है : पुजारा

एडिलेड, 2 दिसंबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दूसरे दिन रात्रि टेस्ट मैच को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि लाल और गुलाबी गेंद में अंतर होता और शाम के समय गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होता है।

पुजारा ने कहा, जिसने भी गुलाबी गेंद से टेस्ट खेला है वह आपको बताएगा कि शाम के समय बल्लेबाजी करना सबसे मुश्किल होता है। उस समय रोशनी पूरी तरह से नहीं होती है, ना ही पूरा अंधेरा होता है उस समय स्टेडियम की लाइट जलाई जाती है और तब आपको थोड़ा कम दिखता है। उस समय बल्लेबाजों के लिए गुलाबी गेंद खेलना अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।

उन्होंने, आपने देखा होगा कि लाल गेंद अधिक चमकती नहीं होती है। इसमें पेंट की कुछ अधिक लेयर होती हैं, जो जल्दी से नहीं जाती है। जब आप लाल गेंद का सामना कर रहे हो तो यह आम लेदर गेंद है जो जल्दी से पुरानी हो जाती है।

जबकि गुलाबी गेंद में अधिक समय तक चमक बनी रहती है।

उन्होंने कहा, गुलाबी गेंद पर पेंट की अधिक लेयर होती हैं और जब यह पिच पर पड़ती है, सीम पर गिरती है या चमकीले हिस्से पर भी गिरती है तो इसमें थोड़ा अधिक जोखिम होता है। ऐसे समय में बल्लेबाज के तौर पर आपके पास कम समय होता है। आपके पास लाल गेंद खेलने जितना समय नहीं होता है और यही बड़ा अंतर है जिसमें ढलना होगा।

अंडर-19 एशियाकप: पाकिस्तान ने यूएई को 69 रनों से हराया

दुबई, 2 दिसंबर। शाहजेब खान (132) और मुहम्मद रियाजुल्लाह (106) रनों की बेहतरीन शतकीय पारियों के बाद अब्दुल सुभान (छह विकेट) की दमदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने सोमवार को अंडर-19 एशियाकप के ग्रुप ए के सातवें मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 69 रनों से हरा दिया है। 315 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये थे। यायिन राय (18), आर्यन सक्सेना (24) और अक्षत राय (पांच) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद एथन डिसूजा, मुहम्मद रेयान ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिय 113 रनों की साझेदारी हुई। मुहम्मद रेयान ने 66 गेंदों में एक चौके और तीन छक्के लगाते हुए (50) रन बनाये। नूरुल्लाह अयोबी (एक), अयान अफजल खान (15), अब्दुल्ला तारिक (एक) रन बनाकर आउट हुये।एथन डिसूजा ने 102 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (84)रनों की पारी खेली। यूएई की टीम निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 245 रन ही बना सकी और 59 रनों से मुकाबला हार गई।

महिला वर्ग में सम्भव डायग्नोस्टिक विजेता और शुभम केअर हॉस्पिटल उपविजेता

जयपुर, 2 दिसम्बर। डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का छठा संस्करण 22 नवंबर से स्पोफिट अकादमी में चल रहा था जो कि 1 दिसंबर को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ राजवेंद्र चौधरी आज फाइनल मुकाबलों को देखने के लिए उपस्थित थे। मुकाबलों की समाप्ति के बाद उन्होंने विभिन्न वर्गों के विजेता, उपविजेता तथा तृतीय स्थान पर रहे खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया और उनका हौसला बढ़ाया।

लीग संयोजक डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि 1/12/2024 को सभी वर्गों के फाइनल मैचेज हुए। बॉयज वर्ग में फाइनल में केडिया होटशॉट्स ने शॉल्डर एंड नी सर्जरी क्लीनिक को हराया और विजेता बनी। तृतीय स्थान पर लिपि लेजेंड्स और आँच टाइटन्स रहे।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 को दी मात

कैनबरा, 2 दिसम्बर। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 को कैनबरा के मनुका ओवर में 2 दिवसीय अभ्यास मैच में 6 विकेट से मात दी। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। वह मिडिल ऑर्डर में खेले। वहीं शुभमन गिल ने अपना फिफ्टी जड़ा। वॉशिंगटन सुंदर, केएल राहुल, नितीश रेड्डी और रविंद्र जडेजा ने अच्छी बल्लेबाजी की।

हालांकि, इस दौरान विराट कोहली और ऋषभ पंत ने बल्लेबाजी नहीं की। जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन ने गेंदबाजी नहीं की। ऑस्ट्रेलिया की बात करें तो सैम कोनस्टास ने शतक जड़कर प्रभावित किया। पहला दिन शनिवार को बारिश के कारण बाधित रहा। टॉस तक नहीं हो सका। दूसरे और अंतिम दिन रविवार को भारत ने टॉस

जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

50-50 ओवर का मैच बारिश के कारण 46-46 ओवर का हुआ। ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 ने 43.2 ओवर में 240 रन बनाए। सैम कोनस्टास ने 97 गेंद पर 107 रन बनाए। हेन्नो जैकब्स ने 59 गेंद पर 61 रन ठोके। जैक क्लेटन ने 40 रन की पारी खेली। तो भारत की तरफ से हर्षित राणा ने 4, आकाशदीप ने 2, मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा ने 1-1 विकेट की सफलता हासिल की।

वहीं भारत की पारी की बात करें तो, टीम इंडिया ने 5 विकेट पर 256 रन बनाए। 17 रन की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम की बल्लेबाजी की बात करें तो यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 27 और शुभमन गिल 50 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए। रोहित शर्मा का बल्ला नहीं चला। उन्होंने 3 रन बनाए। नितीश रेड्डी 42 और रविंद्र जडेजा 27 रन बनाकर आउट हुए। सरफराज खान 1 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर 43 और देवदत्त पडिक्कल 3 रन बनाकर नाबाद रहे। चार्ली एंडरसन ने 2, लॉयड पोप, मैट रेनशॉ और जैक क्लेटन को 1-1 विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 6 दिसंबर से दूसरा टेस्ट डे नाइट होगा।

भुवनेश्वर ने जीता पहला मुकाबला

अखिल भारतीय एस.बी.आई. इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट शुरू

पटना पर की 2-0 से एकतरफा जीत दर्ज

जयपुर, 2 दिसम्बर। भुवनेश्वर ने सोमवार से शुरू हुई अखिल भारतीय एस.बी.आई. इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच जीत लिया। भुवनेश्वर ने पटना पर 2-0 से एकतरफा जीत दर्ज की।

पहले एकल मुकाबले में भुवनेश्वर के अभिलाश पाण्डा ने पटना के के.चटर्जी को 21-17, 21-14 से हराया। युगल में जी.प्रसाद और सत्या की जोड़ी ने गौतम वर्मा और मोरीय की जोड़ी को 21-7, 21-11 से शिकस्त दी। प्रतियोगिता में एस.बी.आई. के सभी 17 सर्किलों टीमें भाग ले रही हैं। टीमों में राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर के 175 खिलाड़ी शामिल हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन उप-प्रबंध निदेशक एवं कॉर्पोरेट विकास अधिकारी बिनोद कुमार मिश्रा ने किया। इस मौके पर सर्किल वेलफेयर कमेटी के सचिव के विनोद तंवर, सी.एम.जी. (एचआर) राजीव कुमार, एसबीआई ओ.ऐ. के अध्यक्ष रामावतार सिंह जाखड़ और एस.बी.आई. ओ.ऐ. के महासचिव विनय कुमार, एस.ई.डब्ल्यू.ए. के अध्यक्ष अशोक कुमार मीणा, एस.आई.एस.बी.आई. एस.पी. के महासचिव एल. चन्द्र शेखर, ए.आई.एस.बी.आई. के वर्किंग प्रेसिडेंट पंकज कौशिक व एस.बी.आई. एस.एफ. के प्रेसिडेंट आर श्रीराम, टूर्नामेंट के चीफ रेफरी जगदीश खत्री और डिप्टी रेफरी विकास माथुर भी मौजूद थे। इससे पूर्व बिनोद कुमार मिश्रा और राजीव कुमार ने बैडमिंटन खेलकर मैचों की विधिवत शुरूआत करवाई। उद्घाटन समारोह में मिश्रा ने कहा कि बैंक शीघ्र ही खिलाड़ियों की भर्ती करेगा, उन्होंने कहा कि बैंक सदैव खिलाड़ियों का सदैव सम्मान करता है और खेल एवं खिलाड़ियों को सदैव प्रोत्साहित करता हैं।

फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024

टीम इंडिया-सीनियर व इंडिया-बी में फाइनल

जयपुर, 2 दिसंबर। फिजिकल डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 का तीसरा दिन काफी रोमांच से भरा हुआ था। टीम इंडिया-ए के फाइनल में प्रवेश करने पर मैदान और दर्शकों में काफी उत्साह और जुनून देखने को मिला। यह ट्रॉफी राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) द्वारा पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी में आयोजित की जा रही है। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच 3 दिसंबर को सुबह 10 बजे खेला जाएगा।

फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के तीसरे दिन का पहला नॉक आउट मैच इंडिया-ए और इंडिया-सी के बीच खेला गया। पहले खेलते हुए इंडिया-ए ने एक विशाल स्कोर 173/7 खड़ा किया। टीम इंडिया-ए ने शुरुआती तीन विकेट्स बहुत ही कम स्कोर (20/3) पर खोये, जिसके बाद टीम के कप्तान रविन्द्र शांते ने 36 गेंदों का सामना करते हुए 56 रन और दीपेश भारती ने 27 गेंदों में 46 रन की एक महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए टीम को एक मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। टीम इंडिया-सी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपना पहला विकेट दूसरे ही ओवर में खो दिया। जसवंत सिंह ने टीम के लिए एक संघर्षपूर्ण पारी का प्रदर्शन करते हुए 34 गेंदों में 29 रन की नाबाद पारी खेली। टीम इंडिया-ए ने 46 रन से यह मैच जीता। इंडिया-ए के कप्तान रविन्द्र शांते को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

निशानेबाज तनुज राज सिंह ने राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 2 दिसंबर। स्पोर्ट्स फॉर आल चैंपियनशिप जयपुर 2024-25 सत्र-02 में राजस्थान राज्य के 17 वर्षीया युवा निशानेबाज तनुज राज सिंह ने असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए पीप साइट राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। उनका प्रदर्शन न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को उजागर करता है बल्कि राजस्थान को सम्मान भी दिलाता है और राज्य भर के आगामी निशानेबाजों को प्रेरित करता है। उनकी सफलता वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाती है, जो उन्हें क्षेत्र में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक आदर्श बनाती है। युवा निशानेबाज तनुज राज सिंह ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया है, जिससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर शूटिंग खेलों में राजस्थान की बढ़ती प्रतिष्ठा में योगदान मिला है। राजस्थान राइफल एसोसिएशन, राज्य सरकार, खेल संघ और प्रशंसक तनुज राज सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई देते हैं। उनकी उपलब्धियाँ राजस्थान के एथलीटों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

// राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ //

जयपुर दोनों वर्गों में चैंपियन

जयपुर, 2 दिसंबर। चित्तौड़गढ़ में सोमवार को संपन्न चार दिवसीय 41वी राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका)-2024-25 में जयपुर ने अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए बालक एवं बालिका वर्ग के ख़िताब अपने नाम किये। बालक के खिताबी मुक़ाबले में जयपुर ने जहां आएसएससी अकादमी-जैसलमेर को संघर्षपूर्ण मुक़ाबले में 26-24 से हराया। मध्यांतर तक दोनों टीमे 12-12 से बराबरी पर थी। वही बालिका वर्ग के फाइनल में जयपुर ने दुलमाना हैंडबॉल अकादमी-हनुमानगढ़ को 21-11 से हराया। मध्यांतर तक विजेता टीम 11-05 से आगे थी।

इससे पहले तीसरे स्थान के लिये खेले गये मैचों में दोनों वर्गों में श्रीगंगानगर ने जीत दर्ज की। बालक वर्ग में श्रीगंगानगर ने चित्तौड़गढ़ को 28-18 (10-06) से तथा बालिका वर्ग में श्रीगंगानगर ने सीकर को 15-13 (07-07) से हराया।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के बालक वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आएसएससी अकादमी-जैसलमेर के आशीष को स्व. लोकेंद्र सिंह गौड़ तथा बालिका वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जयपुर की टीना को स्व. तनेराम मेघवाल की स्मृति में 1500-1500 रू. का नक़द पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वही चित्तौड़गढ़ ज़िला हैंडबॉल संघ की ओर से सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर की ट्रॉफी बालक वर्ग में जयपुर के विकास को तथा बालिका वर्ग में दुलमाना हैंडबॉल अकादमी की निकिता को प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनसे चर्चा की। राज्यपाल से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह शिष्टाचार भेंट थी।

33 प्रतिशत महिला आरक्षण पर बार काउन्सिल को पक्षकार बनाया

जयपुर, 2 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर व जोधपुर, द बार एसोसिएशन जयपुर सहित प्रदेश की बार एसोसिएशन चुनाव में महिला अधिवक्ताओं को 33 फीसदी आरक्षण नहीं देने के मामले में बार काउन्सिल ऑफ इंडिया को पक्षकार बनाने को कहा है। राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता हेमा तिवाड़ी की जनहित याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट बार और द बार एसोसिएशन को नोटिस तामील होने के बाद भी, उनकी ओर से कोई पेश नहीं हुआ है। ऐसे में लगता है कि उन्हें महिला आरक्षण पर कोई आपत्ति नहीं है।

सुनवाई के दौरान, बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने याचिका पर प्रारंभिक आपत्तियां उठाईं। बार

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने जनहित याचिका में यह आदेश दिये।**

काउन्सिल ऑफ राजस्थान (बी.सी.आर.) की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता स्वयं बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान का चुनाव लड़ना चाहती हैं। ऐसे में व्यक्तिगत हितों को लेकर जनहित याचिका पेश नहीं हो सकती। वहीं, महिला आरक्षण को लेकर नियम बनाने का अधिकार बार काउन्सिल ऑफ इंडिया को है और याचिका में बार काउन्सिल ऑफ इण्डिया (बी.सी.आई.) को पक्षकार नहीं बनाया गया है। इस पर कोर्ट ने बी.सी.आई. को पक्षकार बनाने के आदेश देते हुए मामले की सुनवाई 10 दिसंबर को रखी है।

जनहित याचिका में कहा गया कि नारी शक्ति वंदन अभियान-2023 के तहत, महिला आरक्षण अधिनियम लाया गया, जिसके तहत महिलाओं को संसद में 33 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया गया। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर 2024 को अदिति चौधरी बनाम बार काउन्सिल ऑफ दिल्ली व अन्य के मामले में बार काउन्सिल ऑफ दिल्ली को निर्देश दिया है कि वह बार काउन्सिल के चुनावों में महिला अधिवक्ताओं के लिए भी 33 फीसदी सीट आरक्षित रखे। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने भी बी.सी.आर. को महिला अधिवक्ताओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के लिए 28 अगस्त को प्रतिवेदन दिया था, लेकिन उसके प्रतिवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। देश में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के पद पर महिला नियुक्त हो चुकी हैं, लेकिन बी.सी.आर. में चेयरमैन व वाइस चेयरमैन के पद पर कभी भी कोई महिला नियुक्त नहीं हुई। इसलिए बी.सी.आर., हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर व जोधपुर सहित अन्य जिला बार एसोसिएशनों में भी महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देते हुए 33 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जाए।

'केन्द्र सरकार बंगलादेश में संयुक्त राष्ट्र सेना तैनात कराये'

कोलकाता, 02 दिसंबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को बंगलादेश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और संकटग्रस्त देश में संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना की तैनाती के लिए केंद्र सरकार से पहल करने का आग्रह किया।

बनर्जी ने विधानसभा में कहा, हम बंगलादेश के मामलों पर कुछ नहीं कह सकते, लेकिन हमारा रुख स्पष्ट है कि बंगलादेश पर केंद्र जो भी फैसला करेगा, हम सरकार के साथ हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई आना चाहे और साथ में खाना

- **ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा, केन्द्र बंगलादेश पर जो भी फैसला करेगा, हम उसका साथ देंगे।**

खाए, तो हम उसे समायोजित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति की मांग हो, तो राज्य विधानसभा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन की तैनाती के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेज सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बंगलादेश में सताए गए भारतीयों को बचाने और उनके पुनर्वास के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया।

बनर्जी ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से संसद सत्र के दौरान बंगलादेश की स्थिति के बारे में भारत के रुख पर बयान देने की भी मांग की।

'पहले साल में 47 प्रधान खनिज ब्लॉक नीलाम कर देश में पहला स्थान'

मुख्यमंत्री ने खान विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को लक्ष्य बनाकर काम करने को कहा

- **मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने 5 साल में 34 प्रधान खनिज ब्लॉक नीलाम किये थे, यह सरकार एक वर्ष में 47 ब्लॉक नीलाम कर चुकी है। इसी प्रकार पिछली सरकार ने अप्रधान, खनिज के 5 साल में 286 प्लॉट नीलाम किये, जबकि, यह सरकार एक वर्ष में 426 प्लॉट्स नीलाम कर चुकी है।**
- **समीक्षा बैठक में प्रमुख शासन सचिव खान व पेट्रोलियम टी. रविकांत ने प्रस्तुतिकरण देकर विभाग के कार्यक्रमों, नवाचारों व योजनाओं की जानकारी दी।**

जयपुर, 2 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में खनिज संसाधनों की अपार संभावनाएं हैं तथा लगभग 30 लाख लोगों को खनन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। राज्य के राजस्व में भी खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि खनिज सम्पदा का समुचित दोहन हो तथा इस क्षेत्र में राजस्व में बढ़ोतरी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग खनन खोज कार्य में तेजी लाते हुए, नये खनन क्षेत्रों की पहचान करे तथा नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खान एवं पेट्रोलियम विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह बेहद हर्ष का विषय है कि वर्तमान सरकार ने अपने प्रथम वर्ष के कार्यकाल में ही 47 प्रधान खनिज ब्लॉक्स नीलाम कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जबकि गत सरकार ने अपने पूरे 5 साल के कार्यकाल में केवल 34 ब्लॉक ही नीलाम किये थे। उन्होंने कहा कि इसी तरह, वर्तमान सरकार ने प्रथम वर्ष में अप्रधान खनिज के खनन पट्टे हेतु 426 प्लॉट्स की नीलामी की है, जबकि पिछली सरकार के कार्यकाल में मात्र 282 प्लॉट्स ही नीलाम हुए थे। यह दर्शाता है कि हमारी सरकार खनन से राज्य के राजस्व को बढ़ाने एवं भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

शर्मा ने कहा कि हाल ही में कैबिनेट ने नई खनिज नीति 2024 तथा नई एम-सैण्ड नीति 2024 को मंजूरी दी है। नई खनन नीति से प्रदेश में खनन आधारित उद्योगों, औद्योगिक निवेश, युवाओं व स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा एवं राजस्व में बढ़ोतरी होगी। साथ ही, अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने में भी यह नीति महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि नई एम-सैण्ड नीति से प्रदेश में एम-सैण्ड इकाइयों की स्थापना और बजरी के सस्ते विकल्प के रुप में एम-सैण्ड के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में खनिज ब्लॉक्स की नीलामी की प्रगति, डी.एम.एफ.टी. मद से प्राप्त राशि के सही उपयोग की गाइडलाइन, विभागीय भर्तियां, सिरैमिक एवं रेयर मैटल्स के सेन्टर ऑफ एक्सलैंस की प्रगति, भारत सरकार के स्तर पर लंबित मुद्दे सहित, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम टी. रविकांत ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से खान विभाग के कार्यक्रमों, नवाचारों एवं योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित, विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

पहली बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिन्दुओं पर हो रहे हमले का विरोध किया। उन्हें भय है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हिंसा जारी रही तो भारत में उसकी गंभीर प्रतिक्रिया हो सकती है।

हिंदुओं पर हमले से बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के समक्ष भारी अनिश्चितता है। वे खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। बांग्लादेश की आज़ादी से पहले, पाकिस्तान और पाकिस्तानी सेना ही हिंदुओं को निशाना बनाती थी।

आज़ादी के बाद, हिंदुओं पर हमले कम होने की बजाय बढ़ गए। बदले माहौल में, जब बंगाली सत्ता में आए, तब उन्होंने ही हिन्दुओं के खिलाफ साम्प्रदायिक हिंसा की। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश में बांग्ला पहचान, मुस्लिम पहचान में कहीं खो गई है और कट्टरपंथी लोग हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने इन कट्टरपंथियों को काफी हद तक नियंत्रण में रखा था। पर अब शेख हसीना नहीं हैं तथा सब कुछ कट्टरपंथियों के हाथ में है। अंतरिम सरकार कट्टरपंथियों पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। देश में ये ताकतें लगातार हिंसा कर रही हैं और इससे भारत में भी नई ताकतें उभर रही हैं, खासकर पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्र में।

अडानी की मुश्किलें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चलना कठिन हो रहा है। प्रवक्ता ने कहा, "हम बाँग्लादेश पावर डिपार्टमेन्ट के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही, सरकारी अधिकारियों के साथ निरन्तर संवाद बनाये हुये हैं। उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि हमारी बकाया राशि का मुद्दा जल्दी निबट जायेगा।"

रिपोर्टों के अनुसार, अडानी पावर की बाँग्लादेश की तरफ बकाया राशि 650 मिलियन डॉलर से बढ़कर 900 मिलियन डॉलर हो गई है। पिछले दो महीनों में, बाँग्लादेश ने 182 मिलियन डॉलर का भुगतान कर दिया है।

रिपोर्ट कहती हैं कि बाँग्लादेश चाहता है कि अडानी पावर कीमतों में काफी कमी करे। लेकिन अडानी पावर के प्रवक्ता का कहना है कि उनके पास ऐसा कोई संकेत नहीं है कि बाँग्लादेश अपने बिजली-खरीद-समझौते पर पुनर्विचार कर रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार, बाँग्लादेश को बिजली सप्लाई करने वाले सप्लायरों की तुलना में, अडानी पावर की दरें सबसे अधिक हैं। कम्पनी की प्रति यूनिट लागत 14.87 टका है, जबकि अन्य भारतीय सप्लायरों के लिये यह लागत औसतन 9.57 टका प्रति यूनिट है।

मोदी सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ हंगामा कर रहा था क्योंकि आसन विपक्ष को उसके स्थगन प्रस्तावों की अनुमति नहीं दे रहे थे। जयराम रमेश ने यह संकेत दे दिया है कि दोनों पीठासीन अधिकारी सरकार के दबाव में किसी स्थगन प्रस्ताव की अनुमति नहीं दे रहे थे।

अनूप बरतरिया का गिरफ्तारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने पूर्व में जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील स्पेशल मैसेन्जर से कराने को कहा है। अदालत ने यह आदेश अनूप बरतरिया व अन्य की ओर से दायर प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ 23 मई, 2024 को प्रसंज्ञान लेकर समन जारी किए थे। वहीं, 2 फरवरी, 2018 को इनके जमानती वारंट जारी किए गए। आरोपियों को अदालती आदेश की जानकारी होने के बावजूद, वे अदालत में पेश नहीं हुए। ऐसे में उन्हे विधि सम्मत तरीके से गिरफ्तारी वारंट के जरिए तलब किया है।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि उनका परिवादी से राजीनामा हो गया है और विवादित चेक राशि भी जमा कराई जा चुकी है।

एन.आई. एक्ट की धारा 138 जमानतीय अपराध है। उन पर जमानती वारंट की तालीम नहीं हुई है और सीधे गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं किए जा सकते। ऐसे में गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदला जाए, जिसका विरोध करते हुए परिवादी यूको बैंक की ओर से अधिवक्ता दिनेश गर्ग ने कहा कि आरोपियों को प्रकरण की पूरी जानकारी होने के बावजूद, वे अदालत में हाजिर नहीं हो रहे हैं। ऐसे में उनके प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदलने से इनकार कर दिया है।

सरकारी कर्मचारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत राज्य सरकार के दिन-प्रतिदिन के तबादला आदेश में दखल देगी तो जनहित में होने वाले काम अटक जाएंगे। इसके साथ ही, अदालत ने राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसरों की ओर से तबादला आदेश के खिलाफ पेश याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को नए पदों पर कार्यभार ग्रहण करने को कहा गया है। अदालत ने कहा कि यदि वे इन पदों पर कार्यग्रहण ग्रहण नहीं करते हैं तो कृषि विवि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र सिंह व अन्य की याचिकाओं पर दिए। अदालत ने कहा कि स्वायत्तशासी संस्था होने के चलते कृषि विश्वविद्यालय के कर्मचारी राज्य सरकार के कर्मचारियों की परिभाषा में नहीं आते हैं। राज्य सरकार इनके वित्त मामलों में ही सीमित भूमिका रखती है। ऐसे में राज्य सरकार के तबादला संबंधी आदेश उन पर लागू नहीं होते हैं।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में कीट विज्ञान के सहायक प्रोफेसर पद पर अक्टूबर, 2020 से काम कर रहे हैं। राज्य सरकार ने 4 जनवरी, 2023 को अधिसूचना जारी कर सभी विभागों, निगमों और स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों का तबादला करने पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद, याचिकाकर्ताओं का यहां से तबादला कर दिया। इसके अलावा, नियमानुसार पांच साल के कार्यकाल से पहले उनका तबादला नहीं किया जा सकता। इसका विरोध करते हुए, कृषि विवि के अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने बताया कि विवि स्वायत्तशासी संस्था है और राज्य सरकार हाल ही में पत्र जारी कर स्पष्ट कर चुकी है कि तबादलों पर रोक का आदेश विवि पर लागू नहीं होता। इसके अलावा, याचिकाकर्ता विवि में विभिन्न पदों पर करीब तीन दशकों से काम कर रहे हैं। ऐसे में कुलपति को उनका तबादला करने का पूरा अधिकार है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

अकाल तख्त ने प्रकाश सिंह बादल को दोषी माना, खिताब रद्द

चंडीगढ़ , 02 दिसंबर। सर्वोच्च सिख धार्मिक संस्था अकाल तख्त ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक रहे दिवंगत प्रकाश सिंह बादल का 'फख्र-ए-कौम पंथ रत्न' खिताब रद्द करने की घोषणा की। संस्था का कहना था कि बादल सिरसा डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को माफी देने के प्रकरण में भी संलिप्त रहे थे। अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह और अन्य ने इसी के साथ शिरोमणि अकाली दल की कोर कमेटी को पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के इस्तीफे को स्वीकार करने का निर्देश दिया। अकाल तख्त सुखबीर सिंह बादल को तनखैया घोषित कर चुका था और सोमवार को अकाली नेताओं को सज़ा सुनाई जा रही थी। अकाल तख्त ने अकाली नेताओं को दरबार साहिब परिसर में बाथरूम सफाई, बर्तन साफ करने और श्रद्धालुओं के जूते साफ करने व गुरद्वारे में कीर्तन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

'हर मतदान केन्द्र पर वोटर्स की संख्या कैसे बढ़ी?'

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि हर बूथ पर वोटर्स की संख्या 1200 से बढ़कर 1500 कैसे हो गई

- **चीफ जस्टिस संजीव खन्ना एवं जस्टिस संजय कुमार की बैंच ने चुनाव आयोग को इस पर एक लघु शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया।**
- **सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका में मांग की गई है कि 1957 से 2016 तक सभी पोलिंग बूथ पर 1200 वोटर्स की संख्या का नियम पालन हो रहा था पर एकाएक यह संख्या बढ़ा दी गई।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सुनवाई के लिए 17 जनवरी 2025 की तारीख दी है।**

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1200 से बढ़ाकर 1500 करने के चुनाव आयोग के फैसले पर उससे सोमवार को स्पष्टीकरण मांगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने इंदु प्रकाश सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह से कई सवाल पूछे।

पीठ ने मनिंदर सिंह से पूछा कि अगर किसी मतदान केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाता पहुंच जाएं तो स्थिति से कैसे निपटा जाएगा।इस पर सिंह ने कहा कि ऐसा निर्णय लेने से पहले सभी राजनीतिक दलों से परामर्श किया जाता है। पीठ ने यह भी पूछा कि एक मतदान केंद्र में कई मतदान केंद्र हो सकते हैं, इसलिए क्या यह नीति एक मतदान केंद्र पर भी लागू होगी।

शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से एक संक्षिप्त हलफनामा दाखिल करने के निर्देश देते हुए याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 17 जनवरी 2025 की तारीख मुकर्रर कर दी।

इससे पहले 27 अक्टूबर को याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने तर्क दिया था कि मतदाताओं की संख्या 1,200 से बढ़ाकर 1,500 करने से वंचित समूह चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे, क्योंकि किसी व्यक्ति को वोट डालने में अधिक समय लगेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि मतदान केंद्र पर लंबी कतारें और लंबी प्रतीक्षा अवधि मतदाताओं को वोट डालने से रोकेंगी।उन्होंने दावा किया कि यह निर्णय(मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या बढ़ ाने का) मनमाना था और आंकड़ों पर आधारित नहीं था।

जनहित याचिका में चुनाव आयोग द्वारा देशभर में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या बढ़ ाने संबंधी प्रस्ताव को चुनौती दी गई है।

सन् 2000 के मालपुरा दंगों में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक जवाहर सिंह ने अदालत को बताया कि मामले में मृतक की विधवा धन्नी देवी ने 10 जुलाई, 2000 को मालपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि वह अपने पति हरिराम के साथ खेत पर जा रही थी। इस दौरान अभियुक्तों ने धारदार हथियार से उसके पति पर हमला बोल दिया और उसके शरीर पर कई जगह वार किए, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्तों को समय-समय पर गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, मृतक की विधवा की ओर से अधिवक्ता वी.के. बाली और अधिवक्ता सोनल दाधीच ने अदालत को बताया कि घटना के समय मालपुरा में दो संप्रदायों के बीच दंगा हुआ था। वहीं, हरिराम और धन्नी देवी अपने खेत पर जा रहे थे। इस दौरान, अभियुक्तों ने अचानक आकर हरिराम की हत्या कर दी। मृतक की अभियुक्तों के साथ कोई रंजिश भी नहीं थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

किसानों ने दिल्ली मार्च एक सप्ताह स्थगित किया

केन्द्र सरकार को सात दिन में मांगें मानने का अल्टीमेटम

- **किसानों द्वारा दिल्ली मार्च स्थगित करने व दलित प्रेरणा स्थल पर रुकने की घोषणा के बाद नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे से जाम समाप्त हुआ।**

नोएडा, 02 दिसंबर। किसानों के दिल्ली मार्च को लेकर सोमवार को दिनभर पुलिस प्रशासन की सांसें अटकी रहीं। किसान दादरी-नोएडा लिंक रोड पर महामाया फ्लाईओवर पर एकत्र हुए और सुबह करीब 11.30 बजे अपना मार्च शुरू किया। पुलिस ने कई जगहों पर बैरिकेड लगाए और भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई। इसके कारण दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी जाम लग गया।

हालांकि किसानों ने एक हफ्ते के लिए अपना आंदोलन टाल दिया है, लेकिन इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल के अंदर ही रुकेंगे। यह फैसला किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही शुरू हो गई है।

किसानों ने अपनी मांगों पर फैसला लेने के लिए केंद्र सरकार को एक हफ्ते का समय दिया है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन करेंगे। अगर एक हफ्ते में मांगे नहीं मानी गईं, तो किसान फिर से दिल्ली कूच करेंगे। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर यातायात सुचारू होने से पहले करीब चार-पांच घंटे तक लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ा।

किसानों की मांगें इस प्रकार हैं: पुराने भूमि अधिग्रहण कानून के तहत प्रभावित किसानों को 10 प्रतिशत प्लॉट और 64.7 प्रतिशत बढ़ ा हुआ मुआवजा दिया जाए। 1 जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित भूमि पर बाजार दर का चार गुना मुआवजा और 20 प्रतिशत प्लॉट दिया जाएं। भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्वास का लाभ दिया जाए। हाई पावर कमेटी द्वारा पास किए गए मुद्दों पर सरकारी आदेश जारी किया जाए और आबादी क्षेत्र का उचित निस्तारण किया जाए।

'पूर्व सी.जे.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने शुक्रवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पूजा स्थल अधिनियम-1991 के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई है। यही हमारी स्थिति है। हम इस मुद्दे को उठाएंगे। मगर इसके लिए सबसे जरूरी है कि संसद को काम करने दिया जाना चाहिए।

आज होगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री के रूप में ढाई साल का कार्यकाल और दिया जाये। उन्होंने कहा कि शिन्दे ने प्रधानमंत्री तथा भाजपा के अन्य शीर्ष नेताओं को आश्वस्त कर दिया है कि भाजपा नये मुख्यमंत्री के रूप में जिसका भी चयन करती है, शिव सेना उसका समर्थन करेगी।

वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने ढील देने से इंकार किया

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लागू प्रतिबंधों में ढ ील देने से इनकार करते हुए, सोमवार को कहा कि संबंधित आंकड़ों की समीक्षा के बाद ही वह पांच दिसंबर को कोई छूट देने पर विचार करेगा।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सी.ए.क्यू.एम.) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की ढ ील देने की गुहार अस्वीकार करते हुए कहा कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली में लगाए गए ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान (जी.आर.ए.पी.) स्टेज-4 के तहत, तमाम प्रतिबंध फिलहाल लागू रहेंगे।

पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को भी संभल जाने से रोका

कांग्रेस नेताओं ने कहा, उन्हें रोककर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया है

लखनऊ, 02 दिसंबर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने सोमवार को संभल जाने का प्रयास किया, मगर पुलिस ने जिला प्रशासन द्वारा दस दिसंबर तक लगायी गयी रोक का हवाला देते हुये उन्हे जाने की अनुमति नहीं दी।

गौरतलब है कि अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) के सर्वे के दौरान पिछले दिनों संभल में भड़की हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गयी थी। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि वह मृतक के परिजनों को ढ ाढ स बंधाने के लिये जा रहे थे, मगर तानाशाही सरकार के इशारे पर पुलिस ने उन्हे जाने की अनुमति नहीं देकर उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एक तरफ सरकार अपने दायित्वों का निर्वहन करने में असफल रही और दूसरी तरफ तानाशाही रवैया अपनाते हुए कांग्रेस नेताओं को मृतकों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने जाने से रोकने के लिए हर आलोकतांत्रिक हथकंडा अपना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संवैधानिक अधिकार है कि वह जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं और मुद्दों को सुने और सदन में उठाये। मगर योगी सरकार को इस बात का भय है कि कांग्रेस नेताओं के संभल जाने से सच बाहर आ जायेगा और वह बेनकाब हो जायेगी। राय ने कहा कि 24 नवंबर की घटना के बाद कांग्रेस ने यह एलान किया था कि हम पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए आगामी दो दिसंबर को संभल जायेंगे, क्योंकि सरकार द्वारा 30 नवंबर तक विपक्षी नेताओं के संभल जाने पर रोक लगा दी थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908